हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 23 जुलाई 2025

BRILLIANT MINDS SHAPING A STRONG LEGACY

Leadership that Guides Your Journey from the Classroom to Your Career

RUNGTA INTERNATIONAL SKILLS UNIVERSITY

Approved by UGC U/s 2(F)

26 YEARS OF DEVELOPING BRIGHT FUTURES

Seating Left to Right

- **CA Sonal Rungta** – CEO
- **Santosh Rungta** – Chancellor
- **Dr Soourabh Rungta** – Pro Chancellor
- **Dr. Jawahar Surisetti** – Vice Chancellor

Standing Left to Right

- **Dr. Chinmay Chandrakar** – Director - School of Engineering & Technology
- **Mahendra Shrivastava** – Executive Director - Student Affairs & ECS
- **Dr. YM Gupta** – Group Director - Academics
- **G. Venugopal** – Executive Director - Incubation, CEO - RuBI
- **Dr. Sanjeev Shukla** – Executive Director - Admission & Outreach
- **Dr. Manish Manoria** – Pro Vice Chancellor, Director - School of Computer Sc. Engg & IT
- **Dr. Neema S. Balan** – Director - School of Sciences, Life Sciences and Education
- **Dr. Ajazuddin** – Registrar, Executive Director - R & D
- **Dr. Ashish Panat** – Executive Director - Academics
- **Dr. Manoj Verghese** – Executive Director - Corporate Communications, Director - School of Management & Commerce
- **CA. Pankaj Maheshwari** – Chief Finance Officer
- **Dr Edwin Anthony** – Executive Director - CDC
- **Dr. Mukesh Kumar Sharma** – Controller of Examination, Director - School of Pharmacy

For Your **Career Success**

In-Demand Degrees Boosted with **Industry-Ready** Certifications

50+ UG & PG Programmes

20+ Add-on Certifications with Every Degree in Industry-Focused Areas

Powered by Tech Giants & Academic Leaders

Google Cloud | Microsoft Education | University of Cambridge | Stanford University | University of Michigan | amazon | DeepLearning.AI | Harvard Business School | EC-Council | IBM | Meta | UCIrvine | NVIDIA | The Linux Foundation

School of Computer Sc. & Engineering - RCET, Bhilai
NAAC-A Grade | NBA Accredited | NIRF Innovation Ranked

- **B.Tech. CSE** in association with **Google** - **BE110**
- **B.Tech. CSE** Artifical Intelligence in association with **Google** - **BE110**
- **B.Tech. CSE** AI & ML in association with **Google** - **BE110**
- **B.Tech. CSE** Data Science in association with **Google** - **BE110**
- **B.Tech. CSE** AI & ML in association with **IBM** - **BE110**
- **B.Tech. CSE** Cyber Security in association with **EC Council** - **BE110**
- **B.Tech. CSE** Information Technology - **BE110**
- **M.Tech.** Computer Science & Engineering - **ME110**

School of Engineering & Technology - RCET, Bhilai
NAAC-A Grade | NBA Accredited | NIRF Innovation Ranked

- **B.Tech.** Civil Engineering - **BE110**
- **B.Tech.** Electrical Engineering - **BE110**
- **B.Tech.** Electronics & Telecommunication - **BE110**
- **B.Tech.** Mechanical Engineering - **BE110**
- **B.Tech.** Mining Engineering - **BE110**
- **M.Tech.** Structural Engineering - **ME110**
- **Diploma** Electrical Engineering - **DE204**
- **Diploma** Mechanical Engineering - **DE204**

School of Management & Commerce - GDRCST & RCET, Bhilai
NAAC-A Grade

- **BBA**
- **BBA** Global
- **BBA** Business Analytics in association with **IBM**
- **MBA** - **MBA115**
- **MBA** Global - **MBA115**
- **MBA** Business Analytics in association with **IBM** - **MBA115**
- **BBA MBA** (Integrated)
- **B.Com**

School of Life Sciences - GDRCST
NAAC-A Grade

- **B.Sc.** - Biotechnology - Zoology / Botany
- **B.Sc.** - Forensic Science
- **B.Sc.** - Bio Informatics
- **M.Sc.** - Biotechnology
- **M.Sc.** - Bio Informatics

School of Sciences - GDRCST
NAAC-A Grade

- **B.Sc.** - PCM
- **M.Sc.** - Maths
- **M.Sc.** - Physics
- **M.Sc.** - Chemistry

School of Information Technology - GDRCST & RCET, Bhilai
NAAC-A Grade

- **BCA** AI & ML in association with **Google**
- **BCA** Data Science in association with **Google**
- **BCA** Full Stack in association with **Google**
- **MCA** AI & ML in association with **Google** - **MCA107**
- **MCA** Data Science in association with **Google** - **MCA107**
- **MCA** Full Stack in association with **Google** - **MCA107**
- **BCA & MCA** (Integrated) - AI & ML in association with **Google**
- **BCA & MCA** (Integrated) - Data Science in association with **Google**
- **BCA & MCA** (Integrated) - Full Stack in association with **Google**
- **B.Sc.** Computer Science AI & ML in association with **Google**
- **M.Sc.** Computer Science AI & ML in association with **Google**
- **PGDCA**
- **DCA**

School of Pharmacy - RIPER & RCPSR
NAAC-A Grade

- **B. Pharmacy** - **RCPSR - BDP106** | **RIPER - BDP121**
- **D. Pharmacy** - **RCPSR - BDP106** | **RIPER - BDP121**
- **M. Pharma** - Pharmaceutics - **RCPSR - MPH106**
- **M. Pharma** - Pharmacology - **RCPSR - MPH106**
- **B. Pharmacy** - Practice

*Subject to Approval of Ordinances by CG Govt.

9016 11 3333

Campus: Rungta R1 Educational Campus, Kohka-Kurud Road, Bhilai, Chhattisgarh

Raipur City Office: Shop No. 1 & 2, 1st Floor, Shyam Plaza, Pandri **888 04 888 70**

www.rungta.ac.in

Deepak Advertisers

विधायक विश्राम गृह में घुटने तक भरा पानी, कैंटीन में घुसा

राजधानी रायपुर में दोपहर हुई तेज बारिश से शैलेंद्र नगर स्थित संगवारी विधायक विश्राम गृह में घुटने तक पानी भर गया। यहां पर ग्राउंड फ्लोर पर स्थित कई फ्लैटों में पानी घुसने से सामान खराब होने की संभावना है। फिलहाल यहां पर किसी विधायक के ठहरने की जानकारी नहीं मिली है। बताया जाता है, यहां पर नीचे बनी कैंटीन में भी पानी घुस गया।

■ यहां पर सत्र के दौरान रुकते हैं विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शैलेंद्र नगर स्थित विधायक विश्राम गृह प्रदेश के विधायकों को आबंटित किया जाता है। विधानसभा सत्र के दौरान कई दूर दराज के विधायक यहां पर रहते हैं। राज्य बनने के बाद विधायक विश्राम गृह रिंग रोड के किनारे बने आरडीए के फ्लैट को चिन्हित किया गया था। शहर के बीच स्थित विश्राम गृह के किनारे से बहने वाले नाले में बारिश का पानी ओव्हर फ्लो होने पर पानी उसके परिसर में आ जाता है। राजधानी रायपुर के रिंग रोड, भाठागांव, टाटीबंध, तेलीबांधा क्षेत्र में सुबह 11 बजे आधे घंटे हुई तेज बारिश ने ऐसा कहर बरपा कि सड़कों में पानी का जमाव नजर आया। तेज बारिश से कई इलाकों में पानी भरा रहा। शैलेंद्र नगर में डीईओ आफिस के पास सड़क पर पानी से कार्यालय के मुख्यद्वार पर पानी देखने को मिला। उसके आगे विधायक विश्राम गृह तक सड़क में पानी भरा रहा।

दूरस्थ क्षेत्र के विधायक कभी-कभी रुकते हैं

विधानसभा सचिवालय के अनुसार वर्तमान में विधायकों को संगवारी विधायक विश्राम गृह का आबंटन होता है। वैसे यहां दूरस्थ क्षेत्र के विधायक राजधानी आने पर यहरां रुकते हैं। विधानसभा सत्र के दौरान कई विधायक यहां रहते हैं। उनके यहां रहने के दौरान कैंटिन में चाय-नाश्ते और खाने की व्यवस्था यहां से हो जाती है।

फिनाइल, हैंडवॉश बनाने वाली भाठागांव और गुढ़ियारी की फैक्ट्री में औषधि विभाग का छापा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

फिनाइल और हैंडवॉश बनाने वाली भाठागांव और गुढ़ियारी की दो फैक्ट्री में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने सोमवार को छापा मारा। जांच के बाद वहां फिनाइल और हैंडवाश के साथ करीब साढ़े छह लाख का सामान जब्त किया है। जांच के दौरान दोनों फैक्ट्री के मालिकों ने विभागीय तौर पर किसी तरह का लाइसेंस नहीं लिया था। खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम अवैध रूप संचालित हो रहे फर्मों के साथ नशीली दवाओं की बिक्री रोकने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। विभागीय टीम को सूचना मिली कि बाजार में बिक रहे फिनाइल और कुछ हैंडवॉश बनाने वाली कंपनियों ने निर्माण से संबंधित प्रक्रिया पूरी नहीं की है। इस आधार पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक अग्रवाल, सहायक नियंत्रक एफडीए बेनीराम साहू एवं संजय नेताम के निर्देश पर टीम ने भाठागांव के लक्ष्मी इंटरप्राइजेस और गुढ़ियारी के शोला इंड्रस्ट्रीज में दबिश दी।

रिकार्ड नहीं दवा कंपनी को नोटिस

नारकोटिक दवाओं का रिकार्ड एवं रजिस्टर का उचित रखरखाव नहीं करने की शिकायत पर डूमरतराई के दवा बाजार में संचालित मेसर्स वेनोर नामक संस्थान को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दवा कंपनी पहुंची टीम को वहां दवाओं के कुछ फर्जी प्रिस्क्रिप्शन भी मिले है।जिस आधार पर विभागीय टीम आगे जांच कर रही है।

भिलाई तीन व्यवहार न्यायालय परिसर की घटना

न्यायालय के बाबू ने कोर्ट रूम में लगाई फांसी, मिला सुसाइड नोट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दुर्ग जिले में भिलाई तीन स्थित व्यवहार न्यायालय में वहां के बाबू ने कोर्ट रूम के अंदर फांसी लगा ली। घटना मंगलवार सुबह की है। सूचना मिलते ही पुरानी भिलाई पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को जांच में एक सुसाइड नोट मिला है, जो कि मृतक द्वारा ही लिखा बताया जा रहा है।

पुरानी भिलाई पुलिस ने बताया कि जिस न्यायालय कर्मी ने फांसी लगाई है वो वहां लिपिक याने बाबू के पद पर पदस्थ था। उनका नाम सोमनाथ ठाकुर (43 वर्ष) है। मृतक भिलाई तीन स्थित न्यायालय कालोनी में रहता था। इसका मूल निवास केसरादानी थाना रानीतराई है। पूछताछ में पता चला कि सोमनाथ रोज की तरह मंगलवार सुबह ड्यूटी पर कोर्ट पहुंचा था। सोमनाथ घर से टिफिन लेकर आया हुआ था। जब वो न्यायालय पहुंचा तो उस समय बाकी लोग नहीं पहुंचे थे। जब वहां दूसरे कर्मचारी समय पर पहुंचना शुरू हुए और रिकार्ड रूम पहुंचे तो देखा कि सोमनाथ फंदे पर लटका हुआ है। तुरंत इसकी जानकारी पुरानी भिलाई थाने को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी टीम के साथ खुद मौके पर पहुंचे। पुलिस ने अपने सामने सोमनाथ के शव को फंदे से नीचे उतारवाया। इसके बाद शव का पंचनामा कार्रवाई की गई और फिर उसे पीएम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भेज दिया गया। सूचना मिलते ही घर से सोमनाथ की पत्नी बेटा और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। मृतक का एक बेटा और एक बेटी है।

■ खबर से मचा हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

जेब से मिला सुसाइड नोट

पुलिस ने जब सोमनाथ के शव की तलाशी ली तो उसकी जेब में मिले पर्स से एक सुसायडल नोट बरामद हुआ है। नोट में उसने काम का बोझ और अधिकारी की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करना लिखा है। मृतक के पास से एक मोबाइल और एक्सरसाइज नोटबुक भी मिला है। मृतक न्यायाधीश अभिनव डहरिया के कोर्ट में पदस्थ था। पूछताछ में ये बातें सामने आई हैं कि सोमनाथ पर काम का काफी दबाव था। उससे वो काफी परेशान रहता था। इसी से तंग आकर उसने आत्महत्या जैसा घातक कदम उठाया।

यूनियन ने जताया आक्रोश

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर न्यायिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मनोहर कुमार अपने साथियों के साथ पहुंचे। उन्होंने कहा कि यूनियन स्तर पर इस मामले को गंभीरता के साथ उठाया जाएगा। उन्होंने पुलिस से निष्पक्ष जांच कराने के साथ पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

जांच की जा रही

मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। मृतक के पास से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें काम का बोझ और अधिकारी की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करना बताया गया है। इसकी भी जांच की जा रही है।

-पद्मश्री तंवर, एएसपी

गणित की तरह अन्य विषयों के भी दो पर्चे, इनमें एक सरल और एक होगा कठिन

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 9वीं और 10वीं में साइंस और सोशल साइंस में छात्रों को बेसिक और एडवांस का विकल्प देने का फैसला कुछ दिनों पूर्व किया था। अब सीबीएसई इस मॉडल को हायर सेकेंडरी लेवल अर्थात कक्षा 11वीं और 12वीं में भी लागू करने की प्लानिंग बना रहा है, जिसकी शुरुआत कक्षा 11वीं से होगी। सीबीएसई अभी कक्षा 10वां में गणित का विकल्प दो लेवल पर देता है- स्टैंडर्ड और बेसिक। बेसिक लेवल की परीक्षा स्टैंडर्ड लेवल से आसान होती है, लेकिन दोनों लेवल के पेपर एक ही सिलेबस पर बेस्ड होते हैं। पिछले साल दिसंबर में सीबीएसई की गवर्निंग बॉडी ने इस मॉडल से कक्षा 9वीं और 10वीं में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में भी लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इससे 2026-27 एकेडमिक ईयर से कक्षा 9वीं से शुरू होकर इन तीनों सब्जेक्ट को बेसिक और एडवांस फॉर्मेट में पेश करने का रास्ता खुल गया है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 एकेडमिक ईयर में कक्षा 11वीं के छात्रों के लिए भी स्टैंडर्ड और बेसिक का विकल्प शुरू करने की कोशिश की जा रही है। इसके अगले वर्ष कक्षा 12वीं के लिए भी इसे लागू किया जाएगा। नए मॉडल को कब लागू किया जाएगा, इसे लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। एनसीईआरटी की नई किताबें जारी होने के बाद यह मॉडल लाया जाएगा। नए पाठ्यक्रम और सिलेबस पर निर्भर करेगा और वे दो लेवल पर सीखने को कैसे समायोजित करती है।

■ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत किया गया बदलाव, दसवीं में पहले से ही यह व्यवस्था

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद से लेकर अब तक कक्षा 1 से 4, और कक्षा 6 और 7 के लिए नई किताबें जारी की गई है। कक्षा 5वीं और 8वीं के लिए किताबें करंट एकेडमिक सेशन में उपलब्ध कराई जा रही हैं, जबकि कक्षा 9 से 12 के लिए आने वाले सेशन के लिए निर्धारित हैं। एनसीईआरटी के अनुसार, किताब निर्माण के लिए कमेटी गठित की गई है। कक्षा 9 और 11 के लिए किताबें इस साल के आखिर तक तैयार होने की उम्मीद है। किसी भी विषय को दो लेवल पर पेश करने का फैसला एनईपी के मुताबिक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार, सभी विषय दो लेवल पर पेश किए जा सकते हैं, जिसमें छात्र अपने कुछ सब्जेक्ट स्टैंडर्ड लेवल पर और कुछ हायर स्तर पर करेंगे।

मतदान दल पर विस्फोटक से हमला, तीन नक्सली सहयोगियों की जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं बीडी गुरू की डीबी ने मतदान दल पर विस्फोटक से हमला कर सुरक्षा बल के जवान की हत्या करने के आरोपियों की जमानत खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा है कि राज्य के विरुद्ध अपराधों से जुड़े मामलों में और जहां किसी अभियुक्त पर विशेष अधिनियमों के तहत आरोप लगाए गए हों, वहां सामान्यतः जमानत नहीं दी जा सकती। न्यायालयों को ऐसे मामलों में जमानत पर विचार करते समय अधिक सावधानी बरतने और सख्त रुख अपनाने की आवश्यकता है। कोर्ट ने आरोपों की गंभीरता, राज्य की सुरक्षा और ऐसे विशेष कानूनों के तहत जमानत देने पर लगाए गए वैधानिक प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए आरोपियों की जमानत आवेदन निरस्त किया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने विचारण न्यायालय को 6 माह के अंदर निर्णय करने का निर्देश दिया है। घटना के मुताबिक 17 नवंबर को गरियाबंद जिला के मैनपुर क्षेत्र के एक मतदान केन्द्र से लगभग 3:40 बजे मतदान समाप्त होने के बाद आई.टी.बी.पी. कांस्टेबल जोगेंद्र कुमार सुरक्षा बल के साथ लौट रहे थे। जब वे बड़ेगोबरा के पास पहुँचे, तो एक जानबूझकर बम विस्फोट किया गया, जिसका उद्देश्य उन्हें मारना था। इस बम विस्फोट के परिणामस्वरूप, कांस्टेबल जोगेंद्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई।

■ 17 नवंबर 2023 मैनपुर क्षेत्र में घटना को अंजाम दिया था

यूएपीए की धाराओं की तहत गिरफ्तारी

उक्त घटना और शिकायत के आधार पर, पुलिस ने अभियुक्तों के विरुद्ध, भारतीय दंड संहिता की धाराएं 147, 148, 149, 302, 307, 120-बी, 121, 121-ए, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 की धाराएं 4, 5 और 6, शस्त्र अधिनियम, 1959 की धाराएँ 25 और 27, तथा यूएपीए की धाराएं 16, 17, 18, 20, 23, 38, 39, के तहत अपराध दर्ज कर भूपेन्द्र नेताम, मोहनलाल यादव, लखनलाल यादव को गिरफ्तार कर विशेष न्यायाधीश एनआईए कोर्ट रायपुर में चालान पेश किया है। मामले की सुनवाई में विलंब होने एवं इनके निर्दोष होने के आधार पर हाईकोर्ट में जमानत आवेदन पेश किया गया था। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस बीडी गुरू की डीबी ने आरोपियों के जमानत आवेदन को खारिज किया है।

नक्सल गतिविधियों को अंजाम देने में संलिप्तता

सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह स्थापित होता है कि अपीलकर्ताओं की बड़ी नक्सल गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश में संलिप्तता है, जिसमें आईईडी विस्फोट भी शामिल है। इसके परिणामस्वरूप एक सुरक्षाकर्मी की मृत्यु हो गई। अपीलकर्ताओं का प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) से जुड़ाव, रसद सामग्री, डेटोनेटर, तार जैसी सामग्री, और अपराध को अंजाम देने के लिए आवश्यक अन्य सहायता प्रदान करने में उनकी कथित भूमिका, साथ ही षड्यंत्र बैठकों में उनकी भागीदारी, संरक्षित गवाहों के बयानों, उनके खुलासों के बाद की गई बरामदगी और अन्य दस्तावेजी साक्ष्यों के माध्यम से पुष्ट हुई है। कोर्ट ने कहा कि केवल लंबी हिरासत या सामाजिक-आर्थिक कठिनाई, राष्ट्रीय सुरक्षा के विरुद्ध अपराधों से जुड़े आरोपों की गंभीरता और गंभीर प्रकृति पर भारी नहीं पड़ सकती।

छत्तीसगढ़ सरकार बनाएगी पेंशन फंड, 450 करोड़ का होगा खर्च, मार्केट में निवेश भी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने पेंशनधारियों की पेंशन अदायगी के लिए एक पेंशन फंड बनाने की तैयारी की है। खास बात ये है कि इस फंड में सरकार 450 करोड़ रुपए लगाएगी। इसके साथ ही इस फंड की राशि का कुछ हिस्सा मार्केट में भी निवेश किया जाएगा। राज्य सरकार ने यह व्यवस्था लागू करने के लिए हाल ही में विधानसभा में छत्तीसगढ़ पेंशन निधि विधेयक 2025 भी पारित कराया है। जानकारों का कहना है कि राज्य में इस तरह की व्यवस्था पहली बार की जा रही है। इससे राज्य में पेंशन राशि की वजह से पड़ने वाले वित्तीय बोझ में कमी आएगी। यह निधि भविष्य के पेंशन एवं अन्य सेवानिवृत्त दायित्वों के भुगतान हेतु इस्तेमाल की जाएगी। इस विधेयक में कहा गया है कि पिछले वर्ष के पेंशन भुगतानों का अधिकतम पांच प्रतिशत प्रत्येक वर्ष पेंशन निधि में निवेश किया जाएगा, परंतु संसाधनों की उपलब्धता तथा शासन की वित्तीय स्थिति के अध्यधीन रहते हुए, शासन आपवादिक परिस्थितियों में पेंशन निधि की उक्त सीमा से अधिक ऐसी राशि का अंतरण कर सकेगा। इसी क्रम में विधेयक में साफ किया गया है कि यदि किसी वित्तीय वर्ष में पेंशन भुगतानों में वृद्धि विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक होती है. तो अतिरिक्त 20 प्रतिशत राशि को निधि से लिया जा सकता है। 20 प्रतिशत तक की वृद्धि का वहन राज्य शासन संचित निधि से करेगी। यदि शासन आवश्यक समझे तो विगत वर्ष तक निवेश पर अर्जित आय का अधिकतम 10 प्रतिशत एक वित्तीय वर्ष में पेंशन भुगतान हेतु उपयोग किया जा सकेगा।

राज्य में हैं 1 लाख 45 हजार पेंशनर्स, जल्द ही बड़ी संख्या में होंगे रिटायर

पीएटी रिजल्ट कूड़ेदान में! नहीं भरी सीटें

रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित प्री एग्रीकल्चर टेस्ट एक बार फिर से कूड़ेदान में फेंक दिया गया है। अब कृषि पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए इसकी आवश्यकता नहीं होगी। बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण ऐसे विद्यार्थी, जिन्होंने पीएटी नहीं दिलाई है, वे भी बीएससी एग्रीकल्चर में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

छ.ग. गृह निर्माण मंडल, वृत्त-बिलासपुर

निविदा आमंत्रण सूचना वि.क्र.-23

बिलासपुर अन्तर्गत सिविल संभाग, विद्युत संभाग एवं संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र कार्यालयों में कार्यालयीन कार्य संपादन हेतु प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से मानव संसाधन (मेन पॉवर) उपलब्ध कराने का कार्य हेतु (प्रथम) ऑनलाईन निविदा पंजीकृत सक्षम श्रेणी एजेंसियों से आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग बिलासपुर के मो.नं. 8103002219 पर संपर्क करें।

उपायुक्त

सं.- 44642

छत्तीसगढ़ नान घोटाला में आरोपी चंद्राकर को हाईकोर्ट से जमानत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में चर्चित नान घोटाले से जुड़े मामले में हाईकोर्ट ने आरोपी रोशन चंद्राकर को जमानत दे दी है। यह मामला वर्ष 2024 के जनवरी माह में एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा दर्ज किया गया था, जिसमें गंभीर आर्थिक अनियमितताओं और राइस मिलरों से अवैध वसूली के आरोप लगाए गए थे। एसीबी की जांच में यह सामने आया था कि निगम में पदस्थ अधिकारियों ने न केवल घोटाले को अंजाम दिया, बल्कि उस घोटाले से तत्कालीन नान के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज सोनी और अन्य को नियमों के विरुद्ध आर्थिक लाभ भी पहुंचाया। गया। इस प्रकरण में आरोपी रोशन चंद्राकर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेन्द्र दुबे और अधिवक्ता आदित्य तिवारी ने हाई कोर्ट में जमानत याचिका प्रस्तुत की थी।

Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya
Krishak Nagar, Raipur-492 012 (CG)
DIRECTORATE OF INSTRUCTIONS

क्र. शैक्ष-02/05/2025-26/1213 दिनांक: 21/07/2025

PG Admission Notice 2025-26

Online applications are invited for admission to Post Graduate programmes of this Vishwavidyalaya in the Faculty of Agriculture/Horticulture /Agricultural Engineering on the basis of merit list of PG-CET-2025. The application form along with all other details will be available on the web link https://igkv.ac.in from 22/07/2025. The last date of filling online application is 31/07/2025. All interested candidates who are in merit list are advised to visit the web link and fill the online application form within the stipulated time.

संवाद-44640 REGISTRAR

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क. स्व./2025 दिनांक 15.07.2025

नगर पालिक निगम, कोरबा द्वारा शासकीय एवं अर्धशासकीय विभागों में व्यवसाय से संबंधित अनुभवी निविदाकार/ फर्मों से निम्न लिखित कार्य हेतु शेड्यूल अनुसार आयटम दरों पर ई-प्रोक्युरमेंट (E-Tendring) के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	नगर पालिक निगम कोरबा के लिए (स्वच्छता कमान्डो) अकुशल श्रमिक प्रदाय कार्य स्वच्छता कार्यों के संचालन हेतु (प्रथम निविदा) (निगम मद)	60.90	06.08.2025 (T.No.172074)
2	आवारा पशुओं की रोकथाम हेतु श्रमिक आपूर्ति (प्रथम निविदा) (निगम मद)	30.51	06.08.2025 (T.No.172075)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

सहा. स्वास्थ्य अधिकारी
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

क्रमांक /स्टोर्स-25-26/2025/1219 रायपुर, दिनांक- 21/7/2025

प्रवेश सूचना

बी.एस-सी. (आनर्स) कृषि पाठ्यक्रम की रिक्त सीटों पर पी.ए.टी एवं 12वीं के आधार पर (नई शिक्षा नीति 2020 के तहत) प्रवेश हेतु सूचना

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अन्तर्गत संचालित बी.एस-सी. (आनर्स) कृषि पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष की रिक्त सीटों पर शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु योग्यताधारी अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है जिसका विवरण निम्नानुसार है-

पाठ्यक्रम

* बी.एस-सी. (आनर्स) कृषि

न्यूनतम योग्यता:

* 12वीं उत्तीर्ण (विज्ञान समूह (भौतिक, रसायन एवं गणित या भौतिक, रसायन एवं जीव विज्ञान) अथवा कृषि समूह (कृषि के लिए उपयोगी विज्ञान एवं गणित, फसल उत्पादन एवं उद्यान शास्त्र, पशुपालन एवं कुक्कुट पालन) के साथ
* पूरक परीक्षा 2025 से 12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थी योग्य नहीं होंगे।
* सामान्य वर्ग के लिए 50 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग के लिए 40 प्रतिशत अंक आवश्यक
* छत्तीसगढ़ के मूल निवासी उपलब्ध न होने पर रिक्त सीटें अन्य प्रदेशों के योग्य अभ्यथियों से (न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक आवश्यक) से भरी जावेगीं।

प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन हेतु दिशा-निर्देश एवं अन्य जानकारी वेबसाईट igkv.ac.in पर दिनांक 21 जुलाई से 26 जुलाई 2025 तक (रात्रि 11.30 बजे) उपलब्ध होगी। इच्छुक अभ्यर्थी igkv.ac.in पर ऑनलाईन आवेदन करें। इस अवधि में पंजीयन करने वाले अभ्यर्थियों को निर्धारित नियमों के तहत प्रावीण्यता के आधार पर उपरोक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जायेगा। (सम्पर्क दूरभाष: 0771-2970217)

निजी महाविद्यालय के प्रबंधन सीटों पर प्रवेश

प्रबंधन कोटा की सीटों में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी दिनांक 28 जुलाई से 03 अगस्त 2025 के मध्य igkv.ac.in पर लॉगिन कर पंजीयन कर सकते है।

REGISTRAR
I.G. Krishi Vishwavidyalaya
RAIPUR (C.C.)

सं-44636

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL), CSPGCL,
Shed No. 11, Dangania, Raipur-492013 Phone No. 0771-2574562,
website www.cspc.co.in E-mail:- civilprojectcmg@gmail.com

No.04-04/W/803 Raipur, date 18-07-2025

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from contractors registered in appropriate class in CSPGCL. The unregistered contractor having work experience in Govt./Public Sector Undertaking/Local bodies/Power Generating Companies in India only may be considered on submission of experience certificate for following works as mentioned below:-

Tender Specifi. No.	Name of Work	NIT value
CEC/HTPS-KW/W/2025/72	Urgent strengthening of bulk acid tank slab of DM plant area by shotcreting at 4x210MW, HTPS, CSPGCL, Korba West	17.16 Lacs
CEC/HTPS-KW/W/2025/73	Upgradation of area adjacent to ICT R-92 and air compressor room of 400KV switch yard at 4x210MW HTPS, CSPGCL, Korba West.	15.34 Lacs
CEC/HTPS-KW/W/2025/74	Muffing works for pedestals of 220 KV switch yard and fixing of precast slabs over cable trenches near ICT at 4x210MW HTPS, CSPGCL, Korba West.	7.98 Lacs
CEC/ABVTPS-MRW/W/2025/75	Annual contract for Removal of unwanted vegetation in colony premises at 2x500MW, ABVTPS, CSPGCL, Janjgir Champa	5.15 Lacs
CEC/ABVTPS-MRW/W/2025/76	Painting work of boundary wall around power house at 2x500MW, ABVTPS, CSPGCL, Janjgir Champa	16.96 Lacs
CEC/Sikasar-HEP/W/2025/77	Annual maintenance of lawn and gardens inside Power House premises, sweeping and cleaning of roads, drains, office building & care taking for meeting hall & retiring room at 2x3.5MW HEP, Sikasar, Gariyaband	14.82 Lacs
CEC/DSPM-KE/W/2025/78	Construction of Occupational Health Center at DSPM-TPS, CSPGCL, Korba East.	22.00 Lacs

Note:- (i) The detailed NIT, Tender document & other details can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in:50724/ irj /portal. (ii) NIT value is inclusive of GST @ 18%.

Superintending Engineer (Civil)
O/o Chief Engineer (Civil)
CSPGCL, Raipur

SAVE ELECTRICITY

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

एक साल में 1.15 लाख से अधिक आरटीआई आवेदन, सूचना देने में आनाकानी, 639 अधिकारियों पर अनुशासन का डंडा चलाने का फरमान, डेढ़ करोड़ का जुर्माना भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

क्या छत्तीसगढ़ में सूचना के अधिकार कानून का क्रियान्वयन कमजोर करने का काम जनसूचना अधिकारी कर रहे हैं? क्या ये अधिकारी सूचना के अनुरोध को स्वीकार करने में आनाकानी कर रहे हैं, सूचनाएं समय पर न देने के साथ ही मांगी गई सूचना को नष्ट कर रहे हैं या भ्रामक जानकारी दे रहे हैं... जी हां, यह सब यहां हो रहा है। यही कारण है कि यह कारगुजारी करने वालों पर राज्य सूचना आयोग ने शिकंजा कसते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की है। तकरीबन 639 अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनत्मक कार्रवाई के लिए कहा गया है। तगड़ा जुर्माना भी लगाया गया है।

खास बातें

- रिपोर्ट में 2024 का किया गया है खुलासा
- 10 हजार से अधिक महिलाओं ने भी किया है आवेदन
- समय पर सूचना न देने पर कार्रवाई का प्रावधान

ये है मामला

राज्य सूचना आयोग की एक रिपोर्ट में यह खुलासा करते हुए बताया गया है कि यह स्थिति वर्ष 2024 की है। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 सरकार और अधिकारियों के कामकाज में सुधार लाने और पारदर्शिता लाने का एक सार्थक प्रयास है। सूचना का अधिकार देश में भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने और अधिकारियों में लालफीताशाही को नियंत्रित करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। इस अधिनियम के माध्यम से ऐसी व्यवस्था की गई है, जिसके अंतर्गत कोई भी नागरिक लोक प्राधिकारी के कार्यकलापों के संबंध में सूचना प्राप्त कर सके। यदि जनसूचना अधिकारी द्वारा संबंधित को समय पर सूचना उपलब्ध नहीं कराई जाती है, तो ऐसे अधिकारियों को, राज्य सरकार द्वारा गठित राज्य सूचना आयोग द्वारा दण्डित किया जा सकता है।

1 करोड़ 53 लाख से अधिक जुर्माना भी

आयोग द्वारा वर्ष 2024 में 1 करोड़ 53 लाख 13 हजार रुपए का अर्थदंड अपील एवं शिकायतों के प्रकरणों में जनसूचना अधिकारियों पर अधिरोपित किया गया है। आयोग द्वारा अधिनियम की धारा 20(2) के तहत अपील और शिकायत के 639 प्रकरणों में इतने ही अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। राज्य में 2024 में आरटीआई के तहत 1 लाख 15 हजार से अधिक आवेदन आए। इनमें से 6 हजार 459 शासकीय सेवकों, 19 हजार 516 पत्रकारों, 8 हजार 180 सामाजिक कार्यकर्ताओं, 10 हजार 135 महिलाओं तथा 71 हजार से अधिक अन्य लोगों ने आवेदन किए थे।

कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी, सड़क पर बैठे दिग्गज, तीन घंटे थमे रहे वाहनों के पहिए

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के बाद राज्य की सियासत तेज हो गई है। ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस ने मंगलवार को प्रदेशव्यापी चक्काजाम कर आर्थिक नाकेबंदी की। आंदोलन में कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता शामिल हुए। रायपुर के वीआईपी रोड में प्रदर्शन किया, इसमें भूपेश बघेल के साथ पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजा बरार भी शामिल हुए। भूपेश बघेल सड़क पर बैठे और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ रहे। उन्होंने ईडी की कार्रवाई को बदले की भावना बताया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सभी पांचों संभागों में नेशनल हाईवे पर सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक चक्काजाम किया। बड़े वाहन रोके गए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश में जंगल और खनिज संपदा की खुलकर लूट हो रही है, जिसमें पूंजीपतियों को छूट दी जा रही है। इससे राज्य को आर्थिक नुकसान और पर्यावरणीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। हसदेव और तमनार क्षेत्र के जंगलों की कटाई के विरोध में पहले से ही आंदोलन चल रहे हैं। सरगुजा, बस्तर, दुर्ग, बिलासपुर और रायपुर संभाग की सड़कों पर कांग्रेसियों ने ईडी और बीजेपी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सरगुजा में कांग्रेसियों ने रघुपति राघव गाकर विरोध ▶▶|शेष पेज 4 पर

- प्रदर्शन में भूपेश सहित कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता हुए शामिल

पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजा बरार भी प्रदर्शन में हुए शामिल

सरकार रायपुर से नहीं अहमदाबाद से चल रही- भूपेश

छत्तीसगढ़ में चक्काजाम और आर्थिक नाकेबंदी के दौरान पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, छत्तीसगढ़ की सरकार रायपुर से नहीं, बल्कि अहमदाबाद से चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी सरकार अडानी के लिए काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सत्ता पक्ष केंद्रीय जांच एजेंसियों का डर दिखाकर लगातार विपक्ष को जबरन जेल ▶▶|शेष पेज 4 पर

जगदलपुर में बैज प्रदर्शन में हुए शामिल

जगदलपुर में भी नेशनल हाईवे 30 में आमगुड़ा चौक पर कांग्रेसियों ने चक्काजाम किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, जबसे प्रदेश में भाजपा की सरकार आई है, तब से खदान एरिया को उद्योगपतियों को बेच रही है। इसका विरोध करने पर सबसे पहले पूर्व मंत्री कवासी लखमा को ईडी के हाथों फंसाया गया। ▶▶|शेष पेज 4 पर

डिप्टी सीएम साव बोले- कांग्रेस की नाकेबंदी रही सुपर फ्लॉप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, कांग्रेस की आज की गई आर्थिक नाकेबंदी सुपर फ्लॉप रही। एक के बाद एक भ्रष्टाचार के मामले सामने आने के बाद कांग्रेस में भी भूपेश बघेल की स्वीकार्यता खत्म हो रही है। आखिर कब तक भूपेश बघेल, अपनी सरकार में हुए भ्रष्टाचारों पर पर्दा डालने के लिए ऐसे काम करेंगे।

- जनता ने ही भूपेश बघेल को दे दिया करारा जवाब

श्री साव एकात्म परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, पहली बार देखा जा रहा है कि भ्रष्टाचारियों के पक्ष में आर्थिक नाकाबंदी करके निर्दोष आम जनता को सजा देने का षड्यंत्र किया गया था। जनता का धन्यवाद कि इसे विफल कर दिया। भूपेश बघेल कह रहे हैं कि श्री राम ▶▶|शेष पेज 4 पर

ईडी ने बताया है चैतन्य को पैसे मिले

श्री साव ने कहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी),रायपुर जोनल कार्यालय की प्रेस रिलीज में भी यह आईने की तरह साफ है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और अनुसूचित अपराधों से अर्जित 2500 करोड़ रुपए से अधिक की आपराधिक आय (पीओसी) लाभार्थियों की जेबों में भर गई। श्री साव ने कहा, ईडी की प्रेस रिलीज से यह पता चला है कि चैतन्य बघेल को 16.70 करोड़ रुपये की पीओसी प्राप्त हुई थी। चैतन्य ने उक्त पीओसी को मिलाने के लिए अपनी ▶▶|शेष पेज 4 पर

भूपेश सरकार ने राजस्व पर भी डाका डाला

श्री साव ने कहा, कांग्रेस की भूपेश सरकार ऐसी अनोखी भ्रष्ट सरकार थी जो अपने ही राजस्व में डाका डालती थी। आर्थिक नाकेबंदी में भूपेश को विशेषज्ञता हासिल है जब शासन में थे तो कोल, महादेव एप्प, चावल, शराब, पीएससी, घोटाला करके प्रदेश के आर्थिक विकास की नाकेबंदी इन्होंने करवायी थी। श्री साव ने कहा प्रदेश भर की जनता ने आर्थिक नाकेबंदी का विरोध किया। व्यापारिक और श्रम संगठनों ने इनकी नाकाबंदी का विरोध किया था। जनता भी खुल कर इनकी अराजकता के विरोध में आई।

खबर संक्षेप

अशोक चौधरी अमूल ब्रांड के चेयरमैन निर्वाचित

आणंद (गुजरात)। सहकारी नेता अशोक चौधरी मंगलवार को 'अमूल' ब्रांड का संचालन करने वाली सहकारी संस्था 'गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ' (जीसीएमएमएफ) के निर्विरोध चेयरमैन चुने गए। यह महासंघ गुजरात और देश के कई अन्य राज्यों में दूध और डेयरी उत्पादों का विपणन करता है। आणंद के जिला कलेक्टर और चुनाव अधिकारी प्रवीण चौधरी ने बताया कि गोरधन धमेलिया को जीसीएमएमएफ का निर्विरोध वाइस चेयरमैन चुना गया है। उन्होंने कहा, ''अशोक चौधरी और गोरधन धमेलिया निर्विरोध चुने गए क्योंकि इन पदों के लिए कोई अन्य नामांकन प्राप्त नहीं हुआ था।'' जीसीएमएमएफ के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के चुनाव के लिए महासंघ की यहां बैठक आयोजित हुई थी। गुजरात की 18 सहकारी डेयरी समिति इस महासंघ की सदस्य हैं।

अकासा एयर अपने बेडे में विमानों की संख्या बढ़ाएगी

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने 2032 तक अपने विमानों के बेड़े की संख्या को 226 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी अंकुर गोयल ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन का इस अवधि के दौरान सालाना 25 से 30 प्रतिशत की क्षमता जोड़ने का इरादा है। आकासा एयर की शुरुआत 2022 में हुई थी। वर्तमान में 30 बोइंग 737 मैक्स विमानों के बेड़े के साथ यह 23 घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ानों का परिचालन करती है। राष्ट्रीय राजधानी में गोयल ने कहा कि एयरलाइन कंपनी लागत पर ध्यान दे रही है।

ग्राहकों की शिकायतों को लेकर बैंक कर्मियों में संवेदना की कमी

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन ने निराशा जताई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने धोखाधड़ी जैसे गंभीर पहलुओं पर ग्राहकों की बढ़ती शिकायतों के बीच बैंक कर्मचारियों में 'संवेदना की कमी' पर निराशा जताई है। आरबीआई प्रवर्तित ए न आ ई बी ए म (राष्ट्रीय बैंक प्रबंधन संस्थान) के 12 जुलाई के एक कार्यक्रम में स्वामीनाथन ने कहा, ''स्वचालन बढ़ रहा है लेकिन स्वामित्व कम हो रहा है और ग्राहकों को 'अंतहीन' ईमेल और हेल्पलाइन नंबर से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर बैंक कर्मचारियों को व्यवस्था में लोगों का विश्वास बनाए रखना है, तो इन मुद्दों का समाधान जरूरी है। रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर मंगलवार को स्वामीनाथन के संबोधन को डाला गया। डिप्टी गवर्नर ने अपने समापन भाषण में कहा, ''ग्राहकों की शिकायतों की संख्या, खासकर डिजिटल माध्यमों से हाल के वर्षों में काफी बढ़ गई है।

- धाखाधड़ी जैसे गंभीर पहलुओं पर ध्यान नहीं दिया जाता

केवल आप ही संबंध बनाते हैं

डिप्टी गवर्नर ने कहा, ''प्रौद्योगिकी लेन-देन को संभव बनाएगी। लेकिन केवल आप ही संबंध बना सकते हैं और केवल आप ही अपने संस्थान के लिए ग्राहकों का भरोसा अर्जित कर सकते हैं। यही चीज है जो एक 'बैंकर' (बैंक कर्मचारी) को एक ऐप से अलग करती है।''डिप्टी गवर्नर ने कहा कि एक 'बैंकर' को तेजी से काम करना होता है, अनिश्चितताओं को सहना होता है, असफलताओं से उबरना होता है और लंबे समय तक केंद्रित रहना होता है। उन्होंने बैंक क्षेत्र में में दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने वाले छात्रों से कहा, ''आपको तीव्र बदलाव के क्षणों का सामना करना पड़ेगा।

वीडियोकॉन मामले में ट्रिब्यूनल का फैसला

कर्ज के बदले 64 करोड़ की रिश्वत, चंदा कोचर दोषी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के एक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को भ्रष्टाचार का दोषी पाया है। ट्रिब्यूनल के मुताबिक, चंदा ने विडियोकॉन समूह को 300 करोड़ का कर्ज मंजूर करने के बदले में 64 करोड़ की रिश्वत ली। यह रकम उनके पति दीपक कोचर की कंपनी को दी गई थी, जो वीडियोकॉन से जुड़ी थी। अपीलीय ट्रिब्यूनल ने कहा है कि वीडियोकॉन समूह से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक चंदा कोचर और उनके पति के खिलाफ धनशोधन का प्रथम दृष्टया मामला बनता है। ट्रिब्यूनल ने दंपत्ति के करोड़ों रुपये मूल्य के मुंबई स्थित फ्लैट को कुर्क करने के ईडी के 2020 के आदेश को बरकरार रखा। ट्रिब्यूनल ने तीन जुलाई के आदेश में कहा कि वह प्रवर्तन निदेशालय द्वारा चंदा कोचर के खिलाफ लगाए गए लेन-देन के बदले लाभ के आरोप में आधार पाता है। यह आरोप 300 करोड़ रुपए का ऋण वीडियोकॉन इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (वीआईईएल) को मंजूर करने से जुड़ा है। अभी भी जारी है कानूनी लड़ाई- चंदा और ▶▶|शेष पेज 4 पर

पद के दुरुपयोग का आरोप

सीबीआई की एक प्राथमिकी पर आधारित ईडी के मामले में दावा किया गया है कि चंदा कोचर ने इस राशि को मंजूरी देते समय अपने पद का दुरुपयोग करके आईसीआईसीआई बैंक को धोखा देने के लिए एक आपराधिक साजिश रची। जांच एजेंसियों के अनुसार, चंदा कोचर ने अपने पति के माध्यम से वीआईएल या वीडियोकॉन समूह के प्रमोटर वी एन धूत से अवैध रूप से रिश्वत-अनुचित लाभ प्राप्त किया। ईडी ने जनवरी 2020 में मुंबई के चर्चगेट स्थित सीसीआई चैंबर्स में स्थित कोचर के फ्लैट नंबर 45 को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया था, जो एनआरपीएल की एक संपत्ति है।

जब्त संपत्ति पर फैसला

इस मामले में जांच एजेंसी ईडी ने कोचर दंपत्ति की 78 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी, जिसे ट्रिब्यूनल ने सही ठहराया। इसमें मुंबई के चर्चगेट स्थित उनका फ्लैट भी शामिल है, जिसे विडियोकॉन से जुड़ी कंपनियों के जरिए खरीदा गया था। हालांकि, 10.5 लाख नकदी वापस कर दी गई, क्योंकि उसका स्रोत वैध पाया गया।

शराब घोटाले में फंसे चैतन्य बघेल को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में गिरफ्तार प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को मंगलवार को ईडी ने विशेष कोर्ट में पेश किया। इस दौरान कोर्ट ने चैतन्य को 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया। ईडी ने 18 जुलाई को चैतन्य को उनके भिलाई निवास से शराब घोटाले में अहम सबूत मिलने के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद चैतन्य 5 दिनों तक न्यायिक रिमांड पर ईडी की हिरासत में थे। इस दौरान उनसे लंबी पूछताछ की गई है। सूत्रों के अनुसार इस पूछताछ में ईडी को चैतन्य से कई अहम जानकारी भी हाथ लगी है। हालांकि अधिकारियों ने इसका खुलासा ▶▶|शेष पेज 4 पर

32 सौ करोड़ से अधिक का घोटाला

प्रदेश में कांग्रेस शासन के कार्यकाल में हुए शराब घोटाला में ईओडब्ल्यू ने चार्जशीट में जानकारी दी है कि इस घोटाले के पैसे से 11 आरोपी अधिकारियों ने अपने रिश्तेदारों के नाम पर करोड़ों की जमीन सहित संपत्ति भी खरीदी है। सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात ये है कि अभी ▶▶|शेष पेज 4 पर

चैतन्य बघेल को 14 दिन की जेल

बचाव पक्ष के वकील ने चैतन्य बघेल पर ईडी द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को गलत बताया है। सुनवाई के बाद कोर्ट से बाहर आने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि चैतन्य की रिमांड पर बचाव ▶▶|शेष पेज 4पर

जांच में मिले सबूतों के बाद ईडी ने चैतन्य को किया गिरफ्तार

शराब घोटाला में पूर्व में गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ में ईडी को इस घोटाला में चैतन्य की संलिप्तता के कई सबूत मिले थे, जिसके आधार पर ईडी ने जांच करते हुए 18 जुलाई को भिलाई में पूर्व मुख्यमंत्री के निवास पर रेड मारकर चैतन्य को गिरफ्तार कर ईडी दफ्तर ले गई थी। पूछताछ के बाद ईडी ने चैतन्य को कोर्ट में पेश कर 5 दिन के लिए रिमांड पर लिया था। रिमांड अवधि खत्म होने के बाद चैतन्य को दोबारा कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने इस बार चैतन्य को 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। इस केस में 4 अगस्त को सुनवाई होगी।

बिलासपुर रेल मंडल में चौथी रेल लाइन से जोड़ने किया जाएगा नॉन इंटरकनेक्टिविटी का कार्य

एक बार फिर 22 ट्रेनें रद्द, अगस्त में यात्रा थोड़ी मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हरिभूमि सरोकार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अगस्त में पटरियों से जुड़ा बड़ा कार्य शुरू किया जाएगा। इस कारण रायपुर से होकर गुजरने वाली लंबी दूरी की 22 ट्रेनों को रद्द किया गया है, जबकि दर्जनभर ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया जाएगा। यात्रियों को इस अवधि में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे के अनुसार 24 अगस्त से 26 अगस्त तक बिलासपुर रेल मंडल में चौथी रेल लाइन को जोड़ने और नॉन-इंटरकनेक्टिविटी से जुड़ा कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही रायगढ़–झारसुगुड़ा सेक्शन में तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के विद्युतीकरण का कार्य भी इसी दौरान किया जाएगा। रेलवे प्रशासन ने जानकारी दी है कि बार-बार ट्रेनों को रद्द न करना पड़े, इसलिए इस बार एक बार में ही दोनों जगहों पर कार्य किया जाएगा। बिलासपुर से झारसुगुड़ा के बीच 206 किलोमीटर लंबी चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसमें से अब तक 150 किलोमीटर से अधिक का कार्य पूर्ण हो चुका है। इस परियोजना के अंतर्गत किरोड़ीमल नगर रेलवे स्टेशन को चौथी लाइन से जोड़ा जाएगा।

हावड़ा-मुंबई रूट के यात्रियों को होगी परेशानी

अगस्त माह में किए जा रहे ट्रैक कार्यों के कारण हावड़ा से मुंबई के बीच प्रमुख ट्रेनों को रद्द किया गया है। कुल 22 के रद्द होने से अनुमानित 50 हजार से अधिक यात्रियों को यात्रा में कठिनाई हो सकती है। रद्द की गई ट्रेनों में हावड़ा-मुंबई मेल, पुणे-हटिया एक्सप्रेस, शालीमार एक्सप्रेस, कुर्ला एक्सप्रेस, सांतरागाछी एक्सप्रेस जैसी व्यस्त और महत्वपूर्ण ट्रेनें शामिल हैं। इनमें प्रतिदिन हजारों यात्री सफर करते हैं, जो अब वैकल्पिक ट्रेनों या परिवहन के अन्य साधनों पर निर्भर रहेंगे।

पैसेंजर गाड़ी भी रहेगी रद्द

- 24 से 27 अगस्त, तक रायगढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 68737 रायगढ़-बिलासपुर मेमू रद्द रहेगी।
- 24 से 27 अगस्त, तक बिलासपुर से 68738 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू रद्द रहेगी।
- 24 से 27 अगस्त, तक रायगढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 68735 रायगढ़-बिलासपुर मेमू रद्द रहेगी।
- 23 से 26 अगस्त, तक बिलासपुर से 68736 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू रद्द रहेगी।

रद्द रहेगी यह एक्सप्रेस

- 23 से 26 अगस्त, तक टाटा से 18113 टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 24 से 27 अगस्त, तक को बिलासपुर से 18114 बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 23 अगस्त, को सांतरागाछी से 20822 सांतरागाछी-पुणे एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 25 अगस्त, को पुणे से 20821 पुणे-सांतरागाछी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 22 अगस्त, को हावड़ा से 12870 हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 24 अगस्त, को मुंबई से 12869 मुंबई-हावड़ा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 25 अगस्त ▶▶|शेष पेज 4 पर

साइबर खतरे, बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए चुनौतियां

नई दिल्ली। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण ने मंगलवार को कहा कि पूंजी बाजारों में निवेश करने वालों की बढ़ती संख्या के साथ बाजार में उतार-चढ़ाव और वित्तीय परिवेश में विश्वास की कमी

इस बढ़ते निवेशक रुझान के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश कर सकती हैं। देश में पूंजी बाजारों में निवेश करने वालों की संख्या बढ़कर वर्तमान में 13 करोड़ हो गयी है जो मार्च, 2020 में 4.2 करोड़ थी। अभी इसमें और वृद्धि की काफी गुंजाइश है। नारायण ने घरेलू निवेशकों की संख्या में वृद्धि को स्वीकार करते हुए इस गति को बनाए रखने के लिए चुनौतियों के समाधान की जरूरत बतायी। पोर्टफोलियो व्यक्तिगत जोखिम के अनुरूप बनाएं - भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य ने कहा कि इसके साथ ही, निवेशकों को बाजार की अस्थिरता के बारे में पूरी तरह से जागरूक रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव तय है और निवेशक अपने पोर्टफोलियो को व्यक्तिगत जोखिम क्षमता के अनुरूप बनाएं।

चिंतन

इस्तीफा व्यक्तिगत फैसला विपक्ष न करे राजनीति

धनखड़ का इस्तीफा
विवेक शुक्ला

उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद से देश में सियासी पारा गर्म है। विपक्ष सरकार पर दबाव बना रहा है कि इस इस्तीफे के पीछे का सच बाहर आना चाहिए। सरकार या भाजपा की तरफ से चुप्पी सस्पेंस को बढ़ा रही है और कयासों को हवा दे रही है। इस्तीफे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिक्रिया भी सामान्य है। हालांकि इस्तीफा व्यक्तिगत फैसला होता है, इस पर विपक्ष को राजनीति नहीं करनी चाहिए। जगदीप धनखड़ ने सोमवार को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से त्यागपत्र दे दिया और कुछ ही देर बाद राष्ट्रपति ने इसे स्वीकार भी कर लिया। धनखड़ के इस्तीफे को भी उनके व्यक्तिगत फैसले के रूप में देखा जाना चाहिए, लेकिन घटनाक्रम इतनी तेजी से घटा कि विपक्ष सवाल उठा रहा है कि आखिर ऐसा क्या हुआ? 12 दिन पहले ही धनखड़ ने जेएनयू के एक कार्यक्रम में अपना कार्यकाल पूरा करने की बात कही थी। अगस्त 2027 तक उनका कार्यकाल था। दो साल पहले ही धनखड़ का स्वास्थ्य का हवाला देते हुए पद छोड़ना चौंकाता है। विपक्ष जो जगदीप धनखड़ की ज्यादातर समय आलोचना किया करते थे और उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव तक लाया था, इस फैसले से हैरत में हैं। माना जा रहा है कि इस त्यागपत्र के कई सियासी मायने हैं। सोमवार को राज्यसभा में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू करने के लिए आए प्रस्ताव में सभी 63 विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर व सत्ता पक्ष के एक भी सांसद के साइन नहीं होने के बावजूद सभापति के रूप में धनखड़ के नोटिस को स्वीकारने से भाजपा असहज हुई हो। राज्यसभा में ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और केंद्रीय मंत्री व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच खड़संवाद, आसन को अरुचिकर लगा हो व इस्तीफे का कारण हो। एक कयास यह भी है कि आगे बिहार में विधानसभा चुनाव है और अगले साल तमिलनाडु में विस चुनाव है, तो इसे देखते हुए इन दोनों में से किसी एक राज्य के नेता को उपराष्ट्रपति बनाकर भाजपा कोई राजनीतिक संदेश देना चाह रही हो। इसलिए इस्तीफा हुआ हो। हालांकि इसके और भी तरीके हो सकते हैं। धनखड़ का न्यायपालिका से लगातार टकराव भी एक वजह हो सकता है, लेकिन फिर टाइमिंग इस वजह से मैच नहीं कर रही है। धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट्स कमीशन (एनजेएसी) कानून रद किए जाने की निंदा करते हुए न्यायपालिका द्वारा संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन का आरोप लगाया था। यह सही है कि जगदीप धनखड़ बीते कुछ समय से बीमार चल रहे थे और हाल में ही उन्होंने हृदय संबंधी समस्याओं का इलाज करवाया था, तो त्यागपत्र के पीछे वास्तव में उनका स्वास्थ्य कारण ही माना जाना चाहिए। धनखड़ के 3 साल के कार्यकाल में राज्यसभा में विपक्षी दलों के साथ उनकी लगातार तीखी बहस हुईं, लेकिन कई बार विवादास्पद मुद्दों पर उनकी तीखी टिप्पणियों ने सरकार को असहज भी किया। उपराष्ट्रपति के रूप में भारत के प्रति धनखड़ की समर्पित और बहुमूल्य सेवा के लिए हमेशा उनकी सराहना होगी। अपने कार्यकाल में संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की। बहरहाल, संविधान के अनुच्छेद 68 के तहत, उनके उत्तराधिकारी का चुनाव छह महीने के भीतर पूरा करना अनिवार्य है। उपराष्ट्रपति भारत का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद है। वह राज्यसभा का पदेन सभापति भी होता है। इसलिए यह पद लंबे समय तक रिक्त नहीं रखा जा सकता है।

पहले भी विवादों में रहे हैं उपराष्ट्रपति

जगदीप धनखड़ के मंगलवार को उप राष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा देने से देश की राजनीति में भूचाल सा आ गया है। उनके इस्तीफे को लेकर तमाम तरह की अटकलबाजी चल रही है। हालांकि उन्होंने इस्तीफे का कारण अपना खराब स्वास्थ्य बताया है। पर इस कारण पर कोई भरोसा नहीं कर रहा। धनखड़ से पहले भी देश के कुछ उपराष्ट्रपति विवादों में रहे हैं। देश में उपराष्ट्रपति को लेकर पहला विवाद बड़ा विवाद वी .वी . गिरि से जुड़ा है। यह बात है 1969 की। यह भारतीय राजनीति का एक बड़ा विवाद था जिसमें देश के उप–राष्ट्रपति सीधे तौर पर शामिल थे। बहरहाल, जगदीप धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफे का असर अभी कुछ दिनों तक और चलने वाला है।

भारत में उपराष्ट्रपति पद पर आसीन शख्सियतें अक्सर विवादों से घिरी रहीं हैं। जगदीप धनखड़ के मंगलवार को उप राष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा देने से देश की राजनीति में भूचाल सा आ गया है। उनके इस्तीफे को लेकर तमाम तरह की अटकलबाजी चल रही है। हालांकि उन्होंने इस्तीफे का कारण अपना खराब स्वास्थ्य बताया है। पर इस कारण पर कोई भरोसा नहीं कर रहा। धनखड़ से पहले भी देश के कुछ उपराष्ट्रपति विवादों में रहे हैं।

देश में उपराष्ट्रपति को लेकर पहला विवाद बड़ा विवाद वी.वी. गिरि से जुड़ा है। यह बात है 1969 की। यह भारतीय राजनीति का एक बड़ा विवाद था जिसमें देश के उप-राष्ट्रपति सीधे तौर पर शामिल थे। दरअसल 1969 में राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन के निधन के बाद, तत्कालीन उप-राष्ट्रपति वी.वी. गिरि कार्यवाहक राष्ट्रपति बने। कांग्रेस पार्टी के भीतर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पुराने नेताओं के 'सिंडिकेट' के बीच सत्ता संघर्ष चरम पर था। कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार नीलम संजीव रेड्डी थे, जिन्हें सिंडिकेट का समर्थन प्राप्त था। इंदिरा गांधी ने वी.वी. गिरि को एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कांग्रेस के सांसदों और विधायकों से 'अंतरात्मा की आवाज' पर वोट देने का आह्वान किया। परिणाम यह हुआ कि गिरि एक बहुत ही करीबी मुकाबले में जीत गए। इस घटना ने कांग्रेस पार्टी को दो फाड़ कर दिया और इंदिरा गांधी को पार्टी के सर्वोच्च नेता के रूप में स्थापित किया।

यह एक ऐसा मामला था जहां उप-राष्ट्रपति का पद सीधे तौर पर सत्ता संघर्ष का एक उपकरण बन गया। इसी क्रम में बी.डी. जत्ती और 1977 के संवैधानिक संकट की चर्चा करना भी जरूरी है। राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के 1977 में निधन के बाद, उप-राष्ट्रपति बी.डी. जत्ती कार्यवाहक राष्ट्रपति बने। देश में आपातकाल के बाद, केंद्र में जनता पार्टी की सरकार बनी। सरकार ने नौ कांग्रेस शासित राज्यों की विधानसभाओं को भंग करने की सिफारिश की। कार्यवाहक राष्ट्रपति जत्ती ने इस अध्यादेश पर हस्ताक्षर करने में शुरू में हिचकिचाहट दिखाई। उनकी हिचकिचाहट के कारण कुछ दिनों तक संवैधानिक संकट पैदा हो गया था, क्योंकि यह सवाल उठा कि क्या कार्यवाहक राष्ट्रपति कैबिनेट की सलाह को मानने के लिए बाध्य है। हालांकि कुछ दिनों के बाद उन्होंने हस्ताक्षर कर दिए, लेकिन इस घटना ने कार्यवाहक राष्ट्रपति की शक्तियों पर एक बड़ी बहस छेड़ दी। आप कह सकते हैं कि दो बार उपराष्ट्रपति रहे हामिद अंसारी का कार्यकाल काफी हद तक गैर-विवादास्पद रहा, लेकिन उनके कार्यकाल के अंत में दिए गए बयानों ने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। एक साक्षात्कार में, उन्होंने कहा कि देश के मुसलमानों में 'असुरक्षा और बेचैनी की भावना' है। इस बयान की सत्ताधारी दल और उसके समर्थकों ने तीखी आलोचना की।

उन पर एक संवैधानिक पद पर रहते हुए एक राजनीतिक और विभाजनकारी बयान देने का आरोप लगाया गया। इससे पहले भी, गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राष्ट्रगान के समय ध्वज को सलामी न देने पर उनकी आलोचना हुई थी। बाद में यह स्पष्ट किया गया कि प्रोटोकॉल के अनुसार, केवल राष्ट्रपति ही सलामी देते हैं और अन्य सभी गणमान्य व्यक्ति केवल सावधान की

मुद्रा में खड़े होते हैं। हालांकि, स्पष्टीकरण के बावजूद यह मुद्दा सोशल मीडिया पर एक विवाद बना रहा। जब तक हामिद अंसारी उपराष्ट्रपति आवास में रहे तब तक वहां पर अनेक लेखकों की किताबों के विमोचन होते रहे। उन्हें लेखकों और विद्वानों से मिलना पसंद था। उन्होंने खुद भी कई किताबें लिखी थीं। वेंकैया नायडू ने 2018 में, राज्य सभा के सभापति के रूप में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। तब विपक्ष ने आरोप लगाया था कि नायडू ने यह निर्णय जल्दबाजी में और सरकार के दबाव में लिया। उनका तर्क था कि प्रस्ताव में पर्याप्त संख्या में सांसदों के हस्ताक्षर थे और इसे स्वीकार कर जांच समिति को भेजा जाना चाहिए था। पर नायडू ने अपने फैसले को यह कहते हुए सही ठहराया कि प्रस्ताव में लगाए गए आरोप 'अस्पष्ट' थे और 'सिद्ध कदाचार' की श्रेणी में नहीं आते थे।

इस फैसले ने न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के बीच संबंधों पर एक तीव्र बहस को जन्म दिया और सभापति की विवेकाधीन शक्तियों को चर्चा के केंद्र में ला दिया। वे बेहद ओजस्वी वक्ता हैं। बहुत खुलकर अपनी बात रखते हैं। उनकी छवि एक 'आंदोलनकारी' की रही। छात्र जीवन में उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की विचारधारा से प्रभावित होकर आपातकालीन संघर्ष में हिस्सा लिया। वे आपातकाल के विरोध में सड़कों पर उतर आए और उन्हें जेल भी जाना पड़ा। वे बेहतरीन मेजबान भी थे। सबसे खूब प्रेम से मिलते-जुलते थे। उपराष्ट्रपति के रूप में भी उनका कार्यकाल शानदार रहा था। वे अपनी बात कहने से कभी पीछे नहीं हटते। वे कभी-कभी किसी सेमिनार में भाग लेते हुए श्रोताओं को कस भी देते हैं जिनकी जुबान चलती रहती थी। अगर इन कुछ उदाहरणों को छोड़ दें तो उप राष्ट्रपति के रूप में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. जाकिर हुसैन, गोपाल स्वरूप पाठक, आर.वेंकटरमण, शंकर दयाल शर्मा, डॉ. के.आर.नारायणन, कृष्ण कांत, भैरोसिंह शेखावत के कार्यकाल शांति से निकले। अगर देश के पहले उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की बात करें तो उनकी पहल पर ही राजधानी को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) मिला था। डॉ. राधाकृष्णन ने 1958 में देश के तब के प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से इच्छा जताई थी कि राजधानी में कोई इस तरह की जगह बन जाए जिधर पढ़ने-लिखने की दुनिया से जुड़े लोग मिल-बैठ करते रहें। उनकी सलाह नेहरू जी को पसंद आ गई।

उन्होंने बिना देर किए शहरी विकास मंत्रालय को निर्देश दिए कि वह एक प्लाट अलाट करे। तब लोधी गार्डन से सटे 4.76 एकड़ का प्लॉट आईआईसी के लिए अलॉट किया गया। इसका प्लाट मिलने के बाद डॉ. राधाकृष्णन ने आईआईसी को खड़ा करने के लिए वित्त मंत्री डॉ. सी.डी. देशमुख, प्रो. एच.एन. कुंजरू, प्रो. हुमायूं कबीर (जॉर्ज फर्नांडिस के ससुर), दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के डायरेक्टर डॉ. वीके आरवी राव वगैरह को जोड़ा। कृष्णकांत का उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए 27 जुलाई, 2002 को निधन हो गया था। भैंरो सिंह शेखावत के दौर में उपराष्ट्रपति आवास के गेट आम-खास सब के लिए खुले रहते थे। भैरोंसिंह शेखावत 19 अगस्त 2002 से 21 जुलाई 2007 तक देश के उपराष्ट्रपति रहे। शेखावत जी खुद यारबाश और किस्सागो इंसान थे। उनके पास मिलने वालों की भीड़ कभी कम नहीं होती थी। गर्मागर्म चाय पिलाकर वे अतिथियों से विस्तार से वार्तालाप करते थे। गंभीर राजनीति हो या तनाव के लम्हे, शेखावत हास्य के क्षण खोज लेते थे। बहरहाल, जगदीप धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफे का असर अभी कुछ दिनों तक और चलने वाला है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

जयंती पर विशेष
सुरेन्द्र शर्मा

स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे चन्द्रशेखर 'आज़ाद'

भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के सेनानियों में चन्द्रशेखर आजाद का नाम सदा अग्रणी रहेगा। उनका जन्म 23 जुलाई, 1906 को ग्राम भाबरा (जिला झाबुआ, वर्तमान में जिला आलीराजपुर, मध्य प्रदेश) में हुआ था। उनके पूर्वज गांव बदरका (जिला उन्नाव, उत्तर प्रदेश) के निवासी थे; पर अकाल के कारण इनके पिता सीताराम तिवारी भाबरा में आकर बस गये थे। बचपन से ही चन्द्रशेखर का मन अंग्रेजों के अत्याचार देखकर सुलगता रहता था। किशोरावस्था में वे भागकर अपनी बुआ के पास बनारस आ गये और संस्कृत विद्यापीठ में पढ़ने लगे। बनारस में ही वे पहली बार विदेशी सामान बेचने वाली एक दुकान के सामने धरना देते हुए पकड़े गये। थाने में हुई पूछताछ में उन्होंने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतन्त्रता और घर का पता जेलखाना बताया। इस पर बौखलाकर थानेदार ने इन्हें 15 बेंतों की सजा दी। हर बेंत पर ये 'भारत माता की जय' बोलते थे। तब से ही इनका नाम 'आजाद' प्रचलित हो गया। आगे चलकर आजाद ने सशस्त्र क्रान्ति के माध्यम से देश को आजाद कराने वाले युवकों का एक दल बना लिया। भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु, बिस्मिल, अशफाक, मन्मथनाथ गुप्त, शचीन्द्रनाथ सान्याल, जयदेव आदि उनके सहयोगी थे। आजाद तथा उनके सहयोगियों ने नौ अगस्त, 1925 को लखनऊ से सहारनपुर जाने वाली रेल को काकोरी स्टेशन के पास रोककर सरकारी खजाना लूट लिया। यह अंग्रेज शासन को खुली चुनौती थी, अतः सरकार ने क्रान्तिकारियों को पकड़ने में पूरी ताकत झोंक दी। पर आजाद को पकड़ना इतना आसान नहीं था। वे वेश बदलकर क्रान्तिकारियों के संगठन में लगे रहे। 17 दिसम्बर, 1928 को इनकी प्रेरणा से ही भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु आदि ने लाहौर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के ठीक सामने सांडर्स को यमलोक पहुंचा दिया। अब तो पुलिस बौखला गयी; पर क्रान्तिवीर अपने काम में लगे रहे। कुछ समय बाद क्रान्तिकारियों ने लाहौर विधानभवन में बम फेंका। यद्यपि उसका उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं था। बम फेंककर भगतसिंह तथा बटुकेश्वर दत्त ने आत्मसमर्पण कर दिया। उनके वीरतापूर्ण वक्तव्यों से जनता में क्रान्तिकारियों के प्रति फैलाये जा रहे भ्रम दूर हुए। दूसरी ओर अनेक क्रान्तिकारी पकड़े भी गये। उनमें से कुछ पुलिस के अत्याचार न सह पाये और मुखबिरी कर बैठे। इससे क्रान्तिकारी आन्दोलन कमजोर पड़ गया। केन्द्रीय असेंबली में बम चन्द्रशेखर आजाद के ही सफल नेतृत्व में भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त ने 8 अप्रैल, 1929 को दिल्ली की केन्द्रीय असेंबली में बम विस्फोट किया। यह विस्फोट अंग्रेज़ सरकार द्वारा बनाए गए काले क़ानूनों के विरोध में किया गया था।

आजाद को 28 मई 1930 को भगवती चरण वोहरा की बम-परीक्षण में हुई शहादत से भी गहरा आघात लगा था। इसके कारण भगत सिंह को जेल से छुड़ाने की योजना भी खटाई में पड़ गयी थी। भगत सिंह, सुखदेव तथा राजगुरु की फांसी रुकवाने के लिए आजाद ने दुर्गा भाभी को गांधीजी के पास भेजा, जहां से उन्हें कोरा जवाब दे दिया गया था। वह 27 फरवरी, 1931 का दिन था। पुलिस को किसी मुखबिर से समाचार मिला कि आज प्रयाग के अल्फ्रेड पार्क में चन्द्रशेखर आजाद किसी से मिलने वाले हैं। पुलिस ने समय गंवाये बिना पार्क को घेर लिया। आजाद एक पेड़ के नीचे बैठकर अपने साथी की प्रतीक्षा कर रहे थे। जैसे ही उनकी निगाह पुलिस पर पड़ी, वे पिस्तौल निकालकर पेड़ के पीछे छिप गये। कुछ ही देर में दोनों ओर से गोली चलने लगी। इधर चन्द्रशेखर आजाद अकेले थे और उधर कई जवान। जब आजाद की पिस्तौल में एक गोली रह गयी, तो उन्होंने देश की मिट्टी अपने माथे से लगायी और उस अन्तिम गोली को अपनी कनपटी में मार लिया। उनका संकल्प था कि वे आजाद ही जन्मे हैं और मरते दम तक आजाद ही रहेंगे। उन्होंने इस प्रकार अपना संकल्प निभाया और जीते जी पुलिस के हाथ नहीं आए। आजाद के बलिदान की खबर जनता को लगी सारा, प्रयागराज अलफ्रेड पार्क में उमड़ पड़ा। जिस वृक्ष के नीचे आजाद शहीद हुए थे, लोग उस वृक्ष की पूजा करने लगे। वृक्ष के तने के इर्द-गिर्द झण्डियां बांध दी गयीं। लोग उस स्थान की माटी को कपड़ों में शीशियों में भरकर ले जाने लगे। समूचे शहर में आजाद के बलिदान की खबर से जबरदस्त तनाव हो गया। लोग सडकों पर आ गये।अगले दिन आजाद की अस्थियां चुनकर युवकों का एक जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में इतनी ज्यादा भीड़ थी कि प्रयागराज की मुख्य सडकों पर जाम लग गया। ऐसा लग रहा था जैसे प्रयागराज की जनता के रूप में सारा हिन्दुस्तान अपने इस सपूत को अंतिम विदाई देने उमड़ पड़ा हो।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुंह के मौन से ज़्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

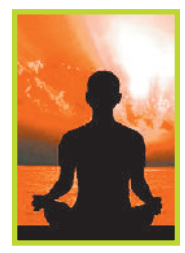

संकलित
दर्शन

हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदहारण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है। इसलिए हमें सदैव सही समय और सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

छोटे प्रयासों से, बहुत कुछ मिल जाएगा

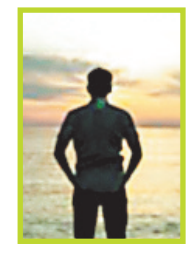

संकलित
प्रेरणा

एक आदमी समुद्रतट पर चल रहा था। उसने देखा कि कुछ दूरी पर एक युवक ने रेत पर झुककर कुछ उठाया और आहिस्ता से उसे पानी में फेंक दिया। उसके नज़दीक पहुँचने पर आदमी ने उससे पूछा और भाई, क्या कर रहे हो? युवक ने जवाब दिया, मैं इन मछलियों को समुद्र में फेंक रहा हूँ। लेकिन इन्हें पानी में फेंकने की क्या ज़रूरत है? आदमी बोला। युवक ने कहा, ज्वार का पानी उतर रहा है और सूरज की गर्मी बढ़ रही है। अगर मैं इन्हें वापस पानी में नहीं फेंकूंगा तो ये मर जाएँगी। आदमी ने देखा कि समुद्रतट पर दूर-दूर तक मछलियाँ बिखरी पड़ी थीं। वह बोला, इस मीलों लंबे समुद्रतट पर न जाने कितनी मछलियाँ पड़ी हुई हैं। इसतरह कुछेक को पानी में वापस डाल देने से तुम्हें क्या मिल जाएगा? इससे क्या फर्क पड़ जाएगा? युवक ने शान्ति से आदमी की बात सुनी, फ़िर उसने रेत पर झुककर एक और मछली उठाई और उसे आहिस्ता से पानी में फेंककर वह बोला, आपको इससे कुछ मिले न मिले, मुझे इससे कुछ मिले न मिले, दुनिया को इससे कुछ मिले न मिले। लेकिन इस मछली को सब कुछ मिल जाएगा। यह केवल सोच का ही फर्क है। सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति को लगता है कि उसके छोटे छोटे प्रयासों से किसी को बहुत कुछ मिल जाएगा लेकिन नकारात्मक सोच के व्यक्ति को यही लगेगा कि, यह समय की बर्बादी है?

अंतर्मन

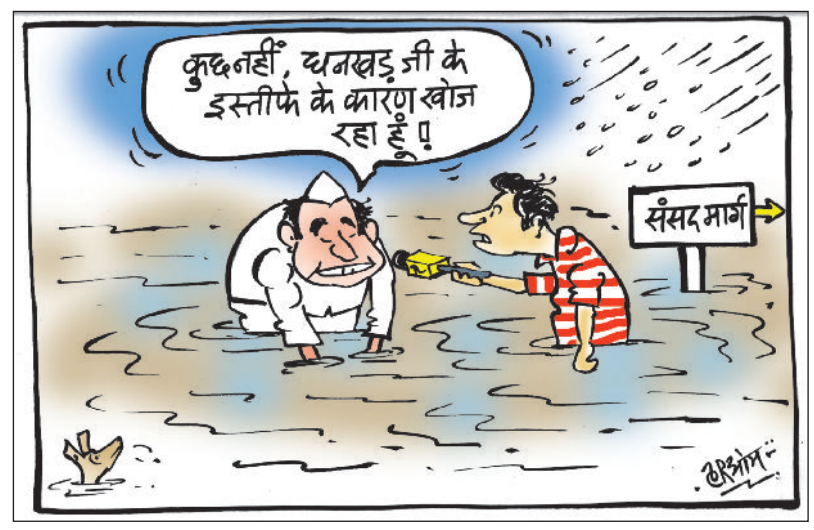

आज की पाती

यातायात नियमों के पालन नहीं करने से बढ़ी सड़क दुर्घटनाएं

देश में हररोज सैकड़ों सड़क दुर्घटनाएं हो रहीं है। इन दुर्घटनाओं में अक्सर चालक की मौत हो जाती है। तेज गति से वाहन चलाने से अनियंत्रित होकर गाड़ियां डिवाइडर या सामने वाली गाड़ियों से भिड़ जाती है। जिसमें चालक सहित गाड़ी में बैठने वालो की मौत हो जाती है। यातायात नियमों का पालन नही किया जा रहा है। नशे में वाहन चलाने वालों की संख्या में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह चौंकाने वाली बात है कि पढ़ा लिखा शिक्षित वर्ग भी इससे अछूता नही है। नेशनल हाइवे पर तेज गति वाहन चालक अनियंत्रित होकर गाड़ियां सड़क के बाहर निकल जाती है या सामने वाले से भिड़ जाती है। उससे घटना स्थल पर मौत हो जाती है। यह दृश्य रोज देखने मिलता है।

–कांतिलाल मांडोत, सूरत

ट्रेंड

लोकतंत्र के प्राण

संसद लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है। विकास और जनकल्याण के मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा ही लोकतंत्र के प्राण हैं। लेकिन विपक्ष ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन नहीं किया और साथ ही देश के करोड़ों किसानों का भी अनादर किया।

-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

'ओडीएफ प्लस' आदर्श ग्राम

देश के लगभग 80 प्रतिशत गांवों ने 'ओडीएफ प्लस' आदर्श ग्राम का दर्जा हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि स्वच्छ भारत मिशन की सफलता और स्वच्छ गांवों के निर्माण में जमीनी स्तर के शासन की परिवर्तनकारी शक्ति को दर्शाती है।

-सीआर पाटिल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री

छात्रों को लैपटॉप

दिल्ली सरकार ने छात्रों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब 10वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 1,200 छात्र-छात्राओं को सरकार निःशुल्क लैपटॉप प्रदान करेगी।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

फिल्म ही असली सुपरस्टार

अब समय आ गया है कि बॉलीवुड सितारे अपनी पीआर टीमों के माध्यम से खुद को नंबर 1 या नंबर 2 कहना बंद करें... अब हम स्वीकार करें कि केवल फिल्म ही असली सुपरस्टार है... बॉक्स ऑफिस पर गदर बनाएं क्योंकि यही मायने रखता है।

-अमीषा पटेल, अभिनेत्री

करंट अफेयर

गीता गोपीनाथ हार्वर्ड विश्व-विद्यालय में पुन: देंगी सेवाएं

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में प्रथम उप प्रबंध निदेशक भारतीय-अमेरिकी अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा कि वह हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की प्रोफेसर के रूप में पुन: सेवाएं देंगी। आईएमएफ के इतिहास में पहली मुख्य महिला अर्थशास्त्री गोपीनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'आईएमएफ में लगभग सात अद्भुत वर्षों के बाद मैंने अपनी शैक्षणिक जड़ों की ओर लौटने का फैसला किया है।' गोपीनाथ एक सितंबर को हार्वर्ड के अर्थशास्त्र विभाग में अर्थशास्त्र की प्रथम 'ग्रेगरी और एनिया कॉफी प्रोफेसर' के रूप में फिर से सेवाएं देंगी। उन्होंने कहा कि वह आईएमएफ में बिताए गए समय के लिए 'वाकई आभारी'' हैं। वह आईएमएफ में पहले मुख्य अर्थशास्त्री थीं और फिर उन्होंने प्रथम उप प्रबंध निदेशक के रूप में सेवाएं दीं। उन्होंने कहा कि अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर में आईएमएफ के लिए काम करना जीवन में एक बार मिलने वाला मौका है। उन्होंने कहा, 'अब मैं अकादमिक जगत में अपनी जड़ों की ओर लौट रही हूं, जहां मैं वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्त और समष्टि अर्थशास्त्र में अनुसंधान को आगे बढ़ाने तथा अर्थशास्त्रियों की अगली पीढ़ी को प्रशिक्षित करने के लिए तत्पर हूं।'

ऑफ बीट

गोआना की त्वचा के नीचे अस्थि प्लेट का पता चला

मॉनिटर लिजर्ड, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया में गोआना भी कहा जाता है, इस महाद्वीप के सबसे अनोखी सरीसृपों में से एक हैं। इनका वंश न केवल उस सामूहिक विलुप्ति से बच गया जिसने डायनासोर को समाप्त किया, बल्कि उससे पृथ्वी पर सबसे बड़ी जीवित छिपकली आईं। लिनियन सोसाइटी की जूलॉजिकल जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन में उनकी त्वचा के नीचे की जांच की गई है। त्वचा जीवित रहने के लिए एक आवश्यक अंग है। कुछ जानवरों में, इसमें त्वचा के ऊतकों के बीच धंसी हुई अस्थि प्लेट की एक परत होती है। मगरमच्छों या आर्मडिलो में कवच जैसी प्लेट के बारे में सोचें: ये ऑस्टियोडर्म हैं। इनका आकार सूक्ष्म से लेकर विशाल तक होता है, जिसमें स्टेगोसॉरस की पीठ की प्लेट सबसे प्रभावशाली उदाहरण हैं। हम अभी इन रहस्यमयी संरचनाओं को समझना शुरू ही कर पाए हैं। ऑस्टियोडर्म, यानी त्वचा के नीचे स्थित हड्डी जैसी प्लेट, उन प्राणियों की वंशावलियों में पाई जाती हैं जो लगभग 38 करोड़ वर्ष पहले एक-दूसरे से विभाजित हो गई थीं। इसका मतलब यह है कि ये हड्डीनुमा प्लेट स्वतंत्र रूप से विकसित हुई होंगी- ठीक वैसे ही जैसे सक्रिय उड़ना पक्षियों, प्टेरोसॉर और चमगादड़ों में अलग-अलग रूप में विकसित हुआ था।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

- दुर्ग के धमधा नाका ब्रिज से आवाजाही खतरनाक पुल पर दरारें, पर रेलवे सुध नहीं ले रहा
- जान का खतरा : वर्ष 1986 में तैयार हुआ था धमधा नाका ब्रिज, आज हो चुका 40 साल से ज्यादा पुराना

40 साल पुराने ब्रिज से चल रहा बड़ी आबादी का गुजारा
9 साल पहले मिली थी नए की मंजूरी, पर फाइल ही गुम

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

शहर विस्तार के साथ वाहनों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हुई है। दुर्ग शहर को धमधा, बेमेतरा, कवर्धा के रास्ते जबलपुर को जोड़ने वाला एक मात्र ब्रिज राजीव गांधी सेतु अब कंडम हो गया है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी इस बात को मान रहे हैं। किसी भी फ्लाईओवर या ब्रिज की अधिकतम अवधि करीब 30 साल होती है। वर्तमान में दुर्ग शहर को पटरी के उस पार जोड़ने वाले इस ब्रिज पर जगह-जगह दरारें आ चुकी हैं। ब्रिज में जगह-जगह टूट-फूट हो गई है। ⏭शेष पेज 4 पर

अलग खबर

ब्रिज को तोड़कर नया बनाया, तो बायपास से 5 किमी से ज्यादा घूमकर आना पड़ेगा : वर्तमान में दुर्ग शहर की आबादी साढ़े 3 लाख से ज्यादा है। शहर का विस्तार से तेजी से हो रहा है। पटरीपार में कर्मचारी नगर, श्याम प्रसाद मुखर्जी नगर, जयंती नगर, तितुरडीह, आदित्य नगर, कादम्बरी नगर, जवाहर नगर, आशा नगर, हनुमान नगर सहित बायपास रोड तक दो दर्जन से ज्यादा कॉलोनियां और मोहल्ले बस चुके हैं। इसके अलावा यह रास्ता स्टेट हाईवे नंबर 7 है, जो ⏭शेष पेज 4 पर

23.60 करोड़ की बनी कार्ययोजना

नए ब्रिज को बनाने की स्वीकृति 29 मार्च 2016 को दी गई। इसमें तय किया गया कि ब्रिज के निर्माण में आधी राशि रेलवे खर्च करेगा और आधी राशि राज्य शासन। ब्रिज की अनुमानित लागत 23.60 करोड़ रुपए तय की गई। शासन ने 11.03 करोड़ रुपए की स्वीकृति भी दे दी, लेकिन रेलवे से आपत्ति के कारण काम अटकता रहा है। बता दें कि सेतु निगम ने 26 जुलाई 2017 को इस बारे में वस्तु स्थिति की जानकारी तत्कालीन कलेक्टर को भी प्रेषित की है। इसके बाद से पूरा मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।

कलेक्टर और सचिव स्तर के अधिकारियों से चर्चा

इस मामले को लेकर कलेक्टर और सचिव स्तर के अधिकारियों को अवगत कराया गया है। उन्होंने डीआरएम से चर्चा की है। अब तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। जल्द ही उच्च अधिकारियों के साथ बैठक कर नए सिरे से सर्वे कराकर समाधान तलाशा जाएगा।

- गजेंद्र यादव
विधायक, दुर्ग शहर

फाइल इधर से उधर भटक रही

जानकारी के मुताबिक नए ब्रिज के निर्माण की फाइल पिछले करीब 9 साल से इधर से उधर भटक रही है। वर्तमान विधायक गजेंद्र यादव ने वर्तमान ब्रिज के समानांतरण नए ब्रिज को बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है, लेकिन रेलवे ने इस पर आपत्ति दर्ज की है। रेलवे दो बार आपत्ति दर्ज करा चुका है। 28 जून 2024 को पहली बार सेतु निगम के तत्कालीन ईई डीके महेश्वरी, गतिशक्ति यूनिट के मिथलेश कुमार, सहायक अभियंता बीडी शेंडे, अनुभागीय अभियंता एके पात्रे, रेलवे के वरिष्ठ अभियंता के नायक, इलेक्ट्रिकल विभाग के एसएल धीवर, सेतु निगम के उप अभियंता रोशन ताम्रकार ने स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान जगह नहीं होने की बात कहते हुए पुराने को तोड़कर उसी जगह पर नियमों और मापदंडों के अनुरूप नया ब्रिज तैयार करने की कार्ययोजना तैयार की गई। इसके बाद 18 दिसंबर 2024 के पुनः सर्वे किया गया। इस बार टीम में सुनील कुमार, टीएन संतोष, विजय कुमार, कुंवर नायक सहित अन्य अधिकारी थे। उन्होंने भी जगह की अनुपलब्धता ⏭शेष पेज 4 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एअर इंडिया के विमान की सहायक ऊर्जा इकाई में आग

नई दिल्ली। एअर इंडिया के हांगकांग से आए विमान के मंगलवार दोपहर को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उसकी

एपीयू में आग लग गई। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। हांगकांग से दिल्ली पहुंची उड़ान संख्या एआई 315 के उतरने और गेट पर पार्क होने के तुरंत बाद विमान के एपीयू में आग लग गई। यह घटना उस समय हुई जब यात्री उतरने लगे थे। सिस्टम डिज़ाइन के अनुसार एपीयू स्वतः बंद हो गया।

दिल्ली-एनसीआर में 3.2 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मंगलवार सुबह भूकंप आया। इस दौरान जान-माल के किसी भी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि सुबह छह बजे आए भूकंप की तीव्रता 3.2 मापी गई। उसने बताया कि भूकंप का केंद्र फरीदाबाद में सतह से पांच किलोमीटर की गहराई में 28.29 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 72.21 डिग्री पूर्वी देशांतर में था।

बांग्लादेश विमान दुर्घटना में अब तक 27 की मौत

ढाका। बांग्लादेश में वायु सेना के प्रशिक्षण लड़ाकू विमान के ढाका में

एक स्कूल की इमारत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद युनुस के विशेष सलाहकार सैदुर रहमान ने संवाददाताओं से कहा, अब मृतकों की संख्या 27 हो गई है और उनमें से 25 बच्चे हैं। लगभग 170 लोग घायल हुए है, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। शुरूआत में 20 लोगों की मौत की सूचना दी गई थी और सात लोगों की सोमवार रात में मौत हो गई। दुर्घटना में मारे गए लोगों में पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम भी शामिल थे।

स्कूल बस ने मारी टक्कर पिता की मौत, बच्चा घायल

देवघर। झारखंड के देवघर जिले में कथित तौर पर एक स्कूल बस ने एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे 37 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में मारे गए दोपहिया वाहन पर सवार व्यक्ति का बेटा भी घायल हो गया। व्यक्ति अपने बच्चे को स्कूल छोड़ने जा रहा था तभी यह हादसा हुआ। बस में सवार विद्यार्थी इस हादसे में बाल-बाल बच गए। पुबोमपास कस्बे में बस ने दोपहिया वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद गुस्साए लोगों ने बस में तोड़फोड़ की।

धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा देने से अटकलों का बाज़ार गर्म

धनखड़ का इस्तीफा मंजूर, वजह पर विपक्ष के सवाल, मोदी ने की उत्तम स्वास्थ्य की कामना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूर कर लिया। धनखड़ द्वारा सोमवार रात अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं, क्या यह 'स्वास्थ्य' कारणों से दिया गया या इसके पीछे 'कुछ और वजह' है। इधर, पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं।

मानसून सत्र के पहले दिन राज्यसभा में चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालते हुए एकदम सामान्य दिख रहे जगदीप धनखड़ ने दिन खत्म होने से पहले इस्तीफा दे दिया। रात को अचानक एक्स पर इस्तीफे का ऐलान किया और बिना किसी अपॉइंटमेंट के ही राष्ट्रपति भवन पहुंचकर त्यागपत्र सौंप आए। इसके

बाद पूरी रात चुप्पी रही।

मंगलवार को लगभग दोपहर में पीएम नरेंद्र मोदी ने तीन लाइन की एक पोस्ट एक्स पर लिखी। उन्होंने लिखा- श्री जगदीप धनखड़ जी को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। नितिन गडकरी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, निर्मला सीतारमण समेत तमाम वरिष्ठ मंत्री भी चुप हैं। संसद के मौजूदा मानसून सत्र में नए उपराष्ट्रपति का चुनाव होने की संभावना कम है। सरकार इस सत्र में चुनाव की प्रक्रिया शुरू नहीं करेगी। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने मंगलवार ⏭शेष पेज 4 पर

उपसभापति हरिवंश ने राज्यसभा में कार्यवाही की अध्यक्षता की, अब नए उपराष्ट्रपति को लेकर लग रहे कयास

कांग्रेस नेता जयराम के वार : कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में अनुमान लगाया कि दोपहर एक बजे से शाम 4.30 बजे के बीच स्पष्ट रूप से कुछ गंभीर बात हुई, जिसके कारण नड्डा और रिजिजू 'जानबूझकर' कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में शामिल नहीं हुए।

केंद्रीय मंत्री नड्डा का पलटवार : केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि उपराष्ट्रपति कार्यालय को सूचित कर दिया गया था कि जगदीप धनखड़ द्वारा बुलाई गई कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में वह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू शामिल नहीं हो पाएंगे। यह बैठक कल शाम उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा देने से कुछ समय पहले हुई थी।

राष्ट्रपति से मिले रास के उपसभापति

राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की है। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर बैठक की एक तस्वीर भी साझा की। जिसमें लिखा गया है, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

सिब्बल ने बताया राष्ट्रवादी : लंबे समय से धनखड़ के कटु आलोचक रहे विपक्षी सांसद कपिल सिब्बल ने उन्हें राष्ट्रवादी और देशभक्त बताया। वरिष्ठ वकील सिब्बल ने कहा कि धनखड़ चाहते थे कि दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए विपक्ष और सरकार मिलकर काम करें।

पीएम मोदी बोले- उन्होंने कई भूमिकाओं में देश की सेवा की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उप राष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद मंगलवार को कहा कि उन्हें कई भूमिकाओं में देश की सेवा का मौका मिला है, वह उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, श्री जगदीप धनखड़ जी को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

अब आगे क्या

संविधान के अनुच्छेद 68 के खंड 2 के अनुसार, उपराष्ट्रपति के निधन, त्यागपत्र या पद से हटाए जाने या अन्य किसी कारण से हुई रिक्ति को भरने के लिए चुनाव, पद रिक्त होने के बाद 'यथाशीघ्र' कराया जाएगा। रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित व्यक्ति 'पदभार ग्रहण करने की तिथि से पूरे पांच वर्ष की अवधि तक' पद धारण करने का हकदार होगा। संविधान के अनुच्छेद 66 (1) के अनुसार उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों के सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार किया जाएगा और यह चुनाव गुप्त मतदान द्वारा होगा।

केरल से लड़ाकू विमान की सुरक्षित ब्रिटेन वापसी

रंग लाई ब्रिटेन के इंजीनियरों की 37 दिनों की कड़ी मेहनत

नई दिल्ली। केरल के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बीते 37 दिनों से खड़ा एफ-35-बी स्टेल्थ लड़ाकू विमान मरम्मत और जरूरी सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद आखिरकार मंगलवार सुबह ब्रिटेन रवाना हो गया है। पूर्व में अरब सागर में एक युद्धाभ्यास के दौरान भरी गई उड़ान के बीच आई तकनीकी खामी की वजह से 14 जून से यह विमान केरल के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खड़ा था। भारत में ब्रिटेन के उच्चायोग के प्रवक्ता ने एक बयान में यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि ब्रिटेन की नौसेना के एफ-35-बी लड़ाकू विमान ने तिरुवनंतपुरम से ऑस्ट्रेलिया के डार्विन के लिए उड़ान भरी। विमान में आई गड़बड़ी को दूर करने के लिए ब्रिटेन से इंजीनियरों की टीम ने 6 जुलाई से केरल में डेरा डाला हुआ था। उनके द्वारा की जा रही व्यापक मरम्मत और सुरक्षा जांच का काम पूरा होने के बाद ही विमान को पुनः सक्रिय सेवा में लौटने के कहा गया है।

पीएम की ब्रिटेन यात्रा से पहले लौटा एफ-35

यहां बता दें कि एफ-35-बी की घर वापसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा से ठीक एक दिन पहले हुई है। पीएम 23 से 26 जुलाई को ब्रिटेन और मालदीव जैसे दुनिया के दो देशों की यात्रा पर रवाना होंगे। जहां ब्रिटेन में उनकी यात्रा का एक सबसे आकर्षक पहलू भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर से जुड़ा हुआ है।

भारत का जताया आभार

उच्चायोग के बयान के मुताबिक, विमान की मरम्मत और संबंधित जांच की प्रक्रिया के दौरान किए गए सहयोग के लिए ब्रिटेन ने भारत के प्राधिकारियों के सहयोग के लिए उनके प्रति आभार प्रकट किया है। साथ ही भारत के साथ लगातार अपनी रक्षा भागीदारी को मजबूत बनाने पर जोर दिया है।

किराए का किया भुगतान: तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे के सूत्रों ने कहा कि ब्रिटेन ने विमान के लैंडिंग चार्ज, प्रतिदिन का किराया और पार्किंग फीस के रूप में करीब 5 से 6 लाख का भुगतान किया गया है। लेकिन यह भुगतान एयर इंडिया को किया गया है।

14 करोड़ का ड्रग्स जब्त चालक गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा के खोवाई जिले में एक ट्रक चालक के पास मिले 14 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त कर उसे हिरासत में ले लिया गया है। असम राइफल्स और सीमा शुल्क विभाग के संयुक्त अभियान के दौरान तुईचंद्राईबारी में एक ट्रक को रोका गया। वाहन की गहन तलाशी लेने पर 1,40,000 'याबा' टैबलेट बरामद हुए। जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 14 करोड़ रुपये आंकी गई। ट्रक चालक को भी गिरफ्तार कर लिया गया। जब्त किए गए प्रतिबंधित सामान और पकड़े गए व्यक्ति को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया गया।

सीएम ने कहा- सड़कों पर घूमने वाले पशुओं की प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करें

समन्वित प्रयासों से निराश्रित पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान आवश्यक

पशुधन विकास, नगरीय प्रशासन, पंचायत और पीडब्ल्यूडी विभाग बनाएं कार्ययोजना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि

सड़कों पर निराश्रित पशुओं की आवाजाही पर प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा, सड़क दुर्घटनाओं की एक प्रमुख वजह निराश्रित मवेशी हैं, जिन्हें नियंत्रित करने के लिए सभी संबंधित विभागों को त्वरित, ठोस और समन्वित कार्य योजना के साथ आगे बढ़ना होगा। मुख्यमंत्री ने पशुधन विकास, नगरीय प्रशासन एवं विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और लोक ⏭शेष पेज 4 पर

दुर्घटनाओं का बनते हैं कारण

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे स्थित गांवों में पशुओं के प्रबंधन के लिए प्रभावी एवं व्यावहारिक मॉडल विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, हाईवे पर पशुओं की उपस्थिति केवल यातायात में बाधा नहीं, बल्कि जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बनती है, अतः इस दिशा में प्राथमिकता के साथ कार्रवाई आवश्यक है। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं के मामलों और उनमें निराश्रित पशुओं की भूमिका की समीक्षा की गई।

पुनर्वास की बनाएं रणनीति

साथ ही, गोधन विकास से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने निराश्रित एवं लावारिस गौवंश की देखभाल, चारे की उपलब्धता और उनके पुनर्वास के लिए सुनियोजित रणनीति अपनाने की बात कही। नगरीय क्षेत्रों में सड़कों पर घूमने वाले पशुओं की रोकथाम के लिए काउ-कैचर की कार्यप्रणाली और उसके विस्तार पर भी विचार-विमर्श किया गया। कृषि एवं पशुधन विकास विभाग की सचिव शहला निगार ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रदेशभर की गौठानों, गौशालाओं एवं पशुधन विकास योजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया।

घंटे भर में आधा शहर डूबा...

रायपुर। स्थानीय प्रभाव से राजधानी में मंगलवार की सुबह खंडवर्षा ने शहर के एक बड़े हिस्से का जलमग्न कर दिया। घंटेभर में हुई झमाझम बारिश से शहरी इलाकों में घुटने तक पानी भर गया। इस दौरान कई इलाकों में सूखे जैसी स्थिति बनी रही। रायपुर की तरह दुर्ग में भी कई क्षेत्रों में तेज बारिश हुई और कई हिस्से सूखे रह गए।

सुप्रीम कोर्ट में दो अहम मामले, एक राष्ट्रपति के 14 सवाल पर, दूसरा महिला

गुजारा भत्ता में मांगा 12 करोड़ रुपए, बीएमडब्ल्यू और घर, कोर्ट ने पूछा- आप कमाती क्यों नहीं?

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि योग्य महिलाओं को अपनी आजीविका के लिए कमाई करनी चाहिए। उन्हें अपने पति से गुजारा भत्ता के रूप में अंतरिम भरण-पोषण की मांग नहीं करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने गुजारा भत्ता संबंधी एक मामले की सुनवाई करते हुए एक महिला को फटकार लगाते हुए कहा, आप इतनी पढ़ी-लिखी हैं। आपको खुद के लिए मांगना नहीं चाहिए, आपको खुद कमाकर खाना चाहिए। चीफ जस्टिस ने यह बात एक महिला की याचिका पर कही जिसने शादी के 18 महीने के भीतर अपने पति से अलग होने के बाद मुंबई में घर और गुजारा भत्ता के रूप में 12 करोड़ रुपए की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पढ़ी-लिखी महिलाओं को अपना जीवन चलाने के लिए खुद कमाना चाहिए। उन्हें अपने पति से गुजारा भत्ता नहीं मांगना चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि अगर महिला पढ़ी-लिखी है तो उसे पति से गुजारा भत्ता मांगने की बजाय खुद काम करके अपना खर्चा चलाना चाहिए।

सिर्फ 18 महीने चली शादी

चीफ जस्टिस ने महिला से कहा, आप आईटी क्षेत्र में हैं। आपने एमबीए किया है। आपके जैसे प्रोफेशनल्स की बेंगलुरु, हैदराबाद में बहुत मांग है। आप काम क्यों नहीं करतीं? जस्टिस गवई ने कहा, आपकी शादी सिर्फ 18 महीने चली और अब आपको बीएमडब्ल्यू भी चाहिए?

फ्लैट या 4 करोड़

सीजेआई ने महिला से कहा कि आप एक फ्लैट से संतुष्ट हो जाइए या 4 करोड़ रुपए लेकर एक अच्छी नौकरी ढूंढिए। कोर्ट ने फ्लैट या 4 करोड़ रुपए लेकर समझौते का प्रस्ताव रखने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। साथ ही, मामले को रद्द करने का भी आदेश दिया।

पति अमीर हैं, इसलिए मांगा गुजारा भत्ता

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक महिला ने अपनी मांग को सही बताते हुए कहा कि उसके पति बहुत अमीर हैं और उन्होंने शादी को रद्द करने की मांग की है। पति का यह भी कहना है कि महिला सिजोफ्रेनिया से पीड़ित है। चीफ जस्टिस ने महिला से कहा, आप हायली एजुकेटेड हैं और आपने अपनी मर्जी से काम नहीं करने का फैसला किया है। या तो आपको बिना किसी परेशानी के एक फ्लैट मिलेगा या कुछ नहीं।

ट्रिब्यूनल से लगा बड़ा झटका

कांग्रेस को दान में मिले 199 करोड़ पर देना होगा टैक्स

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी को ट्रिब्यूनल कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने 2017-18 के एक टैक्स छूट मामले में कांग्रेस पार्टी की अपील खारिज कर दी है। इस दौरान कांग्रेस को मिले 199 करोड़ रुपये के दान पर अब टैक्स देना होगा। यानी कांग्रेस को इनकम टैक्स मामले में राहत नहीं मिली है। बता दें कि कांग्रेस पार्टी को दान के तौर पर 199 करोड़ रुपये मिले थे। वहीं इसी रुपए को लेकर आयकर विभाग ने टैक्स भुगतान का नोटिस दिया था। इसका कांग्रेस पार्टी ने विरोध किया था। कांग्रेस पार्टी ने कहा था कि यह रुपये दान के तौर पर

मिले हैं और इन्हें टैक्स फ्री होना चाहिए। कांग्रेस ने इनकम टैक्स विभाग के कदम को गलत बताया था। कांग्रेस पार्टी ने राजनीतिक दलों को दान में मिले पैसे पर टैक्स नहीं लगने का हवाला देकर टैक्स रिटर्न दाखिल ही नहीं किया। इसी को लेकर आयकर विभाग ने टैक्स मांगा था, जिसको अब ट्रिब्यूनल ने बरकरार रखा है।

रोग रहित होने का संदेश देता है सवनाही तिहार

परब विशेष
डा. डी. पी. देशमुख

छत्तीसगढ़ में सावन मास का विशेष महत्व होता है क्योंकि प्रमुख पर्वों में हरेली, नागपंचमी, और राखी त्योहार इसी मास में होते हैं। खेती किसानी के श्रम के पश्चात शरीर की थकान मिटाने का इस माह अच्छा अवसर होता है, लेकिन बरसात में कृषि कार्य के दौरान इस मास में वर्षा जनित बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ जाता है। जन मानस में हैजा, मवेशियों में खुरा चपका जैसी बीमारी एवं नकारात्मक शक्तियों के प्रबल हो जाने से अन्य कई प्रकोप से पूरा गांव प्रभावित हो जाता है। इन विषम परिस्थितियों के उपचार हेतु सुरक्षा की दृष्टि से जन धन के बचाव हेतु ग्रामीण देवी देवताओं की आराधना के लिए सवनाही तिहार मनाने की

परम्परा है। आषाढ़ मास के अंतिम शनिवार या रविवार के पूर्व गांवों में सवनाही तिहार मनाया जाता है। इस दिन गांव का बैगा रात्रि के अंतिम पहर में ग्राम प्रधान एवं अन्य प्रमुख लोगों के साथ गांव के प्रवेश द्वार जिसे डीही भी कहते हैं, यहां ग्राम्य देवी देवताओं की पूजा प्रातः होने से पहले की जाती है। इसे सवनाही बरोना भी कहा जाता है। इस विधान के लिए नींबू , बंदन, इक्कीस तीन रंग का सा छोटा ध्वज, नारियल, खड़ाऊ, नागर नास, हूम धूप और अंडा आदि सामग्रियों का उपयोग किया जाता है। तीन रंगों के ध्वज में काला रंग काली माई के लिए, सफेद शीतला माता और लाल रंग बजरंग बली के सम्मान में चढ़ाने का रिवाज है। विधि विधान से पूजा कर सभी गांव वापस आ जाते हैं। गांव का कोटवार हाका पारकर इत्तिला करता है कि ग्रामवासी के लिए कौन कौन से कार्य कब तक प्रतिबंधित है और दिनचर्या का कार्य कब से शुरू करना है। गांव घर परिवार के सुख समृद्धि एवं सुरक्षा की दृष्टि से घर के प्रवेश द्वार और बाहरी दीवारों में लोक शैली में पुतरा पुतरी के चित्रण का अंकन कर सुरक्षा का उपाय करते हैं। घर के आंगन को गोबर पानी से लिपाई की जाती है। प्रत्येक गांव में सुविधानुसार पृथक परम्परा देखने की मिलती है। इस त्योहार को मनाने के पीछे गांव को विपत्ति से बचाने का लोक अनुष्ठान है जो जन मानस की आस्था और पुरखों की परंपरा से जुड़ी है।

ऐतिहासिक
डा. रामकुमार बेहार

वैभव और समृद्धि से भरा रहा प्रसन्न मात्र का शासन काल

महाराजा नरेन्द्र के पश्चात प्रसन्न मात्र ने गद्दी पर बैठा। प्रसन्न का पुत्र महाजयराज तथा पौत्र महासुखदेवराज था। प्रसन्न मात्र ने सोने के सिक्के चलाए थे। सोने के सिक्के किसी भी राज्य के समृद्धि के सूचक होते थे। दक्षिण कोसल उस समय समृद्ध था, यह सिक्कों से प्रमाणित होता है। उड़ीसा में कटक क्षेत्र से लेकर महाराष्ट्र के चांदा तक के क्षेत्र से प्रसन्न मात्र के सोने के सिक्के प्राप्त हुए हैं, जिसमें पेटिका शीर्ष लिपि का प्रयोग हुआ है। सिक्कों के ऊपरी भाग के केंद्र में गरुड़ तथा दोनों किनारों पर शंख और चक्र का अंकन किया गया है। नीचे के भाग में श्रीप्रसन्न मात्र लिखा हुआ है। एक सौ सोलह से अधिक सिक्के प्रसन्न मात्र से मिले हैं। प्रसन्न मात्र ने सरभ और नरेन्द्र की भांति गुप्तों की नाम मात्र की अधीनता स्वीकारी थी। इनका कार्यकाल लगभग 515 से 535 ई. बताई जाती है।

जनजाति विशेष
डा. अरविन्द शर्मा

दो राज्यों के जन जीवन को स्वीकार करते हैं कलिंगा जाति

गोंड और कंवर की भांति कलंगा भी प्राचीन जाति है। फ़ुलझर राज्य में इस जाति का निवास प्रारंभ से ही रहा है। यद्यपि इस राज्य अन्य आदिवासियों की अपेक्षा इनकी जनसंख्या कम है किन्तु ऐतिहासिक दृष्टिकोण से इस जाति का विशिष्ट स्थान है। भैंना राजवंश द्वारा संस्थापित नवागढ़ में कोल जाति का वर्चस्व था। भैंनो की भीषण पराजय के कारण भैलों और कोल जाति का समूल पलायन हो गया। फलस्वरूप नवागढ़ किले में कलंगा जाति का अधिपत्य हो गया। साय वंशीय गोंड शासन काल में भी इस गढ़ पर कलंगा जाति के जमींदार को मान्यता दी गई थी। सन 1663 ई में नवागढ़ किले का प्रमुख जमींदार कलंगा जाति का प्रमुख प्रधान था, उसने अपने साथियों के साथ फुलझर से लगे सारंगढ़ की सीमा में भारी उपद्रव मचाया था। कालांतर में कलंगा जाति के जमींदारों ने बोड़सरा ग्राम को अपनी जमींदारी का प्रमुख केन्द्र बनाया। सन 1866 में राजा जगसाय के समय में सुंदर सिंह प्रधान को जमीदार बनाया गया जिसके अधिकार में बारह ग्राम था। यह जमींदार परिवार और उनके वंशज आज भी सम्माननीय है और सरल स्वभाव के धार्मिक प्रवृति के हैं।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भितिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

संस्कृति
टीकेश्वर सिन्हा ' गब्दीवाला '

सेर सीधा के महत्व गांव-देहात म

हमर छत्तीसगढ़ ल धान के कटोरा कहे जाथै। इहां धान के उपज ले ही कोठी-कुरिया छलकथै। धान के पैदावारी ले ही हमर लोक परम्परा, संस्कृति, रस्म-रिवाज, रहन-सहन अउ खान-पान के निर्वहन जुड़े हावै। इही धान ले चाऊर होथै अउ धान के सबले महत्वपूर्ण सहायक फसल दलहन जइसे, राहेर, चना, लाख-लाखड़ी (तिवरा), मूंग, मसूर, उरिद मिलथे, जेकर ले हमर छत्तीसगढ़ के खान-पान जुड़े हावै।' सेर सीधा ' ल साधारण रूप म देखे जाय त, ए एक बहुत ही सामान्य अर्थ देथै- चाऊर अउ दार। व्याकरणिक दृष्टिकोण ले दूनों एक पदार्थवाचक शब्द आय। सामासिक रूप म द्वंद्व समास आय। अब इही चाऊर-दार शब्द ल उलट दिया या कर दिया जाय, तो बनथै- 'दार-चाऊर'। येकर एक अलग ही अउ व्यापक अर्थ होथै।

हमर छत्तीसगढ़ के गांव-देहात म दार-चाऊर एक दान-दक्षिणा स्वरूप लोक-संस्कृति के चिन्हारी आय। हमर ग्रामीण क्षेत्र म दार-चाऊर के लेवई-देवई के बड़ महत्व हे। ये एक सामाजिक आत्मीक उपहार आय, जइसे कि कोनो गाव म कोनों घर बर-बिहाव या मरिया काम-काज होथय, त घर वाले हर अपन पारा-परोस के लोगन या हिती-पिरोती ल नेवता देथै। अपन सुविधा मुताबिक नेवताय लोगन ल खाये बर घर म सामूहिक रूप म बलाथै, जेन ला ' मांदी ' कहे जाथै। कोनों कारण ले घर वाले हर नेवताय लोगन ल खाय बर नइ बला पाय, त काम-कारज के निपटे ले खुद घर वाले या फेर वोकर करीबी व्यक्ति ह नेवताय लोगन के घर जाथै, अउ हूँद कराथै- ' घर म कोन हो जी...! सुपा लानहू। दार-चाऊर झोंकौ।' नेवताय घर वाले ह तुरते सुपा लाथै। नेवता देवइया हर सुपा म करीबन एक गिलास याने पाव भर चाऊर, ठोमा-अकन दार, थोरिक नून-मिरची, दू-तीन ठन आलू अउ कलेवा म लाड़ू, अरसा अउ बरा-सोंहारी सुपा म मढ़ाथै। ये जम्मो जिनीस लगभग एक मनखे के एक बियारी के भोजन के जिनीस के बरोबर होथै। माने, ये दार-चाँऊर ह वो नेवताय मनखे के भोजन-अस माने जाथै। दार-चाँऊर ह नेवता देवइया याने घरवाले अउ नेवताय पाय मनखे ल प्रसन्नचित्त संतुष्टि के एहसास कराथै। कभू-कभू नइ नेवताय राहँय, तउनो मन ल दार-चाँऊर बाँट दे जाथै। पर आजकल बहुत कम दार-चाँऊर देय-लेय के परम्परा देखेला मिलथै। लगभग ये परम्परा बंद होय के कगार म हावै।

दाँर-चाऊर के देवई-लेवई ह दू मनखे प्राणी अउ घर-परवार ल मया-पिरीत, भाई-बंध, अपनापन अउ एकता जइसे एक मानवीय अउ सामाजिक बंधन ले बाँधथै। येकर ले मनखे ले मनखे के चिन्हारी होथै। हमर गाँव-देहात म एकता बने रहिथे, अउ गाँव के उत्तरोत्तर सामाजिक प्रगति के मार्ग प्रशस्त होथै। अइसना हमर ग्रामीण-अंचल म लोगन के घर म पधारे बाम्हन-बैरागी, भठरी, बसदेवा, गोरखनाथ बाबा अउ अपन कुलगुरू ल घलो दान-दक्षिणा के रूप म दार-चाँऊर भेंटे के बड़ सुग्घर परम्परा हे। इन्ला देय दार-चाँऊर के जिनीस म लोगन अपन इच्छा अउ हैसियत मुताबिक पइसा-कौड़ी घलो भेंट करथैं। सुपा म दार-चाँऊर भेंटे ये बाह्मन-बैरागी, भठरी, बसदेवा, गोरखनाथ बाबा अउ गुरुबाबा ल बड़ श्रद्धापूर्वक पलयगी करथै। ये सबो झन हर दार-चाँऊर शांत चित्त अउ प्रेम पूर्वक दान-चाँऊर रूप भेंटे दक्षिणा ल ग्रहण करत दार-चाँऊर देवइया ल असीस देथैं। इन्ला दार-चाँऊर देय ले लोगन के हिरदय म श्रद्धाभाव पनपथै। मान-सम्मान झलकथै। ये दार-चाँऊर देय के परम्परा ह गाँव म सार्वजनिक पूजा पाठ-ठउर- मंदिर-देवालय म घलो देखे बर मिलथै। इन ठउर म जादातर माईलोगिन मन ही सुपा के जगा थारी म दार-चाँऊर धरके जाथैं, अउ चढ़ाथैं; अउ देवी-देवता के असीस पाथैं। इँकर

दार-चाँऊर म दार, चाऊँर, पइसा, पूजापाठ के जिनीस- नरियर, अगरबत्ती, फूल-पान अउ देवी-देवता के सिंगार के जिनीस रहिथैं।

कोनों-कोनों गाँव म अपन नियम-धियम अनुसार जुड़वास दिन, बार के दिन याने, सम्मार अउ बिरस्पत के शीतला मंदिर म दार-चाँऊर चढ़ाय जाथै। अइसने ढंग ले गाँव म तीज-तिहार, धार्मिक, सांसारिक व आध्यात्मिक अनुष्ठान के बेरा म घलो लोगन ले दार-चाँऊर देय-लेय अउ चढ़ाय अबड़ सुग्घर हे। अक्सर कोनों तीज-तिहार के मौका म गाँव के नौकर जइसे, राउत के रउतइन ह देवारी के गोबरधन पूजा के दिन अपन ठाकुर घर हाथा देते बर जाथे, त घर-ठाकुराईन हर वोला दार-चाँऊर देथै। अइसने ढंग ले हमर पहिली तिहार हरेली के दिन नऊ, बरेठ, लोहार मन ह, अपन-अपन ठाकुर के घर 'जोहारे बर आ हन ग.. आ हन जी... आ हन ओ... कका , काकी, भइया भउजी, दीदी जइसे बड़ सुग्घर नत्ता-गोत्ता सोरियावत' जोहारे बर जाथैं। त घर-गृहस्थी अउ खेती-किसानी के गोठ गोठिया लेथैं। घर-मालकिन हर इन्ला दा-चाँऊर भेंट करथैं। ये जम्मो झन हर घर-मालकिन ल तिहार के बधई अउ असीस देवत बड़ खुशी-खुशी बिदा लेथैं।

हमर गाँव-अंचल म दार-चाँऊर भेंट देवई ह बड़ नीक परम्परा आय। अबड़ पुरातन परम्परा आय। समय मुताबिक येकर स्वरूप बदलत गेय हे। येकर ले मनखे म मनखेपना पनपथै। सहयोग के भाव उपजथै। मेल-मिलाप होथै। जाति-धर्म के बंधन ले मनखे ल दूर रखथै। ये दार-चाँऊर के लेवई-देवई ह मालिक अउ नौकर के आपसी प्रेम, सहयोग अउ सेवा भाव लोगन म देखे बर मिलथै, त हम सब कोशिश करन कि दार-चाँऊर या सेर सीधा के नीक-सुग्घर परम्परा चलते राहै। अंचल के हिसाब ले कोनो जगा दार चाऊर त कोनो जगा सेर सीधा केहे जाथे।

आस्था : दिनेश वर्मा

धार्मिक मान्यता का स्थल
श्रीराव देव बरोंडा

हमारी धार्मिक आस्था का महत्व उस समय अधिक हो जाता है, जब किसी देव द्वारा मनोकामना के अनुरूप कार्य पूर्ण हो जाता है। ऐसे ही आस्था का लघु स्थल राजिम और श्यामनगर के मध्य बरोंडा में राष्ट्रीय राज मार्ग 130 सी पर स्थित है ।श्रीराव देवताश्र (बाँकी देव) इस परिक्षेत्र के धार्मिक महत्व का स्थल है।श्रीराव को जन-जीवन में जंगल के मालिक व कृषक देव के रूप में मान्यता है। ग्रामीण अपनी पहली फसल श्रीराव देव को अर्पित करते हैं। धार्मिक मान्यता है, कि बाँकी देव कृषकों के फसलों की अप्रत्यक्ष रूप से रक्षा करतें है उनमें दैवीय शक्ति है उनका यह विश्वास आज भी कायम है। श्रीराव के प्रतीक प्रतिमा के साथ नाग देवता का भी प्रतिमा होने के फलस्वरूप इस स्थल पर नाग पंचमी के दिन विशेष श्रृंगार व पूजा का विधान है। ईमली वृक्ष के नीचे नाग देव का दुग्धाभिषेक कर यहां सत्यनारायण का कथा का आयोजन होता है। इस देव स्थल में आजादी के समय पगडंडी व बैलगाड़ी मार्ग था। संभावना है कि वर्ष 1920 के समय धमतरी में गाँधी जी के सभा में सम्मिलित होने इस मार्ग से गये होंगे। इस क्षेत्र के बहुत से देशभक्त ग्रामीण 1921-22 में जंगल सत्याग्रह व झंडा सत्याग्रह में शामिल होने गरियाबंद (मैनपुर) -धमतरी (सिहावा- नगरी) जिला के सीमा उमरगांव में सम्मिलित होने इस मार्ग से गुजरते समय इस देव स्थल की पृष्ठभूमि की रचना की गई होगी। वास्तव में यह स्थल प्रकृति उपासना का स्थल प्रतीत होता है।

लोक साहित्य
डॉ. पी सी लाल यादव

लोक में व्याप्त मिथक

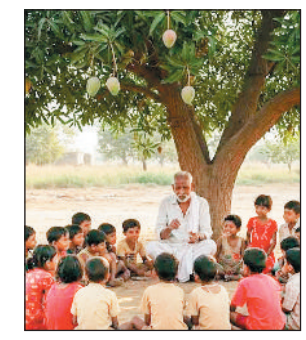

लोक साहित्य लोक की आत्मा है। लोक जीवन की धड़कन है। लोक साहित्य लोक मानस की गीता है। गीता जीवन को संबल देती है, चेतना जागृत करती है। छत्तीसगढ़ का लोक साहित्य इससे परे कहां है? लोक साहित्य की हर विधा चाहे वह लोकगीत हो, लोक नाट्य हो या लोक गाथा। लोक पहेली या लोकोक्ति। यह सभी वाचिक परंपराएं लोक जीवन में लोक चेतना जागृत कर संजीवनी का कार्य करती हैं। सुखी और सार्थक जीवन की अनिवार्यता है प्रकृति से तादात्म्य। आज मनुष्य अपने किंचित सुख और स्वार्थ के कारण पर्यावरण का विनाश कर रहा है। हमारी नई पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय है। जल, जंगल और जमीन खतरे में है। नागर समाज इस खतरे को अब समझ रहा है। लोक इसे पहले ही समझ चुका है। युग युग से लोक साहित्य इसके संरक्षण की बात कर रहा है। यह कहीं नहीं लिखा है, पर लोक कंठो में आज भी गूंज रहा है। लोक माने प्रकृति और प्रकृति माने लोक। दोनों एक दूसरे के पर्याय और पूरक। तभी तो लोक कंठ से झलकता करमा की यह तान आज भी लोक जीवन में चेतना का संचार कर रही है -

बर काटे बईमान, पीपर काटे चंडाल।
मऊरत आमा काटे पापी
जिनगी के कोन हवाल।
झन काटो रुख ल
रोग राई हरे, तोर हरे दुख ल।
हाय रे, हाय झन काटो रुख ल।

विंहारी : गौकरण मानिकपुरी

पैंतीस चालीस बछर पहिली गांव -गांव मा लीला नाटक के दौर चलय। सावन माह रमायेन मंडली कोति ले स्वशासी रमायेन महीना भर पढ़े जाय , जे में लीला नाटक के पाठ छटई के बूता संघरा चलय। अउ जइसे ही राखी पुन्नी के दिन रमायेन के विसर्जन होतिस, ओकर बिहान दिन पाठ के बटई होवय , मनखे के रुप अउ ओकर पढई लिखई अउ कलाकारी देख के ओला पाठ ला सौंपे।

पहिली कार्यक्रम के उद्घोषक ल सूत्रधार या बिदूषक केहे जाए

तहन रोज रतिया सेवन करे के पाछु सब कलाकार मन बाजा रूंजी धर के गांव के गुडी-चौपाल नई ते चरझनिया बने घर मा सकला के आधा रात ले रेसल करें तेन हा महिना डेढ़ महिना चलय। रंगमंच में नाटक में जेन चरितर ऊपर नौटंकी मा भाग लेवईया लोगन के छोड़ अउ कतकोन बूता करें बर आने-आने मनखे के जरुरत पड़य, जेला देख के सबो झन ला बूता नेमे राहय। जइसे बाजा पेंटी बजईया , गणेश सरसति के पाठ करैया , सबके गीत ला झोकईया रागि या कवि , अभिनय करैया मन ला संभरईरया , सिंगार करैया , सीन बनोईया, परदा उठैया-चढैया ,गियास नइते कंडिल के जलैया बुझैया।

फेर कार्यकरम के चालू करें बर संचालन करे खातिर एक बिसेस आदमी के जरुरत परय ,जेला लोगन मन सूत्रधार या बिदूषक के नाम देवय। जेहा थोरिक ज्यादा पढ़े लिखे अउ बनेच्च अक्कन बात के गियान राखय, अइसने आदमी वा अइसने बूता के जिम्मेवारी देवय। अब जइसे कार्यकरम चालू होवय त

सबले पहिली बाजा-पेटी बैठकी धुन के बाद रागि-कवि दुवारा भक्ति भजन, ओकर बाद सखी मन के नृत्य गान गाइए हो गणपति जग बन्दन जईसन गीत ला देखाय ,फेर सरसति गनेश निकालय, ओकर ले बिदूषक हा पूजा पाठ गोठ-बात अउ कार्यकरम के सफलता बर अरजी बिनती करत मण्डली के जतेक भी मुखिया मनेजर मन के नाव अउ काम ला गा-गा के बतावय, जेला लोगन मन बिदूषक नईते सूत्रधार के नाव देवय ,जे सब्बो बात ला बखान करत दोहा चौपाई, छंद, लावनी, बहरत, सवैया तरज ला गावत मण्डली के पता नाव गांव सब ला बतावय। जेमे देखइया-सुनइया बर अरजी निवेदन करता बिदूषक कुछ अइसन बोलय...

जरा ध्यान दें सुनहु सुजन, मण्डली का पता बताता हूं
*हल्ला गुल्ला यहां न करना, करना बाहर जा करके।
बिडी तम्बाखू यहां न पीना, पीना बाहर जा करके
राम राम कहि-कहि के, सब मिल बजा दिहु ताली
अइसन-अइसन दोहा चौपाई ला बिदूषक दुवारा गाए जाय अउ लीला नाटक के शुरुवात करे जाय।

फेर अब नवा-नवा तकनीक संसाधन अउ मनोरंजन के आनी बानी तरीका आय के सेति लीला नाटक के मंचन कम होगे हे या नंदागे अइसन कहना अब अतिश्योक्ति नई हे। झेला मंच संचालक एंकर या उद्घोषक बोले जाथे। जेकर दूवारा कार्यकरम के शुरुच मा मंच के एक तीर काऊन्टर बक्सा करा संचालन करे के बूता करे जाथे ।

बिहार इलेक्शन तक उपराष्ट्रपति चुनाव टला तो मिलेगा चौंकाने वाला कैंडिडेट

...तो नीतीश होंगे उपराष्ट्रपति पद के एनडीए से उम्मीदवार!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जगदीप धनखड़ के सोमवार शाम अचानक स्वास्थ्य कारणों से उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद देश के दूसरे सबसे बड़े संवैधानिक पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। ऐसे में सभी की नजरें संसद के नंबर गेम पर टिकी हैं। इस बार के चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को स्पष्ट बढ़त मिलती दिख रही है क्योंकि दोनों सदनों में उसके पास पर्याप्त संख्या है। लेकिन बड़ा सवाल यह है इस संवैधानिक पद की जिम्मेदारी किसे मिलेगी। आश्चर्यजनक रूप से इस पद के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम सामने आ रहा है। ऐसे में धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफे से हैरान बीजेपी के अंदर भी चर्चाओं का दौर जारी है। अलग-अलग खेमे में अलग-अलग अटकलें लगाई जा रही हैं। मसलन, जब दिल्ली में बीजेपी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने नाम की गोपनीयता की शर्त पर कहा कि 'हो सकता है कि यह चुनाव बिहार विधानसभा चुनाव तक टल जाए। क्योंकि, इसे करवाने की इतनी जल्दी नहीं लग रही।' उन्होंने संभावना जताई कि 'अगर बिहार चुनाव तक यह टल जाता है तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के भावी प्रत्याशी हो सकते हैं।' नीतीश के अलावा राज्यसभा के उपसभापति हरवंश, व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का नाम भी सुर्खियों में है।

नीतीश कुमार

जेपी नड्डा

हरिवंश नारायण सिंह

हरवंश का नाम भी जोरों पर

सूत्रों ने सबसे ज्यादा जोर राज्यसभा के उपसभापति हरवंश के नाम पर दिया है। उनका कहना है कि 'नीतीश की जेडीयू अबकी बार जो एनडीए में आई है तो उसमें हरिवंश ही बड़े किरदार रहे हैं।' इसके साथ ही उन्होंने एक तरह से दावा किया कि जो भी होगा, वह 'बिहार का हो सकता है।' सामान्य चर्चा यह है कि राज्यसभा के वाइस चेयरमैन हरिवंश को एनडीए कैंडिडेट बनाया जा सकता है। उन्हें पीएम नरेंद्र मोदी का भरोसा हासिल है। इसके अलावा बिहार से कनेक्शन है और जेडीयू के वह नेता हैं। इसीलिए कयास जोरों पर हैं कि उन्हें ही उपराष्ट्रपति बनाया जा सकता है।

राज्यसभा में भी एनडीए की स्थिति मजबूत

लोकसभा की कुल 543 सीटों में से वर्तमान में बशीरहाट सीट खाली है, जिससे लोकसभा की प्रभावी संख्या 542 हो जाती है। इसमें भाजपा और उसके सहयोगियों यानी एनडीए के पास कुल 293 सांसदों का समर्थन है। यानी लोकसभा स्तर पर एनडीए को बहुमत से काफी ऊपर की स्थिति हासिल है। राज्यसभा में कुल 245 सीटें होती हैं लेकिन वर्तमान में पांच सीटें खाली हैं। इनमें से चार जम्मू-कश्मीर से हैं और एक पंजाब से, जहां आम आदमी पार्टी के संजीव अरोड़ा ने हाल ही में विधानसभा उपचुनाव जीतने के बाद इस्तीफा दे दिया था। यानी राज्यसभा की प्रभावी संख्या 240 रह गई है। इनमें एनडीए के पास 129 सांसदों का समर्थन है। यह आंकड़ा तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब इसमें मनोनीत सदस्य भी शामिल होते हैं, जो परंपरागत रूप से सरकार के समर्थन में मतदान करते हैं।

कुल 786 में से एनडीए के पास कितने?

उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों द्वारा किया जाता है। कुल मिलाकर दोनों सदनों की प्रभावी संख्या 786 है और जीत के लिए उम्मीदवार को 394 वोटों की जरूरत होती है। एनडीए के पास इस समय 422 वोट हैं, यानी उसे बहुमत से कहीं अधिक समर्थन हासिल है और उसकी जीत लगभग तय मानी जा रही है, बशर्ते सभी सदस्य मतदान करें।

खबर संक्षेप

वायु सेना से होगी लड़ाकू विमान मिग-21 की विदाई

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना का सबसे प्रमुख लड़ाकू विमान मिग-21 अब विदाई के लिए तैयार हैं। 62 साल में हर छोटे बड़े सैन्य युद्ध में सेना की मदद करने वाला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान 19 सितंबर को औपचारिक तौर पर विदा हो जाएगा। लड़ाकू विमान के सम्मान में चंडीगढ़ एयरबेस पर विदाई समारोह का आयोजन किया जाएगा। मिग-21 मौजूदा समय में पैंथर्स 23 स्क्वाड्रन का हिस्सा है। रक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायु सेना इस साल सितंबर तक मिग-21 लड़ाकू विमानों को चरणबद्ध तरीके से हटा देगी।

गाजा में इजराइली हमला : 20 लोग मारे

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। गाजा में इजराइली हमलों में कम से कम 20 लोग मारे गए हैं। यह जानकारी फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को दी। इजराइल ने उस क्षेत्र में नयी घुसपैठ की, जो 21 महीने के युद्ध के दौरान बड़े पैमाने पर लड़ाई से अछूता था। इजराइल के जमीनी आक्रमण का विस्तार ऐसे समय में हो रहा है जब इजराइल और हमास गाजा के लिए युद्ध विराम की शर्तों पर विचार कर रहे हैं, जिससे लड़ाई रुक जाएगी और कुछ बंधकों की रिहाई संभव हो सकेगी। वार्ता का नवीनतम दौर हफ़्तों तक चला, लेकिन कोई सफलता के संकेत नहीं मिले, हालांकि वार्ताकारों ने उम्मीद जतायी है।

सांसद इंजीनियर रशीद रिहा, आएंगे संसद

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को जेल में बंद लोकसभा सदस्य इंजीनियर रशीद को संसद के मानसून सत्र में भाग लेने के वास्ते 24 जुलाई से चार अगस्त तक के लिए अभिरक्षा पैरोल पर रिहा कर दिया। वर्ष 2017 के आतंकवाद के वित्त पोषण मामले में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद रशीद वर्ष 2019 से तिहाड़ जेल में कैद हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने अभिरक्षा पैरोल मंजूर की। फिलहाल विस्तृत आदेश का इंतजार है।

एसआईआर 'इंडिया' गठबंधन ने दिखाई ताकत

बिहार वोटर लिस्ट पर संसद भवन से बिहार विधानसभा तक विपक्ष ने जताया विरोध

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राहुल, अखिलेश सहित कई बड़े नेताओं ने संसद के भीतर और बाहर किया प्रदर्शन

विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर मंगलवार को संसद के भीतर और बाहर विरोध जताया। विपक्षी सांसदों ने पहले संसद परिसर में प्रदर्शन किया और फिर लोकसभा एवं राज्यसभा में भी इस मुद्दे पर जमकर नारेबाजी की जिससे दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई। संसद के 'मकर द्वार' के निकट आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, राष्ट्रीय जनता दल के नेता मनोज झा और मीसा भारती तथा कई अन्य सांसद शामिल हुए। विपक्षी नेताओं ने वोटर लिस्ट समीक्षा का विरोध किया। संसद भवन के साथ ही बिहार विधानसभा के बाहर भी प्रदर्शन हुआ। यहां प्रदर्शनकारियों ने न्यायिक जांच की मांग की।

विपक्ष का चुनाव आयोग पर आरोप

नेताओं ने आरोप लगाया कि संशोधन प्रक्रिया से प्रवासियों, आर्थिक रूप से कमजोर और हाशिए पर पड़े समुदायों को निशाना बनाया जा रहा है। विपक्ष की मांग है कि इस प्रक्रिया पर संसद में विस्तार से चर्चा और न्यायिक जांच हो। चुनाव आयोग इस संशोधन मॉडल को पूरे देश में लागू करने की योजना बना रहा है।

बिहार में भी एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन

बिहार विधान परिषद में विपक्ष की नेता राबड़ी देवी ने राज्य विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इसमें अन्य विपक्षी भी शामिल हुए। हाथ में पोस्टर लेकर विपक्षी सांसद आसन के पास पहुंच गए। इसके बाद सदन की कार्यवाही दो मिनट के भीतर ही स्थगित कर दी गई. इसके बाद विपक्ष ने संसद के बाहर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। कांग्रेस सांसद सप्तगिरि शंकर उल्का ने कहा, हमें लगता है कि एसआईआर गरीबों, दलितों और आदिवासियों को उनके वोट के अधिकार से वंचित करने की कोशिश है। वोट चुराने की जो कोशिश उन्होंने महाराष्ट्र, हरियाणा में की, वही बिहार में भी हो रही है। हम चाहते हैं कि सदन में इस पर चर्चा हो, इसीलिए हम बार-बार स्थगन प्रस्ताव ला रहे हैं।

सत्ता पक्ष ने क्या कहा?

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, विपक्ष से मैं पूछना चाहता हूं कि क्या संविधान में विश्वास है? क्या मतदाता सूची का पुनरीक्षण जब 2003 में हुआ था तब प्रधानमंत्री मोदी देश के प्रधानमंत्री थे, तब भी तो यह हुआ था। तेजस्वी यादव को अपनी बात साफ-साफ कहनी चाहिए। उन्हें किसी और चीज की चिंता है। गिरिराज ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव को रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों की चिंता है कि उनका क्या होगा. इसलिए वो डरे हुए हैं।

निर्वाचन आयोग ने बिहार में एसआईआर को उचित ठहराया

निर्वाचन आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को उचित ठहराते हुए कहा है कि यह सूची से 'अयोग्य व्यक्तियों को हटाकर' चुनाव की शुचिता को बढ़ाता है। बिहार से शुरू कर पूरे भारत में मतदाता सूची के एसआईआर का निर्देश 24 जून को दिया गया। इस निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका के संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया है कि मतदान का अधिकार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धाराओं 16 और 19 के साथ अनुच्छेद 326 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 62 से प्राप्त होता है जिसमें नागरिकता, आयु और सामान्य निवास के संबंध में कुछ पात्रताओं की बात की गई है। एक अपात्र व्यक्ति को मतदान का कोई अधिकार नहीं है और इसलिए वह इस संबंध में अनुच्छेद 19 और 21 के उल्लंघन का दावा नहीं कर सकता।" न्यायालय इस मामले की सुनवाई 28 जुलाई को करेगा।

एअर इंडिया को फ्यूल स्विच लॉकिंग सिस्टम गड़बड़ नहीं मिला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्लेन हादसा : एएआईबी का जांच के बाद दावा

प्राइमरी रिपोर्ट में स्विच बंद करने का था दावा

एअर इंडिया ने बोइंग 787 और 737 प्लेन के फ्यूल कंट्रोल स्विच (एफसीएस) के लॉकिंग सिस्टम की जांच पूरी कर ली है। एयरलाइंस ने मंगलवार को बताया कि इसमें कोई समस्या नहीं थी। दरअसल, अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने अपनी प्राइमरी रिपोर्ट में दावा किया था कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश से पहले फ्यूल स्विच बंद कर दिए गए थे। इसके बाद एविएशन सिक्योरिटी रेग्युलेटर (डीजीसीए) ने 12 जुलाई को एयरलाइनों को अपने विमानों में फ्यूल स्विच सिस्टम की जांच करने का निर्देश दिया था। 21 जुलाई को रिपोर्ट मांगी थी। बोइंग 787, एअर इंडिया के बेड़े का हिस्सा है। बी 737 का संचालन इसकी कम लागत वाली सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस करती है। इनके अलावा इंडिगो, स्पाइसजेट और अकासा के पास भी बोइंग हैं। एअर इंडिया की

फ्यूल स्विच की जांच पर यह कहा

एअर इंडिया ने कहा कि उसकी दोनों एयरलाइन एआई और एआईईएक्स ने 14 जुलाई को जारी डीजीसीए के निर्देशों का पालन किया है। कंपनी ने 12 जुलाई को स्वैच्छिक निरीक्षण शुरू किया और निर्धारित समय सीमा के भीतर इसे पूरा कर लिया।

फ्लाइट ने 12 जून को दोपहर 1.38 बजे उड़ान भरी थी और 1.40 बजे हादसा हो गया। उस समय प्लेन 200 फीट की ऊंचाई पर था।

5 पन्नों की रिपोर्ट

5 पन्नों की रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ से लेकर हादसे तक की पूरी उड़ान करीब 30 सेकेंड ही चली। इस समय तक रिपोर्ट में बोइंग 787-8 विमान और इंजन को लेकर किसी ऑपरेटर के लिए कोई चेतावनी या कार्रवाई की सिफारिश नहीं की गई है। साथ ही रिपोर्ट में मौसम, बर्ड-हिट और सबोटाज जैसे किसी भी कारण का जिक्र नहीं है। दोनों पायलट (सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर) मुंबई बेस्ड थे और पिछले दिन अहमदाबाद पहुंचे थे। फ्लाइट से पहले पर्याप्त रेस्ट लिया था।

शादी के 25 सालों के बाद मिला संतान सुख : माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर

बिलासपुर। माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर अग्रसेन चौक टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर से इलाज करा कर बेमेतरा जिला के 45 वर्षीय एक ऐसे दंपति जिनकी शादी को 25 साल हो चुके हैं, उन्हें माता -पिता बनने का सपना पूरा हुआ। दंपति के अनुसार कई बड़े अस्पतालों से इलाज कराने के बाद भी कोई लाभ नहीं मिला। इसके बाद माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर में इलाज कराने के बाद संतान सुख मिला। महिला की मासिक धर्म अनियमित हो चुकी थी एवं अडाशय में अंडे नहीं बन रहे थे। डॉ ने उनकी मासिक धर्म को ठीक करने के लिए दवाइयों के साथ - साथ लेप्रो- हिस्ट्रोस्कोपी कराने की सलाह दी। जिससे यह पता चला कि उनकी अंडाशस में सिस्ट होने के वजह से उनका मासिक धर्म अनियमित था व अंडों का निर्माण नहीं हो रहा था। साथ ही यह भी बताया कि उनकी गर्भाशय की लाइनिंग ठीक नहीं है। उन्हें

हेल्थ प्लस

गर्भाशय की लाइनिंग ठीक करने के लिए दवाइयां दी गई। डॉक्टर ने उन्हें आईवीएफ कराने की सलाह दी। दंपत्ती की सहमति लेकर डॉक्टर ने आईवीएफ की प्रक्रिया चालू किया।

लगभग 15 दिनों के बाद डॉक्टर ने उन्हें दोबारा जांच के लिए बुलाया। जांच में महिला का आईवीएफ सफल पाया गया। उन्हे गर्भ धारण हो चुका था। दोनों दंपत्ती बहुत खुश थे क्योंकि उन्हें यह खुशी उनके जीवन में पहली बार और शादी के 25 सालों के बाद मिली थी। वह लगातार डॉक्टर के संपर्क में रहे। आज उन्हें एक स्वस्थ बच्चे के माता-पिता बनने का सुख मिला। अधिक जानकारी के लिए 8085758585 पर संपर्क करें।

कांवड़ यात्रा का उत्साह...

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में श्रावण के पवित्र महीने के दौरान कांवड़ यात्रा के समापन की पूर्व संध्या पर मंगलवार को हरिद्वार से पवित्र जल लेकर आते हुए कांवड़िये।

कांवड़ रूट पर बरकरार रहेगा क्यूआर कोड, रोक से सुप्रीम कोर्ट ने किया इंकार

वैधानिक कायदों का हो पालन

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों के लिए 'क्यूआर' कोड संबंधी निर्देश पर रोक लगाने से मंगलवार को इनकार कर दिया और इस मार्ग पर मौजूद सभी होटल मालिकों को निर्देश दिया कि वे वैधानिक आवश्यकताओं के अनुरूप अपने लाइसेंस एवं पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदर्शित करें। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वह होटल या ढाबा मालिक का नाम और क्यूआर कोड प्रदर्शित करने के अन्य मुद्दों पर विचार नहीं कर रही, क्योंकि मंगलवार को कांवड़ यात्रा का अंतिम दिन है। पीठ ने कहा, 'हमें बताया गया है कि यात्रा का आज अंतिम दिन है... इसलिए इस स्तर पर हम केवल यह आदेश पारित कर सकते हैं कि सभी संबंधित होटल मालिक वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदर्शित करने के निर्देश का पालन करेंगे।'

तर्क और जवाब

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक एम. सिंघवी ने कहा, 'यात्रा के दौरान लोगों को बहिष्कृत करने की यह सबसे विभाजनकारी पहल है, मानो ये लोग अछूत हों। क्या 'मेनू कार्ड' (व्यंजन के विकल्पों की सूची) के बजाय मेरा उपनाम यह सुनिश्चित करेगा कि 'कांवड़ियों' को अच्छी गुणवत्ता वाला भोजन मिलेगा या नहीं?' वरिष्ठ वकील ने कुछ दुकानों पर कांवड़ियों के कथित हमलों से जुड़ी खबरों का हवाला देते हुए कहा, 'जब आप विभाजन के बीज बोते हैं, तो बाकी चीजों का ध्यान जनता खुद रख लेती है।' उनके तर्क का जवाब देते हुए न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा कि लोगों के खान-पान के विकल्प अलग-अलग होते हैं और कोई शाकाहारी व्यक्ति, खासकर धार्मिक यात्रा के दौरान केवल शाकाहारी भोजन परोसने वाली जगह पर ही जाने का विकल्प चुनना चाहेगा।

रोबोट ने किया पॉपकॉर्न सर्व, अमेरिका के लॉस एंजेलिस में दिखाई भविष्य की झलक

मस्क ने खोला उड़नतश्तरी जैसा दिखने वाला रेस्त्रां

एजेंसी ▶▶| लॉस एंजेलिस

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक ऐसा रेस्टोरेंट लॉन्च किया है जो तकनीक, एंटरटेनमेंट और रेट्रो फील का अनोखा कॉम्बिनेशन है। लॉस एंजेलिस में खुला ये नया डायनर किसी उड़नतश्तरी जैसा दिखता है, और इसका एक्सपीरियंस भी कुछ वैसा ही है—भविष्य की झलक और पुराने जमाने की अमेरिकी डायनर संस्कृति का शानदार फ्यूजन। 1950 स्टाइल वाले डायनर के लॉन्च इवेंट में ऑप्टिमस रोबोट ने पॉपकॉर्न सर्व किया। यहां खाना साइबरट्रक-स्टाइल बॉक्स में सर्व किया जाता है। मस्क ने भी यहां डिनर किया। ये डायनर एक ऐसा एक्सपीरियंस है जो पुराने जमाने की अमेरिकी डायनर संस्कृति को भविष्य की तकनीक के साथ जोड़ता है। मस्क ने 2018 में इस डायनर का आइडिया शेयर किया था।

तकनीक, एंटरटेनमेंट और रेट्रो फील का अनोखा कॉम्बिनेशन

लॉन्च के बाद मस्क का रिएक्शन

21 जुलाई को जब यह डायनर पब्लिक के लिए खुला, तो देखने वालों की लंबी लाइन लग गई. मस्क ने खुद यहां डिनर किया और एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, 'मैंने अभी रेट्रो-फ्यूचरिस्टिक टेस्ला डायनर और सुपरचार्जर में डिनर किया। टीम ने शानदार काम किया है!' उन्होंने यह भी कहा कि यदि यह कॉन्सेप्ट हिट हुआ, तो टेस्ला ऐसे डायनर और चार्जिंग स्पॉट दुनिया के अन्य शहरों और हाइवे लोकेशन्स पर भी लॉन्च करेगा।

टेस्ला डायनर की खास बातें

इस लॉन्च इवेंट की सबसे बड़ी हाईलाइट रहा टेस्ला का ह्यूमनॉइड रोबोट ऑप्टिमस, जिसने पॉपकॉर्न सर्व करके सबका ध्यान खींचा। हालांकि, फिलहाल ऑप्टिमस सिर्फ डेमो और शोकेस के लिए है। रोजाना सर्विस इंसानों और रोलर स्केटिंग स्टाफ द्वारा की जाती है। यहां दो 45 फीट की एलईडी स्क्रीन्स लगी हैं, जहां ग्राहक टेस्ला की कार में बैठे-बैठे फिल्म देख सकते हैं और मूवी का ऑडियो आपकी टेस्ला कार के साउंड सिस्टम से पूरी तरह सिंक हो जाता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

कांग्रेस की आर्थिक...

जताया। वहीं, बिलासपुर में फ्लाईओवर को जाम किया। पेंड्रा में कांग्रेसियों ने बारिश के बीच अपना प्रदर्शन किया। **दो घंटे तक परेशान हुए लोग-** कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहीं बस और मालवाहक रोका, तो कहीं हाईवे जाम कर दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने ईडी और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने ईडी, सीबीआई, अडानी भगाओ, राज्य बचाओ के नारे लगाए। प्रदर्शन को लेकर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ता काफी देर तक सड़क पर जमे रहे, जिससे आवाजाही में लोगों को 2 घंटे तक परेशानी हुई।
कुर्सी लगाकर बैठे महंत- छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत, बिलासपुर हिर्री माइंस के आर्थिक नाकेबंदी चक्काजाम में शामिल हुए। वे इसके बाद जिला जांजगीर चांपा अकलतरा चौक आर्थिक नाकेबंदी बंदी में शामिल हुए। डॉ. महंत सड़क के बीच कुर्सी रखकर धरने पर बैठ गए। उधर, भारी बारिश के बीच कांग्रेस कार्यकर्ता खुद को कुर्सियों से ढंकते नजर आए।
युवा कांग्रेसी भी जुटे- छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जिलों में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित अडानी भागाओ, छत्तीसगढ़ बचाओ आर्थिक नाकेबंदी कार्यक्रम में हजारों कार्यकर्ता रोड पर उतरकर सड़कों पर चक्का जाम किया। राजधानी रायपुर में युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ वीआईपी चौक पर आर्थिक नाकाबंदी एवं चक्का जाम किया।

सरकार रायपुर से...

भेजने का काम कर रहा है। बीजेपी के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, अगर मेरे कार्यकाल में जंगलों की कटाई हुई थी, तो 18 महीने बीतने के बावजूद अब तक उस मामले में एक भी एफआईआर क्यों नहीं हुई। चक्काजाम में पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजा बरार भी शामिल हुए।

जगदलपुर में बैज...

वही अब जब मानसून सत्र में पूर्व सीएम भूपेश बघेल यह मुद्दा उठाने वाले थे, उसी दिन सुबह उनके घर में ईडी भेज दी गई और उनके बेटे को गिरफ्तार किया गया। प्रदेश सरकार की इस हरकत से कांग्रेस पार्टी डरने वाली नहीं है, आगे भी कांग्रेस पार्टी की लड़ाई इस मुद्दे को लेकर जारी रहेगी।

डिप्टी सीएम साव...

को गाली देने वाले उनके पिता जीवित होते तो आरोपी के जेल जाने पर गर्व महसूस करते। श्री साव ने कहा, हम सभी जानते हैं कि हिंदुत्व का विरोध कर और श्रीराम को दुष्ट कहकर, जातिगत गाली-गलौज कर नंदकुमार बघेल जेल जाते रहे हैं। तो भूपेश बघेल को क्या अब हिंदुत्व और श्रीराम आदि अन्याय लग रहे, अब मुखौटा उतर गया है। पहले कहते थे कि उनके पिताजी से वे सहमत नहीं हैं। अब नंद कुमार बघेल से सहमत हो गए। श्री साव ने कहा भूपेश बघेल तो इस बात पर भी गर्वित और आत्ममुग्ध हैं कि इस गिरफ्तारी के बाद उनके बेटे को पूरा देश जान गया है। एक बाप को अपने बेटे पर गर्व होता है जब वो डॉक्टर बने, इंजीनियर बने, उच्च अधिकारी बने, सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते हुए प्रसिद्धि पाए मगर किसी आर्थिक अपराध में नाम शामिल होने में कोई बाप गर्व करे तो इसे आप क्या कहेंगे।

ईडी ने बताया...

रियल एस्टेट फर्मों का इस्तेमाल किया था। इसके अलावा, चैतन्य पर शराब घोटाले के 1000 करोड़ रुपए से अधिक के पीओसी को संभालने का भी आरोप है। वह छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्कालीन कोषाध्यक्ष को पीओसी हस्तांतरित करने के लिए अनवर ढेबर और अन्य के साथ समन्वय करते थे।

कर्ज के बदले...

दीपक कोचर फिलहाल जमानत पर बाहर हैं, लेकिन उन पर मुकदमा चल रहा है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि उन्होंने धोखाधड़ी की और बैंक को नुकसान पहुंचाया। विडियोकॉन को दिया गया कर्ज बाद में डूब गया, जिससे आईसीआईसीआई बैंक को भारी नुकसान हुआ।

शराब घोटाले में...

अभी नहीं किया गया है। **कोर्ट के बाहर गहमागहमी का रहा माहौल-** कोर्ट में पेश करने के दौरान कोर्ट परिसर से लेकर कोर्ट के बाहर चैतन्य के समर्थकों, मीडिया सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं का भी जमावड़ा लगा रहा, जिसके कारण कोर्ट परिसर में सुनवाई होने तक गहमागहमी का माहौल भी रहा। हर कोई यही जानना चाहता था कि कोर्ट में सुनवाई के दौरान क्या होगा। चैतन्य को दोबारा ईडी की रिमांड पर भेजा जाएगा, जेल होगी या फिर जमानत पर रिहा होंगे जैसी चर्चा और कयास लोग लगा रहे थे।
चैतन्य पर ईडी के आरोप-
ईडी ने अपनी जांच में चैतन्य बघेल को शराब घोटाला में संलिप्त पाया है। इसके लिए चैतन्य ने घोटाले के करोड़ों रुपए पाने के लिए दूसरे लोगों एवं कई कंपनियों का इस्तेमाल किया है। इस तरह चैतन्य के पास शराब घोटाले के 16 करोड़ से अधिक के पैसे आए। ईडी की जांच में यह भी पाया गया है कि चैतन्य ने घोटाले की रकम को प्रोजेक्ट में डालकर उसे लीगल दिखाने की कोशिश की है।

32 सौ करोड़...

तक ईओडब्ल्यू के मुताबिक पूरे शराब घोटाले में करीब 61 लाख अवैध पेटी शराब बिकवाकर 2174 करोड़ रुपए की चपत लगाई गई थी, लेकिन इन अधिकारियों के खिलाफ चार्जशीट पेश की गई, तो पता चला कि यह घोटाला 2100 करोड़ नहीं, बल्कि 3200 करोड़ से अधिक का है।

चैतन्य बघेल को...

पक्ष की ओर से आपत्ति लगाई है। उन्होंने कहा कि ईडी ने कोर्ट में चैतन्य पर लगाए गए आरोपों को लेकर जो तथ्य पेश किए हैं वे सभी गलत ढंग से बताए गए हैं, जिस पर हमने आपत्ति लगाई है।

रद्द रहेगी यह...

को हटिया से 22846 हटिया-पुणे एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 27 अगस्त, को पुणे से 22845 पुणे-हटिया एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 27 अगस्त, को पूरी से 20813 पूरी-जोधपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 30 अगस्त, को जोधपुर से 20814 जोधपुर–पूरी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 23 अगस्त, को उदयपुर से 20971 उदयपुर-शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 24 अगस्त, को शालीमार से 20972 शालीमार-उदयपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 27 अगस्त, को गया से 22358 गया-कुर्ला एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 29 अगस्त, को कुर्ला से 22357 कुर्ला-गया एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 27 अगस्त, को पोरबंदर से 12905 पोरबंदर-शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 29 अगस्त, को शालीमार से 12906 शालीमार-पोरबंदर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 22 अगस्त, को वास्को-द-गामा से 17321 वास्को-द-गामा-जसीडीह एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 25 अगस्त, को जसीडीह से 17322 जसीडीह-वास्को-द-गामा एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 21 अगस्त, को हैदराबाद से 17005 हैदराबाद-रक्सोल एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 24 अगस्त, को रक्सोल से 17006 रक्सोल-हैदराबाद एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 21. 23, 25 एवं 26 अगस्त, को कुर्ला से 12101 कुर्ला–शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 25, 27 एवं 28 अगस्त, को शालीमार से रवाना होने वाली 12102 शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

40 साल पुराने...

भारी वाहन के बोझ से ब्रिज लगातार कमजोर होते जा रहा है। बावजूद इसके शहर के जिम्मेदार इसे लेकर गंभीर नहीं है। बता दें कि भारी वाहनों, माल वाहकों और यात्री बसों को धमधा, गंडई, बेमतरा, कवर्धा होकर चिल्फी होते हुए जबलपुर को जोड़ने वाला यह एक मात्र ब्रिज है। शहर विस्तार के साथ ही पटरी के दोनों तरफ आबादी तेजी से बढ़ी है। वर्तमान में पटरी के उस पार डेढ़ लाख की आबादी निवासरत है, जिसके लिए यह ब्रिज सबसे महत्वपूर्ण है। हरिभूमि की पड़ताल में खुलासा हुआ है कि इस ब्रिज को बनाने के लिए राज्य शासन ने 29 मार्च 2016 को 11.30 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी। इस ब्रिज का आधा हिस्सा रेलवे और आधा शासन के लोक निर्माण विभाग ने बनाना तय किया, लेकिन रेलवे लगातार अलग-अलग कारणों से ब्रिज के निर्माण को मंजूरी नहीं दी। वर्तमान में रेलवे ने यह कहते हुए इंकार कर दिया है कि उसके पास दुर्ग के रायपुर नाका तक जगह नहीं है, इसलिए पुराने ब्रिज के समानांतरण नया ब्रिज बनाया जाना संभव नहीं है। पुराने को तोड़कर ही उसी जगह पर नया ब्रिज बनाने का सुझाव दिया गया है। यह तकनीकी रूप से काफी दिक्कतभरा बताया गया है।

ब्रिज को तोड़कर...

नारायणपुर, भानुप्रतापपुर, दल्ली राजहरा, बालोद, गुंडरदेही होते हुए सीधे जबलपुर तक सीधे जुड़ता है। मार्ग सीधा है, लेकिन आवागमन सुगम नहीं होने की वजह से जगदलपुर से आने वाले वाहनों को रायपुर होकर कवर्धा के रास्ते इस मार्ग पर आना होता है।

फाइल इधर से...

जताई, लेकिन नए अलाइनमेंट के साथ ब्रिज को आईएमए चौक की तरफ उतारने की बात कही, जहां से फिलहाल अंडरब्रिज का रास्ता गुजरता है। इसे भी अव्यवहारिक माना गया। वर्तमान में मामला अटका हुआ है।

धनखड़ का...

शाम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अकाउंट से इसकी जानकारी साझा की गई। जगदीप धनखड़ का उप राष्ट्रपति पद से त्यागपत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वीकार किया है। इससे उप सभापति के तौर पर हरिवंश की जिम्मेदारी बढ़ गई है। जल्द ही इस संबंध में राजपत्र (गजट) अधिसूचना जारी की जाएगी। धनखड़ के इस्तीफे पर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस्तीफे का कारण वही जानते हैं या फिर सरकार को मालूम होगा। हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है। यह सरकार पर निर्भर करता है कि वह उनका इस्तीफा स्वीकार करे या नहीं।

सीएम ने कहा- सड़कों ...

निर्माण विभाग को आपसी तालमेल के साथ जिम्मेदारी साझा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा, यह समस्या शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में गंभीर है और इसके समाधान में किसी प्रकार की ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य में संचालित गोशालाओं, गोठानों, कांजी हाउस एवं काउ-कैचर जैसी व्यवस्थाओं की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने इन संस्थानों की वर्तमान उपयोगिता, क्षमता और सुधार की संभावनाओं पर भी गहन चर्चा की और सुझाव मांगे।

MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in (1st Call)

NIT NO:- 46 RAIPUR DATED : 21/07/2025

Online bids are invited for the following works up to 12/08/2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work / Description of work	Probable Amount of contract (in Lacs)
1	172376	जोन क्रमांक 04 अंतर्गत विभिन्न सामुदायिक भवन, जोन क्रमांक 04 कार्यालय, मल्टीलेवल पार्किंग, महापौर निवास, में प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था हेतु 16 सुरक्षा गार्ड प्रदाय करने का कार्य।	31.37
2	172377	नवीन मुख्यालय भवन की सुरक्षा व्यवस्था हेतु कलेक्टर दर पर प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से 09 सुरक्षा गार्ड रखे जाने का कार्य।	17.64
3	172378	स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड क्र. 44 अंतर्गत बुढ़ातालाब के चारों ओर सुरक्षा हेतु 10 सुरक्षा गार्ड प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से प्रदाय करने का कार्य।	19.12
4	172471	जोन क्रमांक 04 अंतर्गत प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से हल्का वाहन हेतु 28 वाहन चालक एवं भारी वाहन हेतु 16 वाहन चालक रखे जाने का कार्य।	94.81

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 22/07/2025, 17:30 Hours (IST) on wards.
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal. NIT Details and other documents.
Note:-
1. All eligible/ interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. *Help Desk at Toll Free No.* 18004199140 or through Email ID *helpdesk.eproc@cgswan.gov.in*

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरें को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSIONER
ZONE- 4
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

छत्तीसगढ मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर

प्रपत्र 'अ' द्वितीय निविदा-ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना (निर्माण प्रकोष्ठ)
Website - www.cgmsc.gov.in
Main portal - http://eproc.cgstate.gov.in

स. क्र.	नि.आ. सू. क्र	कार्य का नाम	राशि (रू.लाख)
1	10436	जिला जशपुर के कुनकुरी में 220 बिस्तरीय अस्पताल भवन का निर्माण कार्य।	2939.00
2	10437	जिला बीजापुर के ग्राम फरसेगढ़ में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण कार्य।	70.65
3	10438	जिला रायपुर अंतर्गत मातृत्व एवं शिशु अस्पताल कालीबाड़ी में मरीजों हेतु लिफ्ट बनाये जाने का कार्य।	19.97
4	10439	जिला सारंगढ़–बिलाईगढ़ वि.ख. बरमकेला के सकर्रा में शासकीय आयुर्वेद औषधालय भवन का निर्माण कार्य।	15.30
5	10440	जिला कांकेर वि.ख. दुर्गकोंदल के तरहुल में शासकीय आयुर्वेद औषधालय भवन का निर्माण कार्य।	15.30
6	10441	जिला सुकमा वि.ख. सुकमा के केरलापाल में शासकीय आयुर्वेद औषधालय भवन का निर्माण कार्य।	15.30
7	10442	जिला दुर्ग में New District Vaccine Store के भवन निर्माण कार्य के संबंध में।	31.42
8	10443	जिला दंतेवाड़ा वि.ख. कुआकोण्डा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र किरंदुल में 20 बिस्तर अतिरिक्त कक्ष भवन का शेष निर्माण कार्य।	26.55

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर दिनांक 29/07/2025 से देखी जा सकती है। जिसकी अंतिम तिथि दिनांक 13/08/2025 तक है। निविदा में भाग लेने हेतु अमानत राशि, निविदा प्रकिया शुल्क एवं निविदा संबंधित सभी दस्तावेज आनलाईन स्वीकार की जावेगी।

संवाद-44644 अधीक्षण अभियंता

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744225

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

Education INSTITUTIONS
कोटा स्टडी सर्कल भिलाई/रायपुर

Dhananjay 92.4% Class 10th
NEET, IIT-JEE PET/PAT
विशेषताएं
कोटा ट्रेन्ड टीचर्स
हिन्दी तथा अंग्रेजी माध्यम के पृथक-पृथक बैचेस
गर्ल्स एवं बॉयस के लिए अलग हॉस्टल
रायपुर कोटा सेंटर भाटिया कॉम्पलेक्स, जी.ई. रोड रायपुर (छ.ग.) 9301547784
भिलाई कोटा सेंटर बिल्डिंग नं. 150 न्यू सिविक सेंटर, भिलाई 9098534927

आवश्यकता है

आवश्यकता है- (Boys) सेल्समैन, पैकिंग हेल्पर, ऑफिस बॉय की आवश्यकता है (समय सुबह 9.30 से शाम 7.30) सैलरी 8000 से 12000 पता- Farmers Pride मेन रोड नेचर सिटी गेट उसलापुर 9179294949, 7389938419 (616)

आवश्यकता है-दवाई दुकान में काम करने हेतु लड़के और लड़कियां कार्य पिकर, चेकर, लोकल डिलीवरी, पैकर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, होटल अजीत के पीछे मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (38289)

आवश्यकता है-जैसवाल नेको इस्पात पावर प्लांट सिलतरा रायपुर हेतु 5वीं पास शिक्षित अशिक्षित गैंगमैन लड़के, वेतन 18000 रहना फ्री ST, SC, OBC को वरीयता, लोकल बिलासपुर गार्ड वेतन 10000 से 14000 पता- एक्समैन सिक्युरिटी सर्विस हेमू नगर 9754713125, 9827618359, 6263900911, 9755667206 (38287)

आवश्यकता है- आफिस में कार्य करने हेतु शिक्षित अनुशासित स्मार्ट युवक, युवती की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गुलाब नगर, सीपत रोड बिलासपुर 8319724919, 8319734999 (38294)

आवश्यकता है- आईटीसी उत्पादों की सामान की बिक्री हेतु सेल्समेन एवं सुपरवाइजर की आवश्यकता है संपर्क करें सर्वमंगला एजेंसी महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर मो. 9752394144, 9827976705 (38295)

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार हॉटल शिवनेरी सीएमडी कॉलेज ग्राउंड के सामने लिंक रोड बिलासपुर 7776864202 (38293)

आवश्यकता है-आफिस कार्य (हिन्दी टाइपिंग अनिवार्य) पेमेंट कलेक्शन एवं मार्केटिंग हेतु युवक की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-गगन फ्लैक्स, 27खोली चौक बिलासपुर 9039968650, 9425535104 (38285)

आवश्यकता है-रिसेप्शनिस्ट कैशियर, कैप्टन, जेंट्स वेटर कुक एवं हाउस कीपिंग, डिश वाशिंग, गार्ड की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- होटल सेन्ट्रल पाइंट बिलासपुर 9993424004 (38290)

आवश्यकता है-फुल टाइम एकाउंटेंट की। जिसे Tally Prime में काम करना आता हो einvoice, eway bill बनाना आता हो सम्पर्क करें- अविनाश मोदी पी-2, संजय अपार्टमेन्ट व्यापार विहार रोड बिलासपुर 9179991222 (38288)

आवश्यकता है-क्लॉथ शोरूम में कार्य करने हेतु अनुभवी एवं मेहनती लड़के और लड़की की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- 9827104451 (38250)

आवश्यकता है- Ambition Marketing में सेल्स एक्जीक्यूटिव- 3, लीडर- 2, ट्रेनर- 2 लड़के, लड़कियों की। वेतन 10000 से 15000 पता- शॉप नं. FS-16, प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790, 7806007192 (3175)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर आपरेटर, ऑफिस कार्य, इलेक्ट्रीशियन, गार्ड, कटर, फिटर, सुपरवाइजर, वेल्डर, चपरासी, स्टोर कीपर, पावर प्लांट हेतु। न्यूनतम योग्यता 5वीं वेतन 10000 से 30000 मेडिकल, रहना फ्री सम्पर्क सीपत बिलासपुर 7772950319 (38273)

आवश्यकता है-अमेया वेन्चर्स में निर्माण कार्य कराने हेतु 5वर्ष अनुभुवी साइट सुपरवाइजर की आवश्यकता है अनुभवी की योग्यता अनुसार प्राथमिकता बायोडाटा सहित सम्पर्क करे- नेशनल मेडिकोज बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7987972716 (38278)

आवश्यकता है-डाटा एंट्री एवं एकांउटिंग कार्य हेतु लड़की/ लड़के एवं मार्केटिंग कार्य हेतु लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सूरज इंटरप्राइजेस C-21,22, नेताजी काम्पलेक्स, जरहाभाठा बिलासपुर 9301586381, 9827181236 (38283)

आवश्यकता है-बुकिंग में कार एवं इनोवा चलाने हेतु 5वर्ष अनुभवी ड्राइवर (वेतन 12000+ 100 भत्ता+ 100 नाईट) एवं यार्ड में सफाई हेतु कुली, चपरासी/ बाई चाहिए। (समय सुबह 9 से शाम 7बजे) पता- सक्षम ट्रैवल्स बिलासपुर 6264125145, 9827192189 (38146)

आवश्यकता है-बिलासपुर में एक मार्केटिंग मैनेजर एवं दो फील्ड स्टाफ की आवश्यकता है जो डोर टू डोर पाम्पलेटिंग एवं वर्कर डाटा कलेक्शन कर सके इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9109511248, 9244664654 (38275)

आवश्यकता है-यश सुपर बाजार में कार्य हेतु कम्प्यूटर आपरेटर लड़कियों, लड़कों की आवश्यकता है पता- रिंग रोड नं.-2, महाराणा प्रताप चौक, भारतीय नगर चौक, व्यापार विहार रोड बिलासपुर 9981063081 (38284)

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षागार्ड वेतन 14000 सुपरवाइजर वेतन 16000 फील्ड ऑफिसर वेतन 15000 आवास फ्री PF+ ESIC सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक, सिलतरा रायपुर, छ.ग. 7747000019, 7746000016, 7747000016, 7746000019 (074)

आवश्यकता है- बम्पर भर्ती Ordeal कम्पनी में 60 लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है आय 8500 से 22000 रहना खाना फ्री परमानेंट जॉब सम्पर्क करें- उस्लापुर ओव्हर के पास दीपसागर नगर बिलासपुर 8003402269 (1471)

आवश्यकता है-अर्जेंट भर्ती वन सुरक्षा को जिला अनुसार लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है पद संख्या-655 वन रक्षक फील्ड ऑफिसर माली वन सिपाही सैलरी 27500+ 54500 पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना+ खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधार कार्ड मार्क शीट फोटो व्हाट्स एप करे- धीरेंद्र कुमार 8957118102 (1048)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Reliance jio 5G कम्पनी में घर बैठे पार्ट/ फुल टाईम SMS जॉब करके लड़के, लड़कियां, गृहणियां कमाएं 15000 से 45000 महिना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त Call/ Whats App/ SMS करें- 8102033345 (1049)

आवश्यकता है-सिक्योरिटी एजेंसी में काम करने हेतु इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें मिनिमम 10वीं पास अनुभवी आदमी को वरीयता दी जाएगी जो लिखापढ़ी का काम कर सके आकर्षक वेतन तुरंत सम्पर्क करें-9981630084, 9425534940 (187)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18 से 28वर्ष वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15000 से 20000 प्रतिमाह रहना फ्री सम्पर्क करें- 7796880121, 8889257623 (165)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है उम्र 18 से 25 जो बाहर रहकर कार्य करे, रहना फ्री, सैलरी 10000+ कमीशन+ बोनस सम्पर्क करें- मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 8817252877 (191)

कृषि उपकरण

कृषि उपकरण-सबसे कम दामों में ट्राली, टेंकर, हाइड्रोलिक ट्राली मल्टीक्रॉप थ्रेसर, कल्टीवेटर, केजव्हील, कोपर, दतारी, लेबलर सभी कृषि उपकरण, रिपेयरिंग, पेन्टिग एक्सचेन्ज हेतु सुविधा- किसान एग्रो गतौरी रतनपुर रोड 9827683510, 9827892413 (38268)

वॉटर प्रूफिंग

वॉटर प्रूफिंग- अपने प्लॉट पर कंस्ट्रक्शन एवं घर में सीपेज और लीकेज, वॉटर प्रूफिंग तथा रिपेयरिंग कार्य के लिए सम्पर्क करे-6267143650 (38269)

बेचना है

बेचना है-अल्का एवेन्यू कालोनी के अन्दर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में ग्राऊण्ड फ्लोर की 10'-10×19'=208 वर्गफुट की दुकान बेचना है सम्पर्क करें- 7999826873, 6265074633 (38279)

बेचना है-सरकण्डा सीपत रोड से 150मी. पर प्राइम लोकेशन में 34×51 का प्लॉट एवं मोपका मारुति शोरूम से 200मी. पर 2400 वर्गफुट रेसिडेंशियल प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 7999067371, 7801018190 (38260)

बेचना है-अच्छी कंडीशन में दुकान/ ऑफिस हेतु 11×14= 154 वर्गफुट शहर के अन्दर कम रेट में तारबाहर चौक के पास गैस एजेंसी के बगल में बेचना है सम्पर्क करें- 9826879131, 7697128760 (38274)

बेचना है-प्राइम प्रॉपर्टीज अटल यूनिवर्सिटी, सैनिक आधारशिला स्कूल, सरस्वती महाविद्यालय के सामने 30डिस. 13080 वर्गफिट, नेशनल हाईवे रोड पर निरतु कोनी बिलासपुर में 28डिस. 12208 वर्गफिट एवं 57डिस. 24852 वर्गफिट का शानदार प्लाट शोरूम, हॉटल, हॉस्टल, हॉस्पिटल एवं इन्वेस्टमेंट हेतु सम्पर्क करें-9300878897, 9406441535 (189)

बेचना है-रायपुर बिलासपुर नेशनल हाईवे में सरगांव पथरिया मोड़, चौक में व्यावसायिक दुकान 12×40 एवं 24×40 बेचना है सम्पर्क करें-8120870627 (38291)

बेचना है-खमतराई अशोक नगर प्रत्यक्षा विहार में डबल रोड से लगा डायवर्टेड 2200 वर्गफीट फ्रन्ट का प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 9589848485, 9300482612 (38272)

किराया

किराया-शांति नगर स्थित शिव मंदिर के बाजू में 2BHK सर्वसुविधायुक्त मकान किराए से देना है शासकीय कर्मचारी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9893120008, 9039026972 (38282)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/ Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sqcm
Bhilai+Durg Edition	440	560	520	150/- Sqcm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sqcm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sqcm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sqcm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sqcm
All CG+MP	1280	1750	1600	330/- Sqcm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sqcm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
COLOUR 20% Extra Charge For Disply
SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.
ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	3000	2+1 5+3 10+10 15+18
Bhilai + Durg Edition	2800	
Raipur Edition	4400	
Bilaspur City	2500	
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500/- 1 Sunday	800/- 1 Sunday
900/- 2 Sunday	1200/- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

टेस्ट क्रिकेट में इन बल्लेबाजों ने पहली बार में ही ठोक डाले तिहरे और दोहरे शतक

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाना किसी भी बल्लेबाज के लिए बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जाता है। यही कारण है कि अब तक विश्व क्रिकेट में गिनती के ही बल्लेबाजों ने ये मुकाम हासिल किया है। हालांकि, इनमें से कुछ ऐसे प्रतिभाशाली बल्लेबाज भी हुए हैं, जिन्होंने अपनी पहली ही शतकीय पारी को तिहरे शतक में तब्दील किया है। वहीं भारतीय खिलाड़ियों में दिलीप सरदेसाई, विनोद कांबली और मयंक अग्रवाल दोहरे शतक ठोक चुके हैं।

गैरी सोबर्स

(365* रन बनाम पाकिस्तान, 1958)

वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर गैरी सोबर्स ने 1958 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट में अपना पहला शतक लगाया था। किंग्स्टन में खेले गए उस मैच में सोबर्स ने अपनी पहली पारी में नाबाद 365 रन बनाए थे और उनकी बदौलत कैरेबियाई टीम ने अपनी पहली पारी 790/3 के विशाल स्कोर पर घोषित की थी। आखिर में वेस्टइंडीज ने वो टेस्ट पारी और 174 रन से जीता था। सोबर्स ने अपने टेस्ट करियर में कुल 26 शतक लगाए थे।

करुण नायर

(303* रन बनाम इंग्लैंड, 2016)

भारतीय टीम के करुण नायर ने 2016 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में अपने पहले ही शतक को तिहरे शतक में तब्दील किया था। उन्होंने 381 गेंदों में नाबाद 303 रन बनाए थे। अपनी इस जोरदार पारी में उन्होंने 32 चौके और 4 छक्के लगाए थे। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी को 759/7 के स्कोर पर घोषित किया था। आखिरकार भारत ने वो मैच पारी और 75 रन से जीता था।

बॉब सिंपसन (311 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, 1964)

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बॉब सिंपसन ने 1964 में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ खेले गए टेस्ट में अपना पहला शतक लगाया और अपनी पारी को तिहरे शतक में तब्दील किया था। ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में पारी की शुरुआत करते हुए उन्होंने 743 गेंदों का सामना करते हुए 311 रन बनाए थे। उनकी बदौलत इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी 656/8 के स्कोर पर घोषित की थी। हालांकि, ये मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ था।

इन भारतीय बल्लेबाजों ने लगाए दोहरे शतक

भारत की ओर से दिलीप सरदेसाई (बनाम न्यूजीलैंड, 1965), विनोद कांबली (बनाम इंग्लैंड, 1993), और मयंक अग्रवाल (बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2019) ही ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने अपने पहले शतक को दोहरे शतक में तब्दील किया था।

खबर संक्षेप

झेंग सर्जरी के कारण अमेरिकी ओपन से हटीं

न्यूयॉर्क। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने कोहनी की चोट के कारण वर्ष के अंतिम ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट अमेरिकी ओपन से नाम वापस ले लिया है। अमेरिकी ओपन में उनकी जगह फ्रांस की लेओलिया जीनजीन को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। चीन की 22 वर्षीय खिलाड़ी झेंग ने दो दिन पहले घोषणा की थी कि उनकी दाहिनी कोहनी में दर्द के कारण उन्हें लग रहा था कि उन्हें ठीक होने में महीनों लगेंगे, इसलिए यह सुनिश्चित हो गया था कि वह 24 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन में भाग नहीं ले पाएगी। बता दें कि झेंग की कोहनी की आर्थोस्कोपिक सर्जरी हुई है।

कार्लोस अल्काराज भी टोरंटो मास्टर्स से हटे

टोरंटो। दुनिया के दूसरे नंबर से खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने टोरंटो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है जिससे अमेरिकी ओपन से पहले होने वाली इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता की चमक और फीकी पड़ गई है। इससे एक दिन पहले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और पांचवें नंबर के खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने अगले सप्ताह शुरू होने वाली इस हार्ड कोर्ट प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया था।

चौथा टेस्ट आज से, एक भी टेस्ट इस मैदान में नहीं जीत सकी है भारतीय टीम

अग्निपरीक्षा : ओल्ड ट्रैफर्ड में गिल ब्रिगेड उतरेगी जीत का इतिहास रचने, इंग्लैंड सीरीज जीतने लगाएगी दमखम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंग्लैंड क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच सीरीज का चौथा टेस्ट आज 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। शुभमन गिल की कप्तानी वाली मेहमान टीम हर हाल में इस मुकाबले को जीतकर सीरीज में बराबरी करने का प्रयास करेगी वहीं ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में टेस्ट जीतकर इतिहास रचेगी। वहीं इंग्लैंड की टीम इस मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा जमाने की पुरजोर कोशिश करेगी। भारत के लिए यही टेस्ट मैच अहम है क्योंकि इसी मैच में सीरीज का फैसला होना है। वर्तमान में भारतीय टीम 2-1 से पीछे चल रही है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम का प्रभावशाली प्रदर्शन रहा है और ऐसे में टीम आत्मविश्वास से लबरेज होगी लेकिन टीम को कैसे भी करके यह मुकाबला जीतना है ताकि बराबरी हो सके और अंतिम टेस्ट मैच रोचक हो।

मैच में पड़ सकता है बारिश का खलल

मैनचेस्टर टेस्ट में बारिश का खलल देखने को मिल सकता है। मैच के पहले और 5वें दिन बारिश की सबसे ज्यादा संभावना है। इन 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस के रहने के उम्मीद है। इस बीच 26 जुलाई को भी बारिश की संभावना है।

भारत के खिलाफ इंग्लैंड ने जीते हैं ज्यादा मैच

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 1932 में खेला गया था। दोनों टीमों के बीच अब तक 139 मुकाबले खेले गए हैं। 36 मुकाबलों में भारतीय टीम को जीत और 53 में हार मिली है। 50 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। इंग्लैंड की धरती पर दोनों टीमों ने 70 मैच खेले गए हैं। 10 मैच में भारतीय टीम को जीत मिली है और 38 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है। 22 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं।

भारत ने नहीं जीता इस मैदान में एक भी टेस्ट

भारत ने इस मैदान पर अब तक 1 भी टेस्ट नहीं जीता है और शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इस बार जीत के साथ नया इतिहास लिखने की कोशिश करेगी। इंग्लैंड ने यहां अब तक 84 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान टीम को 33 मैच में जीत मिली है। इंग्लैंड को सिर्फ 15 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। उसने यहां 36 मुकाबले ड्रॉ खेले हैं। भारत ने इस मैदान पर 9 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से 4 मैच में उसे हार मिली है। इसके अलावा 5 मैच ड्रा रहे हैं। भारत का इस मैदान पर सर्वोच्च स्कोर 432 रन रहा है।

तेज गेंदबाजों के लिए मददगार है पिच

ऐतिहासिक रूप से ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच पर खतरनाक उछाल देखने को मिलता रहा है। यह पिच पारंपरिक रूप से तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती थी। हालांकि, पिछले कुछ समय में यहां की पिच पर बल्लेबाजों के लिए आसानी हुई है। हाउस्टेट के मुताबिक, यहां पहली पारी का औसत स्कोर 324 रन है। इस मैदान पर हासिल किया गया सर्वोच्च लक्ष्य 294 रन है, जो इंग्लैंड ने 2008 में न्यूजीलैंड के खिलाफ किया था।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टी-20 में हराया, सीरीज में 2-0 से बनाई अजेय बढ़त

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने दूसरे टी-20 मैच में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 8 रन से हराते हुए सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की। शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जाकेर अली के अर्धशतक (55) की मदद से सभी विकेट खोकर 133 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने निराश किया और टीम 125 रन पर सिमट गई।

इस तरह से जीती बांग्लादेशी टीम

बांग्लादेश ने 28 रन के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा दिए। मुश्किल घड़ी में जाकेर और मेहदी हसन (33) ने 5वें विकेट के लिए 53 रन जोड़े। जाकेर ने अर्धशतक पूरा करते हुए टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। पाकिस्तान से सलमान मिर्जा, अहमद दानियाल और अब्बास अफरीदी ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में पाकिस्तान ने 15 रन तक 5 विकेट खो दिए। इसके बाद फहीम अशरफ (51) ने संघर्ष किया, लेकिन जीत नहीं दिला सके।

जाकेर अली ने अपना तीसरा अर्धशतक लगाया

जब बांग्लादेश ने 25 रन के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट खोया, तब जाकेर अली क्रीज पर आए। उन्होंने बल्लेबाजी के लिए कठिन नजर आ रही पिच पर धैर्य दिखाया और अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 48 गेंदों में 1 चौके और 5 छक्कों की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए। उनके नाम अब 32 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 28.5 की औसत के साथ 570 रन हो गए हैं।

फहीम अशरफ ने खेली संघर्षपूर्ण पारी

पाकिस्तान ने जब 30 रन के स्कोर पर अपना छठा विकेट खोया, तब अशरफ क्रीज पर आए। उन्होंने तेजी से रन बटोरते हुए 31 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला अर्धशतक रहा। अच्छी बल्लेबाजी कर रहे अशरफ 32 गेंदों में 51 रन बनाकर नौवें विकेट के रूप में आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 4 चौके और इतने ही छक्के लगाए।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ जीती सीरीज

बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरी टी-20 सीरीज जीती है। इससे पहले बांग्लादेश ने 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ 1-0 से सीरीज जीती थी। हालांकि, तब पाकिस्तान ने बांग्लादेश दौरे पर सिर्फ 1 ही मैच खेला था। दोनों देशों की भिड़ंत की बात करें तो पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 5 टी-20 सीरीज (1 मैच भी शामिल) में हराया हुआ है। इसी साल मई में हुई टी-20 सीरीज में पाकिस्तान ने क्लीन स्वीप (3-0) किया था।

फखर सर्वाधिक कैच पकड़ने वाले पाकिस्तानी फील्डर बने : फखर जमान ने मैच में 1 कैच पकड़ा। वह अब टी-20 अंतरराष्ट्रीय में पाकिस्तान से सर्वाधिक कैच पकड़ने वाले फील्डर (विकेटकीपर को छोड़कर) बने हैं।

न्यायालय नायब तहसीलदार पचपेड़ी
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

नोटिस

क्रमांक वा./ना.तह./2025
पचपेड़ी दिनांक 30/6/2025

1-अनिश विश्नोई पिता कमलेश विश्नोई ग्राम कोकडी हाल मुकाम बलौदाबाजार तहसील व जिला बलौदाबाजार (छ.ग.)... आवेदक
सुखमणि बाई पति मंशाराम केंवट ग्राम कोकडी तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.).... अनावेदक

विषय : प्रकरण में उपस्थिति बाबत।

विषयांतर्गत इस न्यायालय के रा.प्र.क्र.-202506076900012 /अ6 अ/2024-2025 पक्षकार अनिश विश्नोई पिता कमलेश विश्नोई ग्राम कोकडी हाल मुकाम बलौदाबाजार तहसील व जिला बलौदाबाजार (छ.ग.) बनामा-सुखमणि बाई पति मंशाराम केंवट ग्राम कोकडी तहसील व जिला-बिलासपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम कोकडी प.ह.नं. 12, तहसील पचपेड़ी जिला-बिलासपुर में स्थित भूमि ख.नं. 142 रकबा 0.87 एकड़ को राजस्व अभिलेख में त्रुटि सुधार किये जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, उक्त प्रकरण में दिनांक 23.7.2025 को आप आप आपकी उपस्थिति हेतु नियत की गई है। अत: दिनांक 23.7.2025 को तहसील पचपेड़ी में समय 11.00 बजे उपस्थित होंवे, एवं अपना पक्ष रखें अनुपस्थिति की दशा में आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

यह सूचना पत्र आज दिनांक 30.6.2025 को न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
पचपेड़ी, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

*** मैनचेस्टर।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपनी जिद पर अड़े रहना भारी पड़ सकता है। उसने बीसीसीआई के खिलाफ जाने का फैसला किया है और उसकी बार-बार की जा रही एक अपील को मान नहीं रहा।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान रहेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। तरक्की के योग हैं।

वृष — मन थोड़ा परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। कारोबारी कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — वाणी में मधुरता रहेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

सिंह — आत्मविश्वास भी बहुत रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मीठे खानपान में रुचि बढ़ेगी। खर्च बढ़ेंगे। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

कन्या — किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती हैं।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार में सुधार होगा। कारोबार के विस्तार के लिए पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता के योग हैं।

वृश्चिक — किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार से लाभ के अवसर भी मिल सकते हैं। यात्रा के सुखद परिणाम मिलेंगे।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे, परन्तु मन अशान्त भी हो सकता है। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।

मकर — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंता परेशान करेंगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे, परन्तु आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। खर्च अधिक रहेगा। मित्रों से भेंट होगी।

विभिन्न देशों की शीर्ष टीमें लेती हैं हिस्सा

चैंपियंस लीग में सीएसके सहित इन टीमों ने जीते हैं खिताब

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

अगले साल सितंबर से पुरुषों की टी-20 चैंपियंस लीग फिर से शुरू होगी। यह टूर्नामेंट लगभग 1 दशक बाद वापसी के लिए तैयार है। बता दें कि आखिरी बार 2014 में यह लीग खेली गई थी, जिसमें विभिन्न देशों की शीर्ष टीमें हिस्सा लेती हैं। भारत की चेन्नई सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इसका खिताब जीत चुकी हैं। इस बीच चैंपियंस टी-20 लीग के उन संस्करणों के बारे में जानते हैं, जिनमें भारतीय टीमें विजेता बनीं थीं।

चेन्नई सुपरकिंग्स (2010)

चेन्नई सुपर किंग्स ने चैंपियंस लीग के दूसरे संस्करण का खिताब अपने नाम किया था। जोहान्सबर्ग में खेले गए फाइनल में **CSK** ने दक्षिण अफ्रीका की वारियर्स टीम को 8 विकेट से हराया था। खिताबी मुकाबले में वारियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के बाद 128/7 का स्कोर बनाया था। जवाब में **CSK** ने मुरली विजय की 58 रन की पारी की मदद से 6 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल किया था।

मुंबई इंडियंस (2011)

चैंपियंस लीग के तीसरे संस्करण का खिताब **MI** ने जीता था। दिलचस्प रूप से 2011 में फाइनल मैच 2 भारतीय टीमों के बीच खेला गया था।

मुंबई इंडियंस (2013)

सन 2013 में एक बार फिर एमआई ने इस खिताब को जीतने में सफलता हासिल की थी। चैंपियंस लीग के इतिहास में एमआई की टीम 1 से अधिक खिताब जीतने वाली पहली टीम बनी थी।

THROUGH HUMANITY TO PEACE
INDIAN REDCROSS SOCIETY CHHATTISGARH STATE BRANCH, RAIPUR
(Constituted Under Act XV Of 1920)
Red Cross Bhavan, First Floor, Collectorate Premises, Raipur (C.G.) 492001
Phone: 0771-2435400 website- cgredcross.org email- ircschhattisgarh@gmail.com

//निविदा आमंत्रण (Tender Notice)//

विज्ञापन संख्या : 1002 दिनांक : 22/07/2025

हेल्थ एटीएम मशीन खरीदने हेतु निविदा आमंत्रण

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी छ.ग. राज्य शाखा, रायपुर को 05 नग **"हेल्थ एटीएम मशीन"** क्रय किया जाना है। **"हेल्थ एटीएम मशीन"** उपकरण क्रय कार्य हेतु राज्य/ राष्ट्रीय स्तर के निर्माताओं तथा उनके अधिकृत विक्रेताओं से सीलबंद निविदा आमंत्रित हैं। निविदा प्रपत्र हेतु **सचिव इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी राज्य शाखा, रायपुर के नाम पर राशि 2000/- रु. मात्र** का तैयार डिमाण्ड ड्राफ्ट अदा कर निविदा प्रपत्र **कार्यालय इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, छ.ग. राज्य शाखा, रेडक्रॉस भवन, कलेक्टोरेट परिसर, रायपुर** से कार्यालयीन समय पर प्राप्त कर सकते है।

निविदा दस्तावेज प्राप्त करने की अंतिम तिथि : 18/08/2025
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : 22/08/2025
निविदा खोलने की तिथि : 27/08/2025

निविदा खोलने की तिथि एवं समय में आकस्मिक कारणों से परिवर्तन किया जा सकता है, जिसकी सूचना कार्यालय के सूचना पटल में चस्पा कर दी जायेगी।

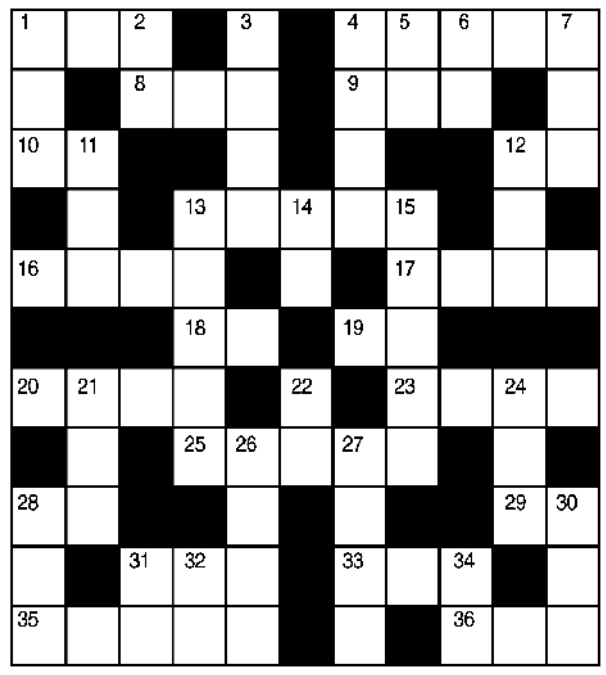

सेक्रेटरी,
इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा रायपुर
मो. 9425504447

शब्द पहेली - 5936

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 5935 का हल

सूडोकु नवताल - 5946

★★★★☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5945 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

Blend of 8 Effective Ayurvedic Oils

NO. 1 BRAND INDIA 2015

WORLD'S GREATEST BRANDS 2015-16 IUA

Dr. Juneja's
डा.ऑर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

ज्योतिष्मती तेल
रक्त संचारण में सुधार कर जोड़ों के लचीलेपन को बढ़ाने में सहायक है।

निर्गुण्डी तेल
नसों के दर्द और जोड़ों की ऐंठन में फायदेमंद है।

पुदीना तेल
इसके ठंडक देने वाले गुण दर्द एवं सूजन को शांत करते है।

तिल तेल
मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द एवं सूजन के लिए लाभकारी।

गन्धपुरा तेल
जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में अकड़न और गठिया में सहायक।

चीड़ तेल
मांसपेशियों व सम्पूर्ण जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक।

कपूर तेल
जोड़ों में अकड़न एवं दर्द कम करने में उपयोगी।

अलसी तेल
जोड़ों और मांसपेशियों में सूजन कम करने में सहायक है।

UIN-A02-AY-PB-2025

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में सहायता करता है। आयुर्वेदिक तेलों का यह मिश्रण उपयोग करने में सुरक्षित है। इसे खुले जख्मों पर न लगाएं।

मिलते जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान

Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
• 24x7 Helpline: 7876977777
• www.drorthooil.com

आलू-प्याज से लेकर रोटी तक...इस एक वजह से महंगी हो रही थाली

लंदन। जलवायु परिवर्तन देखते-देखते हमारी थाली और जेब तक पहुंचने लगा है। शोधकर्ताओं ने बताया कि क्लाइमेट चेंज के कारण कहीं रिकॉर्ड तोड़ बारिश हो रही है तो कहीं बाढ़ तो वहीं कुछ जगहें भीषण सूखा या अकाल का सामना कर रही हैं। इसका सबसे बड़ा असर खेती पर पड़ रहा है।

खेती कैसे हो रही है प्रभावित : जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा असर दुनिया भर में होने वाली खेती पर काफी बुरे तरीके से पड़ रहा है। खेती कम होने के कारण अनाज, फल और सब्जियों के दाम को बढ़ाया जा रहा है। अगर इसी तरह से मौसम बिगड़ता रहा तो आने वाले समय में गरीब देश कुपोषण, राजनीतिक समस्या और समाज में अशांति की समस्या से जूझ रहे होंगे।

किन-किन चीजों के दाम में आया उछाल?

ब्रिटेन की एनर्जी एंड क्लाइमेट इंटेलीजेंस यूनिट, यूरोपीय सेंट्रल बैंक, फूड फाउंडेशन और पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इमपैक्ट के संयुक्त अध्ययन में 2022 और 2024 के बीच 18 देशों के मौसम का डाटा लिया गया, जिसमें पाया गया कि खाने वाली चीजों के दाम में बढ़ोतरी का कनेक्शन गर्मी, सूखा और बारिश से था। शोध से पता चला कि बीते साल ब्रिटेन में आलू, साउथ कोरिया में पत्तागोभी और घाना में कोको के दाम में तेजी से उछाल आया। इनकी वजह असामान्य मौसम था।

आलू-प्याज पर भी खतरा?

इसी शोध में ये भी पाया गया कि साल 2022 के मुकाबले भारत में जून 2024 तक प्याज और आलू के दाम 89 फीसदी तक बढ़े थे। यहीं हाल बाकी देशों का भी है। बता दें कि मोजाम्बिक में जब ब्रेड की कीमत बढ़ी थी तो लोग सड़कों पर उतर आए थे। शोधकर्ता मैक्सिमिलियन कोट्ज ने कहा कि, जब खाने की चीजें महंगी होती हैं तो गरीबों को कम पोषण मिलता है, जिसका असर स्वास्थ्य पर पड़ता है।

आलू-प्याज के दाम में 89% तक बढ़े

जलवायु परिवर्तन से खेती प्रभावित हो रही है। जिससे फसलों की कमी हो रही है और दाम बढ़ रहे हैं। ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, घाना और भारत जैसे देशों में आलू, प्याज और ब्रेड के दाम में भारी बढ़ोतरी हुई है। शोध की मानें तो भारत में 2022 से लेकर 2024 तक आलू-प्याज के दाम में 89% तक बढ़े हैं।

खेती करने में क्या आ रही है मुश्किल?

जलवायु परिवर्तन ने खेती को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। लंबे समय तक सूखा पड़ने से फसलें बर्बाद हो जाती हैं। तेज बहाव के साथ आने वाली बाढ़ ऊपजाऊ मिट्टी को अपने साथ बहा ले जाती है। इसके बाद उस जगह पर सिर्फ ऐसी जमीन रह जाती है, जिस पर खेती करना बहुत मुश्किल काम हो जाता है। इसके बाद अनाज की कमी और मंहगाई की वजह से परिवारों को बुनियादी पोषण का खर्च उठाना भी मुश्किल हो जाता है।

रोचक खबरें

ट्रेन में किन्नर के गले लग गया बच्चा, नजारा देख भावुक हुए लोग

नई दिल्ली। हमारे समाज में किन्नरों को आज भी हेय दृष्टि से देखा जाता है।

इस वजह से उनका जीवन काफी संघर्षों से गुजरता है। हालांकि, बहुत से ऐसे भी लोग हैं, जिनकी सोच किन्नरों के प्रति बदल रही है। माता-पिता अपने बच्चों को उनके प्रति जागरूक, संवेदनशील और प्रेम भाव रखने की सीख दे रहे हैं। हाल ही में एक बच्चे ने किन्नर के प्रति अपने प्यार को दर्शाते हुए एक अच्छी मिसाल पेश की। उसकी हरकत को देखकर लोग बोलने लगे कि उसकी मां ने उसे अच्छी परवरिश दी है। अब उस बच्चे का वीडियो वायरल हो रहा है। इंस्टाग्राम यूजर पूजा रेखा शर्मा एक कंटेंट क्रिएटर हैं जिनके अकाउंट पर 1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वो अक्सर मुंबई लोकल में यात्रा करते दिख जाती हैं। पूजा एक ट्रांसजेंडर हैं और ट्रांसजेंडरों के हक के लिए बातें करती हैं। वो आम लोगों में ट्रांसजेंडरों के लिए पनप रही बुरी सोच को बदलने की कोशिश कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो एक बच्चे को प्यार करते, उसे गले लगाते नजर आ रही हैं। इस वीडियो में पूजा मुंबई लोकल में यात्रा कर रही हैं। तभी एक छोटा लड़का उनके पास आता है और उन्हें गले लगा लेता है। उसके प्यार को देखकर पूजा भावुक हो जाती हैं और उसे प्यार करने लगती हैं, उसे आशीर्वाद देती हैं। ये नजारा देखकर पीछे मौजूद औरतें मुस्कुराने लगती हैं। पूजा उस बच्चे की मां की ओर भी देखती हैं और उनका एक्सप्रेशन बता रहा है कि वो बहुत खुश और भावुक नजर आ रही हैं। इस वीडियो को 1 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

जॉब इंटरव्यू देने गई महिला, कपड़े देखकर बॉस ने किया रिजेक्ट

न्यूयार्क। जब कोई नौकरी के लिए इंटरव्यू देने जाता है तो उसे अपने कपड़ों की बहुत चिंता होती है। क्या पहनना चाहिए और क्या नहीं, इसका हमेशा ख्याल आता है। लोग अपनी तरफ से बेस्ट ही पहनकर जाते हैं, मगर उसके बावजूद भी अगर वो कपड़ों की वजह से रिजेक्ट हो जाएं तो दुख होता है। ऐसा ही एक महिला के साथ भी हुआ जो जॉब इंटरव्यू के लिए गई थी। उसकी ड्रेस साधारण सी लग रही थी, मगर इंटरव्यू लेने वाले व्यक्ति ने उसे कपड़ों की वजह से रिजेक्ट कर दिया। एक महिला ने सोशल मीडिया पर यह आरोप लगाया है कि उसे नौकरी के इंटरव्यू के दौरान सिर्फ उसके पहनावे के कारण रिजेक्ट कर दिया गया। उसने बताया कि इंटरव्यू लेने वाले मैनेजर ने उसके कपड़ों को 'अनुपयुक्त' बताया, जिससे वह हैरान और आहत हो गई। इस मामले ने इंटरनेट पर खूब सुर्खियां बटोरी हैं और लोग इस पर दो मत व्यक्त कर रहे हैं- कुछ लोग युवती के कपड़ों को पूरी तरह उपयुक्त मानते हैं, जबकि कुछ को लगता है कि इंटरव्यू के लिए पहनावा थोड़ा और प्रोफेशनल होना चाहिए था। वीडियो में युवती काले ट्राउजर और एक साधारण न्यूट्रल राउंडनेक टॉप पहने नजर आ रही है। उसका लुक स्मार्ट-कैजुअल है, न बहुत औपचारिक, न बहुत आरामदायक। कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि यह पहनावा रोज़ ऑफिस के लिए तो ठीक है, लेकिन इंटरव्यू के लिए थोड़ा और फॉर्मल होना चाहिए था। एक यूज़र ने लिखा- ये लुक ऑफिस के लिए ठीक है, लेकिन इंटरव्यू के लिए थोड़ा फॉर्मल होना चाहिए था, जैसे बटन वाली शर्ट और ब्लेज़र।

रेडिएशन इतना कि जिंदा रहना मुश्किल

रेडिएशन से भूतिया है वो शहर अब पता चला कोई ले रहा सांस

40 साल से वो शहर ही नहीं, आसपास का इलाका भी वीरान पड़ा है। न कोई वहां जाता है, न जाने की हिम्मत जुटा पाता है। परमाणु दुर्घटना के चलते वहां रेडिएशन इतना ज्यादा बढ़ गया कि जिंदा रहना मुश्किल है। अब वैज्ञानिकों को पता चला है कि कोई जीव वहां 'सांस' ले रहा है।

न्यूयार्क। पहले तो यह जान लीजिए कि वो जगह यूक्रेन का चेर्नोबिल है। आपको यह भी पता है कि 1986 में अचानक रिएक्टर में विस्फोट होने से रेडियोएक्टिव पदार्थ हवा में फैल गया था। आगे जो हुआ, वो एक डरावना इतिहास है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक चेर्नोबिल रिएक्टर नंबर 4 पर एक ऐसे जीव के होने का पता चला है जो रेडियोएक्टिव वातावरण में पनपता है। यह एक ब्लैक फंगस है। इसने विकिरण से लड़ते हुए खुद को जिंदा रखा है। इससे उम्मीद बंधी है कि वह चेर्नोबिल को क्लीन कर रहा है।

भीषण रेडिएशन का वो इलाका

चेर्नोबिल परमाणु आपदा के चलते यूक्रेन, बेलारूस और आज के रूस के इलाके के लोग प्रभावित हुए थे। कुछ ही दिनों में प्लांट में काम करने वाले 30 कर्मचारियों की मौत हो गई थी। 30 किमी के दायरे में आने वाले घरों को खाली करा लिया गया था। भीषण विकिरण यानी रेडिएशन के कारण यह इलाका भूतिया शहर बन गया। वहां कोई रह नहीं सकता और रेडियोएक्टिव वातावरण में कुछ पैदा भी नहीं हो सकता।

ब्लैक फंगस को पहली बार देखा गया

हालांकि अब ब्लैक फंगस पनपने की खबर हैरान कर रही है। आपदा में रिएक्टर नंबर 4 में बेकाबू हुई परमाणु रीएक्शन प्रक्रिया से विस्फोट हुआ था। अब इसकी दीवारों पर क्लैडोस्पोरियम स्फेरोस्पर्मम नामक एक ब्लैक फंगस पनपता हुआ देखा गया है। रेडियोट्रॉफिक कवक कहे जाने वाले इस फंगस को दुनिया में पहली बार कहीं देखा गया है।

स्पेस यात्रा में बनेगा मददगार

हां, साइंटिस्ट मान रहे हैं कि चेर्नोबिल का यह जीव स्पेस ट्रवेल में मददगार हो सकता है। इस खोज ने वैज्ञानिकों को इस जीव का इस्तेमाल उन स्थितियों में करने के लिए प्रेरित किया है, जहां जीवित जीवों का उपयोग पर्यावरण से प्रदूषकों को हटाने के लिए किया जा सकता है। सब कुछ सही रहा तो उच्च-विकिरण वाले क्षेत्रों में इसे पहुंचाया जा सकता है, जहां ये रेडिएशन के लेवल को कम कर सकते हैं। इसके अलावा यह ब्लैक फंगस स्पेस ट्रवेल में भी उपयोगी साबित हो सकता है। मंगल और चंद्रमा पर इंसानों के जाने की रेस लगी है। सबसे बड़ी चुनौती रेडिएशन का खतरा ही है, जो इंसानी शरीर के लिए बेहद हानिकारक साबित हो सकता है। यही वजह है कि सी. स्फेरोस्पर्मम नाम का फंगस इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर भेजा गया था। माना जा रहा है कि ब्लैक फंगस इस दिशा में उपयोगी साबित हो सकता है।

स्पेस से आने के बाद नई मुश्किल झेल रहे शुभांशु शुक्ला

वॉशिंगटन। शुभांशु शुक्ला धरती के वातावरण में खुद को ढालने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। स्पेस से लौटने के बाद सब कुछ पहले जैसा नहीं होता। इंसान चलना भी भूल जाता है। यही वजह है कि वह अब तक अपने घर यानी भारत नहीं लौटे हैं। भारतीय उनकी हेल्थ को लेकर चिंतित हैं। अब शुभांशु ने खुद वीडियो शेयर कर दिखाया है कि वह अमेरिका में कौन सी नई चुनौती का सामना कर रहे हैं। दरअसल, स्पेस का वातावरण धरती से बिल्कुल अलग होता है। इस कारण वह अमेरिका के एक सेंटर में नए वातावरण में एक्सपर्ट गाइडेंस में खुद को ढाल रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि मेरे स्वास्थ्य को लेकर, मेरे जल्दी स्वस्थ होने की कामना वाले बहुत सारे संदेश मिले हैं। मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं। साथ ही एक अपडेट भी देना चाहता हूं। उन्होंने बताया कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण का अनुभव करते समय हमारा शरीर कई परिवर्तनों से गुजरता है जैसे द्रव परिवर्तन, हार्ट रेट, बैलेंस में फिर से समायोजन, मसल लॉस। ये नए वातावरण के लिए अलग से अडाप्ट करना है। एक बार जब शरीर इसकी आदत डाल लेता है और हम गुरुत्वाकर्षण में वापस आ जाते हैं, तब ये समायोजन फिर से हो जाते हैं। शुभांशु ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि यह चुनौती सभी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए अलग-अलग होती है।

वैज्ञानिकों को मिला दुनिया का सबसे विशाल लौह अयस्क भंडार, 6 ट्रिलियन डॉलर का है खजाना

कैनबरा। भूवैज्ञानिकों को ऑस्ट्रेलिया में बड़ी कामयाबी मिली है। वैज्ञानिकों ने एक अभूतपूर्व खोज में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पिलबारा क्षेत्र में लौह अयस्क के विशाल भंडार का पता लगाया है। इसे दुनिया में अब तक खोजा गया सबसे बड़ा लोहे का भंडार माना जा रहा है। इस भंडार की कीमत 6 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है।

एक्सपर्ट का कहना है कि यह खोज ना केवल वैश्विक लौह बाजार में क्रांति लाएगी, बल्कि पृथ्वी के भूवैज्ञानिक इतिहास को लेकर भी नई समझ पैदा करेगी। ऑस्ट्रेलिया का पिलबारा क्षेत्र अपने सूखे भूभाग और समृद्ध खनिज संसाधनों के लिए जाना जाता है।

तकनीक से मिली सफलता

ऑस्ट्रेलिया में हुई इस खोज में तकनीक ने बड़ी भूमिका निभाई है। भूवैज्ञानिकों को उन्नत आइसोटॉपिक डेटिंग और रासायनिक विश्लेषण से ना केवल भंडार के विशाल आकार का पता चला, बल्कि अयस्क की शानदार गुणवत्ता का भी पता चला। प्रारंभिक अनुमानों के बाद 30 प्रतिशत लौह सामग्री को संशोधित कर 60 प्रतिशत से अधिक कर दिया गया है। इससे यह भंडार अब तक खोजे गए सबसे समृद्ध भंडारों में से एक बन गया है।

आर्थिक से ज्यादा होगा असर

इस खोज का असर तात्कालिक आर्थिक लाभों से कहीं आगे तक होगा। इस भंडार में भूवैज्ञानिक इतिहास के अध्यायों को फिर से लिखने और लंबे समय से चली आ रही वैज्ञानिक मान्यताओं को चुनौती देने की क्षमता है। यह खोज पृथ्वी के अतीत के बारे में वैज्ञानिकों की समझ को बढ़ाती है। साथ ही साथ भविष्य के शोध को भी प्रेरित करती है। एक्सपर्ट को उम्मीद है कि इससे अन्वेषण और खोज के नए अवसर खुलेंगे।

500 मील दूर ब्यूटी क्वीन से मिलने पहुंचा फ्यूचर हसबैंड, पति ने किया स्वागत

ब्रुसेल्स। जब कोई प्रेमी-प्रेमिका प्यार में होते हैं, तो उन्हें मिलने से कोई दहलीज नहीं रोक पाती है। वो तमाम बंधनों को तोड़कर एक-दूसरे के हो जाते हैं। ऐसा ही सपना संजोकर बेल्जियम का एक शख्स ब्यूटी क्वीन के प्यार में पागल हो गया। उसका फ्यूचर हसबैंड बनने की खातिर उस शख्स ने लगभग 500 मील का सफर तय किया। लेकिन, वहां पहुंचकर जो सच्चाई सामने आई, उसने उसे सदमे में डाल दिया। उसे इस ट्विस्ट के बारे में अंदाजा नहीं था। दरअसल, ब्यूटी क्वीन के पास पहुंचने के बाद उस शख्स को पता चला कि वह कैटफिशिंग का शिकार हो चुका था। इस शख्स का नाम मिशेल है, जो 76 साल के हैं। ऑनलाइन उनकी दोस्ती प्रसिद्ध मॉडल सोफी वौजेलैंड से हुई और वो उनसे मिलने के लिए पहुंच गए। यह सोचकर कि वो सोफी के फ्यूचर हसबैंड बनेंगे। लेकिन, जब वह फ्रांस के सेंट-जुलियन स्थित उनके घर पर पहुंचे, तो उनका स्वागत सोफी के पति फैबियन ने किया। ऑनलाइन बातचीत के बाद मिशेल सोफी के प्यार में डूब गए थे। वो सोफी के घर पर जब पहुंचे और कहा कि वह सोफी के 'भविष्य के पति' हैं।

इस पर घर के मालिक फैबियन ने तुरंत चौंकाने वाला जवाब दिया, 'ठीक है, मैं वर्तमान वाला हूं।' मिशेल को यह जवाब सुनकर जोरदार सदमा लगा, जबकि उन्हें इस बात का पूरा यकीन था कि वह 2007 की मिस फ्रांस रनर-अप के साथ वॉट्सएप के जरिए लगातार संपर्क में थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, मिशेल को अपने और सोफी के बीच के रिश्ते पर इतना भरोसा था कि उन्होंने उस महिला को लगभग 26 लाख रुपए उधार भी दे दिया था। यह पैसे उन्होंने सोफी की फाइनेंसियल जरूरतों को पूरा करने के लिए भेजी थी, लेकिन असल में वो ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो गए थे। फैबियन और सोफी ने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में सोफी और उनके पति पीड़ित मिशेल के साथ बातचीत कर रहे हैं। वीडियो शेयर करके फैबियन और सोफी अन्य लोगों को ऐसे रोमांस स्कैम से बचने की सलाह दे रहे हैं।

नन्हें छात्रों ने बोतलों से बनाया हवा से बात करने वाला रॉकेट

बीजिंग। कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद ज्यादा तक लोग बोतलें को कूड़े में फेंक देते हैं। लेकिन, चीन के कुछ स्कूली छात्रों ने उन्हीं बोतलें से पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। उन्होंने कोला की प्लास्टिक बोतलों से ऐसा दो-स्टेज रॉकेट बनाया जो न सिर्फ हवा में उड़ा, बल्कि उड़ान के दौरान बीच में टूटा भी और अंत में पैराशूट की मदद से सुरक्षित जमीन पर उतरा। यह पूरा कारनामा कैमरे में कैद हुआ और अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

साधारण सामान, जबरदस्त टेक्निक : इस रॉकेट को तैयार करने में छात्रों ने कोई हाईटेक गैजेट्स नहीं, बल्कि बेहद सामान्य चीजें जैसे प्लास्टिक की बोतलें और पानी का इस्तेमाल किया। उन्होंने हवा और पानी के दबाव के सिद्धांत पर रॉकेट डिजाइन किया। पहले स्टेज में प्रेशराइज्ड पानी ने रॉकेट को ऊपर की तरफ धकेला और एक निश्चित ऊंचाई पर दूसरा स्टेज उससे अलग होकर आगे बढ़ा।

पैराशूट से हुआ सेफ लैंडिंग

रॉकेट का दूसरा स्टेज उड़ान के बाद जब रफ्तार कम होने लगी तो उसमें से पैराशूट खुला, जिससे वह धीरे-धीरे नीचे उतर गया। छात्रों का यह प्रोजेक्ट न केवल विज्ञान के न्यूटन के नियम, वायुरोध और दबाव जैसी जटिल अवधारणाओं को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि कैसे साधारण चीजों से असाधारण काम किया जा सकता है।

सुयश हॉस्पिटल
(NABH से मान्यता प्राप्त)
न्यूरो सर्जरी विभाग
.सिर की चोट
.रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन
.ब्रेन ट्यूमर
.ब्रेन हेमरेज
आदि का उच्च स्तरीय ईलाज
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर

पलकों का न खुलना
टोसिस PTOSIS का ईलाज
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com